@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 4 अप्रैल 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 143 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मुसलमानों के लिए भाजपा की चिंता देखकर जिन्ना को भी शर्म आ जाएगी: उद्धव ठाकरे

मुंबई, 3 अप्रैल। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को केंद्र की मोदी सरकार पर कटाक्ष किया। ठाकरे ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान भाजपा और उसके सहयोगियों की ओर से दिखाई गई चिंता पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना को शर्मिंदा कर देगी। लोकसभा से

विधेयक पारित किए जाने के कुछ घंटों बाद यहां एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी विधेयक पर भाजपा के कपटपूर्ण रुख और जमीन छीनकर अपने उद्योगपति मित्रों को देने की उसकी चाल का विरोध करती है। भाजपा के पूर्व सहयोगी उद्धव ठाकरे ने कहा कि भाजपा ने केंद्र में तीसरी बार जीत हासिल की है। चीजें अच्छी चल रही हैं, फिर भी वह हिंदू-मुस्लिम मुद्दों को उठा रही है। उन्होंने भाजपा को चुनौती दी कि अगर उसे मुसलमान नापसंद हैं तो वह अपने पार्टी के झंडे से हरा रंग हटा दे। ठाकरे ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश को अमेरिकी टैरिफ के खतरे और इसे कम करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में बताना चाहिए। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने विधेयक और उसे पारित कराने के लिए सरकार की ओर से दिखाई गई जल्दबाजी की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह विधेयक जबरन पास कराया गया है, इसे थोपा गया है। इससे पहले लोकसभा ने वक्फ (संशोधन) विधेयक को 12 घंटे की बहस के बाद आधी रात के बाद पारित कर दिया था। विपक्षी सदस्यों की ओर से पेश किए गए सभी संशोधनों को ध्वनि मत से खारिज किए जाने के बाद विधेयक को पारित किया गया।

वक्फ संशोधन विधेयक राज्यसभा से पारित हुआ

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 3 अप्रैल। लोकसभा ने बुधवार रात करीब 1.56 बजे वक्फ संशोधन विधेयक बहुमत से पारित कर दिया। विधेयक के पक्ष में 288, जबकि विरोध में 232 मत पड़े। विधेयक पर लोकसभा में 12 घंटे से अधिक समय तक चर्चा हुई। आज विधेयक के प्रावधानों पर राज्यसभा में चर्चा हो रही है। यहां भी कई विपक्षी सांसदों ने सरकार की तरफ से प्रस्तावित विधेयक और इसके प्रावधानों पर आपत्ति जताई। राज्य सभा में वक्फ संशोधन विधेयक 2025 और मुसलमान वक्फ रीअपील विधेयक, 2025 पर मतदान के प्रस्ताव पर वोटिंग प्रक्रिया जारी है। विपक्ष के लाए संशोधन पर राज्य सभा में मतदान की प्रक्रिया चल रही है। संसद में मतदान के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग के साथ पर्ची से मतों का मिलान किया जाता है। मंत्री रिजिजू ने राज्यसभा में कहा कि वक्फ बोर्ड एक वैधानिक निकाय है और इसे धर्मनिरपेक्ष होना चाहिए। वक्फ बोर्ड एक वैधानिक निकाय है और वैधानिक निकाय में केवल मुसलमानों को ही क्यों शामिल किया जाना चाहिए? अगर हिंदू और मुसलमानों के बीच कोई विवाद है, तो उस विवाद को कैसे सुलझाया जाएगा?...वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों के साथ भी विवाद हो सकते हैं...वैधानिक निकाय धर्मनिरपेक्ष होना चाहिए और सभी धर्मों के लोगों का प्रतिनिधित्व होना चाहिए। फिर भी हमने इसमें गैर-मुस्लिमों की संख्या सीमित कर दी है। वक्फ बिल से मुसलमानों को हम नहीं डरा रहे, बल्कि विपक्षी पार्टियां डरा रही हैं। मुस्लिम समाज के लोग खुश हैं... पहले वक्फ का गलत तरीके से उपयोग किया जाता था... अब पूरे भारत में खुशी की लहर है। राज्यसभा में वक्फ संशोधन बिल 2025 पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने बिल का विरोध किया। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान कहा-2014 में आई भाजपा तभी से वक्फ संपत्तियों को हड़पने की कोशिश कर रही है। वे जिस मुस्लिमों को न्याय दिलाने की बात कर रहे हैं, उनके पास लोकसभा में कोई मुस्लिम सांसद नहीं है। इस दौरान इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि, हमारी इबादगाहें हमसे न छिनिए, हमसे हमारी कब्रें न छिने। वक्फ विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए उत्तर प्रदेश के भाजपा सांसद बृज लाल ने कहा कि

इस संशोधन विधेयक के माध्यम से सरकार कई समुदाय के लोगों की भलाई करने वाली है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक वक्फ की आड़ में अभिजात्य वर्ग के मुस्लिम लंबे समय तक अपनी मनमानी और एंजॉय करते रहे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने भूमि के संबंध में इन्क्वायरी के जो प्रावधान किए हैं, वे बेहद जरूरी हैं। संशोधन विधेयक के कानून बनने पर भूमि विवाद के संबंध में बोर्ड अंतिम फैसला लेगा। इसलिए पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दृष्टि से कानून में किए जा रहे बदलाव अहम हैं। वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में केरल से निर्वाचित इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (ढ्रूरू) सांसद हारिस बीरन ने भी भाग लिया। उनके वक्तव्य के दौरान सांसदों ने जमकर हंगामा किया। इस समय पीठासीन सभापति हरिवंश ने उनसे कहा कि वे हंगामे की परवाह किए बिना अपनी बातें सदन के रिकॉर्ड पर रखें। उन्होंने विधेयक के कई प्रावधानों पर सवाल खड़े किए। उन्होंने सरकार के प्रस्तावों पर पूछा, आखिर सरकार धार्मिक मुद्दों पर हस्तक्षेप क्यों करना चाहती है? उन्होंने कहा कि सेक्युलरिज्म केरल की विरासत है। पूरा राज्य इस विचार के साथ है।

सुप्रीम कोर्ट ने पटाखों पर बैन हटाने से किया इनकार

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 3 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर लगे प्रतिबंध को हटाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि लंबे समय से यहां वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइंया की बेंच ने कहा कि सड़कों पर काम करने वाले लोग सबसे ज्यादा प्रदूषण से प्रभावित होते हैं। हर किसी के पास अपने घर या कार्यस्थल पर वायु शुद्धिकरण यंत्र लगाने की सुविधा नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, पिछले छह महीनों में इस अदालत ने कई आदेश दिए हैं, जो दिखाते हैं कि दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति बहुत खराब रही है। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत स्वास्थ्य का अधिकार हर नागरिक का हक है, जिसमें स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त वातावरण में जीने का अधिकार भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि

जब तक यह साबित नहीं हो जाता कि ग्रीन पटाखों से बेहद कम प्रदूषण होता है, तब तक इस बैन पर दोबारा विचार करने का सवाल ही नहीं उठता। कोर्ट के अनुसार, दिल्ली में जो असाधारण स्थिति बनी हुई है, उसके चलते पटाखों पर रोक लगाना बिल्कुल जरूरी है। शीर्ष अदालत ने कहा कि समय-समय पर पारित आदेशों से यह संकेत मिलता है कि पटाखों के उपयोग पर निर्देश और प्रतिबंध दिल्ली में मौजूदा असाधारण स्थिति के मद्देनजर बहुत जरूरी थे।

केंद्र से हिमाचल की सड़कों और पुलों के लिए मिले 267 करोड़ रुपये

शिमला, 3 अप्रैल। केंद्र सरकार ने हिमाचल में नेशनल हाईवे के सुदृढीकरण समेत अलग-अलग सड़क परियोजनाओं के लिए 267 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। राज्य सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पूंजी परिव्यय के तहत केंद्र से अलग-अलग सड़क परियोजनाओं के लिए 1,400 करोड़ रुपये मांगे हैं, जिसमें से पहली किस्त के तौर पर केंद्र ने 267 करोड़ रुपये जारी किए हैं। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बताया कि चंबा और ऊना में तीन-तीन पुलों का निर्माण प्रस्तावित है। वहीं, 54.37 करोड़ रुपये निगुलसरी-नाथपा सड़क पर भूस्खलन रोकने पर खर्च होंगे। 40.85 करोड़ से कटोरी बांगड़ा-बनीखेत-चंबा-भरमौर सड़क के केरू पुल के समीप भूस्खलन रोका जाएगा। वहीं, कटोरी बांगड़ा-बनीखेत-चंबा-भरमौर भट्टी नाला पुल के समीप सड़क को टूलेन बनाने पर 48 करोड़ खर्च होंगे। ऊना में बरना और बोरे वाली खड्ड पर 2 पुलों के निर्माण सहित अन्य कार्यों की परियोजना रिपोर्ट तैयार करने को 24.27 करोड़ और स्वां नदी पर पुल निर्माण के लिए 36.93 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

उत्तर भारत ने दक्षिण पर नहीं जमाया प्रभुत्व

बंगलूरू, 3 अप्रैल। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, यह कहना भ्रामक है कि कई मुद्दों पर उत्तर भारत ने दक्षिण के राज्यों पर प्रभुत्व जमा लिया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की धरती स्वयं इस बात का प्रमाण है कि दक्षिण ने कई अवसरों पर धर्म के मामलों में उत्तर को नई दिशा दी है। रक्षा मंत्री ने मंगलवार को तुमकुरु में सिद्धगंगा मठ में डॉ. श्रीश्रीश्री शिवकुमार स्वामी की 118वीं जयंती समारोह में उत्तर के सांस्कृतिक और धार्मिक परिदृश्य को आकार देने में दक्षिण भारत के महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख किया। रक्षा मंत्री की यह टिप्पणी कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की हाल ही में एक प्रमुख अखबार में लिखे गए संपादकीय के बाद आई है। सोनिया गांधी के लेख में उत्तर और दक्षिण के राज्यों के साथ केंद्र सरकार के व्यवहार का उल्लेख किया गया है। सिंह ने कहा कि काशी के आचार्य मंडन मिश्र और आदि शंकराचार्य के बीच हुआ शास्त्रार्थ भारतीय संस्कृति का सबसे प्रसिद्ध शास्त्रार्थ है। यह सर्वविदित तथ्य है कि उस शास्त्रार्थ में शंकराचार्य ने मंडन मिश्र को पराजित किया था, लेकिन उसके बाद मंडन का क्या हुआ, यह बहुत कम लोगों को पता है। आचार्य मंडन शंकराचार्य के शिष्य बन गए। वे कर्नाटक आए और श्रृंगेरी में आचार्य सुरेशाचार्य के रूप में शंकराचार्य बने। उन्होंने कहा, इसका मतलब है कि भारतीय परंपरा ज्ञान को लेकर बहुत उदार रही और सत्य को स्वीकार करने में जरा भी हिचकिचाहट नहीं की। इसलिए मेरा मानना है कि आज गुलामी के कालखंड में मतभेद पैदा करने के लिए किए गए दुष्प्रचार से मुक्ति पाने की जरूरत है। रक्षा मंत्री ने कहा, जैसे हर व्यक्ति या वस्तु में कोई न कोई विशेष गुण होता है, वैसे ही देश का भी अपना चरित्र और पहचान होती है।

भारत-थाईलैंड सांस्कृतिक और आध्यात्मिक डोर से जुड़े हैं: प्रधानमंत्री मोदी

सौरभ शर्मा

बैंकॉक, 3 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इसके बाद पीएम मोदी ने कहा कि भारत और थाईलैंड के संबंध हमारी गहरी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक डोर से जुड़े हैं। हमने दोनों देशों के संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और थाईलैंड के बीच सदियों पुराने संबंध हैं। ये संबंध हमारी गहरी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक डोर से जुड़े हैं। हमने भारत-थाईलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। पीएम मोदी ने बृहस्पतिवार को थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। जिसके बाद उन्होंने शिनावात्रा के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और थाईलैंड के बीच पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग पर जोर दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की %एक्ट ईस्ट% नीति और इंडो-पैसिफिक विजन में थाईलैंड का विशेष स्थान है। पीएम मोदी की यात्रा के दौरान थाई सरकार ने 18वीं सदी के %रामायण% भित्ति चित्रों पर आधारित डाक टिकट जारी किए, जिसके लिए पीएम मोदी ने थाई सरकार का आभार

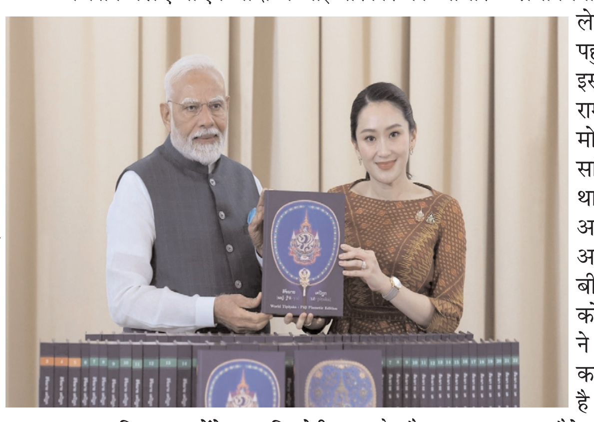

व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मेरी यात्रा के दौरान डाक टिकट जारी करने के लिए मैं थाई सरकार का आभारी हूं। इसके अलावा, पीएम मोदी ने 28 मार्च को थाईलैंड में आए भूकंप में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। पीएम मोदी ने कहा कि मैं भारत के लोगों की तरफ से भूकंप में हुई जनहानि के लिए गहरी संवेदना प्रकट करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी 6वें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर बैंकॉक पहुंचे। जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने रामकियेन (थाई रामायण) का मनमोहक प्रदर्शन देखा। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, %एक ऐसा सांस्कृतिक जुड़ाव जो किसी और जैसा नहीं था! थाई रामायण, रामकियेन का एक आकर्षक प्रदर्शन देखा। यह वास्तव में समृद्ध अनुभव था, जिसने भारत और थाईलैंड के बीच साझा सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को खूबसूरती से प्रदर्शित किया।% पीएम मोदी ने आगे कहा कि रामायण वास्तव में एशिया के कई हिस्सों में दिलों और परंपराओं को जोड़ती है। शाम को, पीएम मोदी समुद्रीय सहयोग पर समझौते पर हस्ताक्षर की देखरेख के लिए बिम्सटेक (बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) के नेताओं के साथ शामिल होंगे, जिनमें थाईलैंड, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार और भूटान के नेता शामिल हैं।

राज्य सरकार का उद्देश्य लोगों के जीवन को आसान बनाना है: नायब सिंह सैनी

संजय अरोड़ा

चंडीगढ़, 3 अप्रैल - हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज यहां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला और उपमंडल स्तर पर आयोजित समाधान शिविरों में जनता से बातचीत की। बातचीत के दौरान उन्होंने लोगों की संतुष्टि के स्तर के बारे में प्रत्यक्ष रूप से जानकारी हासिल की। मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों और उपमंडल मजिस्ट्रेटों (एसडीएम) को भी प्रतिदिन व्यक्तिगत रूप से शिविर में उपस्थित होकर लोगों की शिकायतों का मौके पर ही समाधान करने के निर्देश दिए, ताकि शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों और एसडीएम से प्राप्त शिकायतों, निपटाई गई शिकायतों और लंबित शिकायतों की संख्या के बारे में भी जानकारी हासिल की। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि अक्टूबर से मार्च 2025 तक सभी जिलों में समाधान शिविरों में प्राप्त 18,925 शिकायतों में से 10,955 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है, 6,639 लंबित हैं और 1,331 को खारिज कर दिया गया है। इसी प्रकार, राज्यभर में शहरी स्थानीय निकायों में आयोजित समाधान शिविरों में प्राप्त 8,635 शिकायतों में से 5,761 का समाधान किया जा चुका है, 1,813 लंबित हैं और 1,061 को खारिज कर दिया गया है।

विभिन्न विभागों से संबंधित जन शिकायतों का एक ही स्थान पर समाधान करने के लिए लगाए जा रहे समाधान शिविर श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विभिन्न विभागों से संबंधित जन शिकायतों का एक ही स्थान पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने जिला एवं उपमंडल मुख्यालय स्तर पर समाधान शिविर शुरू किए हैं। ये शिविर प्रत्येक कार्य दिवस में प्रात: 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहते हैं, ताकि अपने-अपने विभागों से संबंधित शिकायतों का त्वरित समाधान किया जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि समाधान शिविरों के संबंध में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग राज्य सरकार की इस पहल का लाभ उठा सकें। मुख्यमंत्री ने कुछ जिलों में शिकायतों के लंबित रहने का कड़ा संज्ञान लेते हुए उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ मिलकर सप्ताह में एक बार इन शिकायतों की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करें, ताकि लंबित मामलों की संख्या शून्य हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नीतिगत निर्णयों से जुड़ी शिकायतों को मुख्य सचिव कार्यालय को भेजा जाना चाहिए, जहां उनके समाधान के लिए सरकार के स्तर पर निर्णय लिए जा सकते हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य लोगों के जीवन को आसान बनाना है, ताकि उन्हें अपने काम करवाने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि जिला स्तर के अलावा उप-मंडल मुख्यालयों पर भी नियमित रूप से समाधान शिविर आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि एसडीएम के अलावा संबंधित विभागों के अधिकारी भी इन शिविरों में मौजूद रहें, ताकि उनके विभागों से संबंधित जन शिकायतों का तुरंत समाधान सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि यदि शिकायतकर्ता को एक ही मुद्दे के लिए बार-बार समाधान शिविरों में जाना पड़ता है तो इसके लिए अधिकारी जवाबदेह होंगे। मुख्यमंत्री ने समाधान शिविरों में लोगों से किया संवाद मुख्यमंत्री ने जिला एवं उपमंडल मुख्यालयों पर आयोजित समाधान शिविरों में लोगों से संवाद किया तथा उपस्थित लोगों से फीडबैक लिया। संवाद के दौरान, रोहतक में समाधान शिविर में आई एक महिला ने एक निजी स्कूल द्वारा धारा 134-ए के तहत बच्चे के दाखिले के लिए फीस मांगने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने उपायुक्त को शिकायतकर्ता की सहानुभूतिपूर्वक सुनवाई करने तथा मामले की गहन जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपायुक्त को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि जिले का कोई भी स्कूल इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त न हो।

न्यायपालिका के प्रति सम्मान है, लेकिन फैसला स्वीकार नहीं: ममता

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 3 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में 25 हजार शिक्षकों की नियुक्ति को रद्द कर दिया है। स्कूल शिक्षकों की नियुक्तियों को अमान्य करार देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि, न्यायपालिका के प्रति सर्वोच्च सम्मान है, लेकिन फैसले को स्वीकार नहीं कर सकती। ममता ने कहा कि नौकरी खो चुके लोगों से मिलेंगे, उनसे उम्मीद न खोने को कहेंगे। बनर्जी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, मैं न्यायपालिका और न्यायाधीशों का बहुत सम्मान करती हूं, लेकिन मैं मानवीय दृष्टिकोण से इस फैसले को स्वीकार नहीं कर सकती। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार सभी कानूनी विकल्पों पर विचार करते हुए सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन करेगी। उन्होंने कहा, हमें फैसले को स्वीकार करना होगा और कानूनी रूप से जो भी संभव हो, वह करना होगा। बनर्जी ने कहा कि राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी इस मामले में जेल में हैं। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए पूछा, व्यापम मामले में कितने भाजपा नेताओं को गिरफ्तार किया गया? उन्होंने सवाल किया, क्या भाजपा पश्चिम बंगाल की शिक्षा प्रणाली को ध्वस्त करना चाहती है? मुख्यमंत्री ने कहा कि वह उन लोगों से मिलेंगी, जिन्होंने अपनी नौकरी खो दी है। उन्होंने कहा, मैं उनसे कहूंगी कि वे उम्मीद न खोएं। ममता ने कहा, मैं 7

अप्रैल को नेताजी इंडोर स्टेडियम में उनसे मिलूंगी। मैं मानवीय आधार पर उम्मीदवारों के साथ हूं। इस कदम के लिए, अगर भाजपा मुझे जेल भेजना चाहती है, तो वे भेज सकते हैं। अगर आप इसके लिए तैयार हैं तो मुझे पकड़ लें। सीएम ममता बनर्जी ने कहा, एसएससी एक स्वायत्त निकाय है। हम सरकार के रूप में हम उनके काम में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। यदि न्यायालय ने तीन महीने (नई चयन प्रक्रिया के लिए) का उल्लेख किया है, तो हम मानवीय आधार पर उम्मीदवारों के साथ हैं। सुकांत मजूमदार ने कहा कि मैं इसके लिए जिम्मेदार हूं...वे हर समय बंगाल को क्यों निशाना बना रहे हैं? मैं बंगाल में पैदा हुआ हूं और मैं भाजपा और केंद्र सरकार की मंशा जानता हूं। सुप्रीम कोर्ट के 25 हजार से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति रद्द करने के बाद पश्चिम बंगाल भाजपा ने सीएम ममता बनर्जी से इस्तीफा देने की मांग की। राज्य भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने एक्स पर लिखा कि शिक्षक भर्ती में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की पूरी जिम्मेदारी राज्य की असफल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से साफ है कि ममता बनर्जी के शासन में कैसे पश्चिम बंगाल में शिक्षित बेरोजगार युवाओं की योग्यता को पैसे के बदले बेचा गया। इस बड़े भ्रष्टाचार की पूरी जिम्मेदारी लेते हुए मैं विफल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से तत्काल इस्तीफे की मांग करता हूं। अब और माफी नहीं मिलेगी। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा देश को बांटने के लिए वक्फ (संशोधन) विधेयक लाई है। उन्होंने कहा, जब भाजपा नीत सरकार को हटा दिया जाएगा और नई सरकार बनेगी तो वक्फ विधेयक को रद्द करने के लिए संशोधन लाएंगे।

ट्रंप व्यवसायी, हमारा ग्राहक फंस गया: खरगे

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 3 अप्रैल। अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 26 फीसदी पारस्परिक टैरिफ ने एक राजनीतिक मुद्दे को जन्म दे दिया है। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर लगातार केंद्र सरकार पर निशाना साध रही है। इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी इस मुद्दे को संसद में उठाने की बात कही है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम नरेंद्र मोदी की दोस्ती पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि ट्रंप एक व्यवसायी हैं, और हमारा ग्राहक फंस गया। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने बृहस्पतिवार को संसद के बाहर कहा कि उनकी पार्टी अमेरिकी प्रशासन द्वारा लगाए गए पारस्परिक टैरिफ पर चर्चा करेगी। इस मुद्दे पर एक बाइट देना उचित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मुद्दे पर चर्चा के बाद एक विस्तृत बयान जारी करेगी। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाने के लिए तैयार है। खरगे ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच दोस्ती पर भी सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से वे एक-दूसरे को गले लगाते हैं और बात करते हैं। इसके बाद ये टैरिफ लगाना दर्शाता है कि ट्रंप एक व्यवसायी हैं, और अब हमारा ग्राहक फंस गया है। कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने अमेरिका के पारस्परिक टैरिफ को व्यापार के लिए बेहद हानिकारक बताया। उन्होंने सरकार से इस मुद्दे को उठाने की अपील की। शुक्ला ने कहा, यह हमारे व्यापार के लिए बेहद हानिकारक होगा। भारत सरकार को इस मुद्दे को तुरंत अमेरिकी सरकार के समक्ष उठाना चाहिए। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को नए आयात शुल्क की घोषणा की। इसमें भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाया गया। इस दौरान ट्रंप ने पीएम मोदी को अपना अच्छा मित्र बताया और कहा कि भारत अमेरिका से 52 फीसदी शुल्क वसूलता है, जबकि हम उनसे कुछ भी शुल्क नहीं वसूलते हैं। ट्रंप ने कहा कि आप (पीएम मोदी)

हमारे साथ सही व्यवहार नहीं कर रहे हैं। ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिका अन्य देशों से मोटरसाइकिलों पर केवल 2.4 फीसदी शुल्क लेता है। जबकि थाईलैंड 60 फीसदी, भारत 70 फीसदी, वियतनाम 75 फीसदी और अन्य देश इससे भी अधिक शुल्क वसूल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी विदेशी निर्मित ऑटोमोबाइल पर 25 फीसदी शुल्क लगाया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि हम सभी विदेशी निर्मित ऑटोमोबाइल पर 25 फीसदी टैरिफ लगाएंगे और यह आधी रात से प्रभावी होगा।

राजशाही के पक्ष में प्रदर्शन के दौरान मारे गए दो लोगों को मिलेगा 10-10 लाख रुपये का मुआवजा

काठमांडू। काठमांडू में बीते शुक्रवार को राजशाही के पक्ष में हुए प्रदर्शन के दौरान मारे गए दोनों व्यक्तियों के परिवारों को नेपाल सरकार ने 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने का ऐलान किया है। हिंसक झड़प के दौरान एक कार्यकर्ता की गोली लगने से मौत हो गई थी, जबकि एक पत्रकार आगजनी के क्रम में जिंदा जल गया था। नेपाल सरकार के गृहमंत्री रमेश लेखक के नेतृत्व में गृह मंत्रालय में हुई सुरक्षा समिति की बैठक में प्रदर्शन के दौरान मारे गए दोनों मृतकों को 10-10 लाख मुआवजा देने का फैसला लिया गया। बैठक के बाद गृह मंत्री रमेश लेखक ने कहा कि मृतक के परिवार वालों को यह मुआवजा जल्द से जल्द उपलब्ध कराया जाएगा। नेपाल में राजशाही के पक्ष में चल रहे प्रदर्शन के दौरान बीते शुक्रवार को हिंसक झड़प होने से दो लोगों की मौत होने के साथ ही दर्जनों घायल हो गए थे। इस दौरान दो दर्जन से अधिक गाड़ियों में आगजनी करने के साथ कई जगहों पर लूटपाट की भी घटना हुई थी। इसी दौरान प्रदर्शनकारी सवीं महाजन की पुलिस की गोली लगने से मौत हो गई। इसी तरह प्रदर्शन की रिपोर्टिंग कर रहे टीवी चैनल के पत्रकार श्याम रजक की आग़ में झुलसने से मौत हो गई थी।

रूस और यूक्रेन अमेरिका को दे रहे हैं 'अच्छा सहयोग'

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में अपने भाषण में कहा है कि रूस और यूक्रेन दोनों ही युद्ध विराम के मुद्दे पर हमें अच्छा सहयोग दे रहे हैं। श्री ट्रम्प ने कहा, मुझे लगता है कि रूस और यूक्रेन दोनों ही हमें अच्छा सहयोग दे रहे हैं।व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मंगलवार को कहा कि श्री ट्रम्प रूस और यूक्रेन के नेताओं से निराश हैं लेकिन अमेरिका संघर्ष को समाप्त करने के लिए दोनों पक्षों के साथ बातचीत कर रहा है।

बंगलादेश में दो बसों की टक्कर से दस लोगों की मौत

ढाका। बंगलादेश के चटगांव में बस और मिनीबस के बीच आमने-सामने की टक्कर से 10 लोगों की मौत हो गयी है।चटगांव जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आरिफुर रहमान ने बताया कि दुर्घटना उस समय हुई जब कॉक्स बाजार जा रही बस एक मिनीबस से टकरा गयी। घटना में दो लोग घायल भी हुए हैं।उन्होंने बताया कि सभी यात्री रिश्तेदार थे जो ईद की छुट्टियों का आनंद लेने के लिए समुद्र तटीय शहर कॉक्स बाजार जा रहे थे।

इंडोनेशिया में शक्तिशाली भूकंप के झटके

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी उत्तरी मालुकु प्रांत में गुरुवार सुबह शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किये गये। मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी के मुताबिक स्थानीय समयानुसार 04×03 बजे आये भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.9 मापी गयी। भूकंप का केंद्र उत्तरी हलमाहेरा रीजेंसी में लोलोडा उप-जिले से 121 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में समुद्रतल से 42 किलोमीटर की गहराई में रहा। भूकंप के झटके टेरनेट सिटी और वेस्ट हलमाहेरा रीजेंसी और पड़ोसी प्रांत उत्तरी सुलावेसी के मनाडो और बिटुंग में भी महसूस किये गये। भूकंप से किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। एजेंसी ने सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की है।

सभी देशों पर आयात शुल्क पांच अप्रैल से लागू होगा-व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। अमेरिका पांच अप्रैल से सभी विदेशी आयातों पर दस प्रतिशत आयात शुल्क लगाएगा जबकि नौ अप्रैल से उन देशों पर शुल्क बढ़ाए जाएंगे जिनके साथ अमेरिका का सबसे बड़ा व्यापार घाटा है। व्हाइट हाउस ने एक बयान में यह जानकारी दी है। बयान में कहा गया राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सभी देशों पर दस प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे। यह पांच अप्रैल 2025 को दोपहर 12:01 बजे (ईडीटी) से प्रभावी होगा। श्री ट्रम्प उन देशों पर एक व्यक्तिगत पारस्परिक उच्च शुल्क लगाएंगे जिनके साथ अमेरिका का सबसे बड़ा व्यापार घाटा है।

चीन देगा अमेरिका के टैरिफ का कड़ा जवाब

एजेंसी

बीजिंग। चीन ने आज अमेरिका के पारस्परिक टैरिफ का कड़ा विरोध किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के 438 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आयात पर 34 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की। चीन अमेरिका का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। चीन ने कहा कि वह अपने अधिकारों की रक्षा के लिए दृढ़ता से जवाब देगा। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा कि चीन अमेरिका के पारस्परिक टैरिफ का दृढ़ता से विरोध करता है और अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए दृढ़तापूर्वक जवाबी उपाय अपनाएगा। प्रवक्ता ने ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि इतिहास बताता है कि टैरिफ बढ़ाने से अमेरिका की अपनी समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता। इससे अमेरिकी हितों को ही नुकसान पहुंचता है। इस टैरिफ से वैश्विक आर्थिक विकास के साथ-

साथ औद्योगिक और आपूर्ति श्रृंखला की स्थिरता को भी खतरा होता है। मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'व्यापार युद्ध में कोई विजेता नहीं होता है।पारस्परिकता के बहाने अपने सभी व्यापारिक साझेदारों पर टैरिफ बढ़ाना हितों के संतुलन की उपेक्षा करता है। ट्रंप इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका को अंतरराष्ट्रीय व्यापार से लंबे समय से लाभ मिल रहा है।' प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने व्यक्तिपरक और एकतरफा मूल्यांकन के आधार पर तथाकथित पारस्परिक टैरिफ निर्धारित किया है। यह टैरिफ अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों का उल्लंघन है। इससे संबंधित पक्षों के अधिकारों और हितों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है। यह एकतरफा चालाकी का उच्च प्रदर्शन है।उन्होंने कहा कि कई व्यापारिक साझेदारों ने अमेरिकी कदम के प्रति गहरा असंतोष व्यक्त किया है। उन्होंने ने कहा कि चीन संयुक्त राज्य अमेरिका से अपने एकतरफा टैरिफ को तुरंत रद्द करने और समान बातचीत के माध्यम से अपने व्यापारिक भागीदारों के साथ मतभेदों को हल करने का आग्रह करता है। इस बीच चीन ने मूल्य शासन तंत्र में सुधार करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किया है। यह दिशा-निर्देश चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के जनरल कार्यालय और राज्य परिषद के जनरल कार्यालय ने जारी किया है। इसका उद्देश्य मूल्य मार्गदर्शन तंत्र, उचित मूल्य स्तर बनाए रखने के लिए मूल्य विनियमन तंत्र, पारदर्शी एवं पूर्वानुमानित बाजार मूल्य पर्यवेक्षण तंत्र को बढ़ावा देना है।

चीन ने ताइवान के आसपास किया विशाल सैन्य अभ्यास

एजेंसी

ताइपे। चीन ने ताइवान के आसपास दो दिवसीय सैन्य अभ्यास किया, जिसमें उसने अपने सभी निर्धारित कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया। यह अभ्यास मध्य और दक्षिणी ताइवान जलडमरूमध्य में स्ट्रेट थंडर-2025ए नामक ऑपरेशन के तहत हुआ, जिसका उद्देश्य द्वीप की नाकेबंदी को लागू करना था। चीन, ताइवान को अपनी मुख्य भूमि का हिस्सा मानता है और इस सैन्य गतिविधि को ताइवान की स्वतंत्रता की मांग करने वाली गतिविधियों के खिलाफ एक कड़ी चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के ईस्टर्न थिएटर कमान के प्रवक्ता शी यी के हवाले से बताया कि इस अभ्यास में सैनिकों की एकीकृत संचालन क्षमताओं का परीक्षण किया गया और सभी निर्धारित कार्यों को पूरी सफलता के साथ अंजाम दिया गया। शी ने कहा कि चीन के सैनिक हमेशा हाई अलर्ट पर रहते हैं और ताइवान की स्वतंत्रता की मांग करने वाली किसी भी गतिविधि को विफल करने के लिए युद्ध की तैयारी को मजबूत कर रहे हैं। इस सैन्य अभ्यास में पीएलए के नौसेना, वायुसेना और रॉकेट बलों ने भाग लिया। इसमें शेडोंग विमानवाहक बेड़े द्वारा नकली हमले और लंबी दूरी की गोलीबारी का अभ्यास किया गया। इसके अतिरिक्त, पीएलए ने अपने अत्याधुनिक हथियारों जैसे टाइप 054ए फ्रिगेट, डीएफ-15 बैलिस्टिक मिसाइल, वाईजे-21 हाइपरसोनिक मिसाइल, एच-6के बॉम्बर और वाई-20 परिवहन विमान का भी इस्तेमाल किया।

'काठमांडू हिंसा' की जिम्मेदारी लेने से पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र का इनकार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू बीते शुक्रवार को राजशाही के समर्थन में हुए प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की जिम्मेदारी लेने से पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के सचिवालय ने इनकार कर दिया है।

सचिवालय ने गुरुवार को शाह के हवाले से जारी बयान में आरोप लगाया है कि इस दुखद घटना के लिए सरकार की कमियां और कमजोरी जिम्मेदार हैं।

सचिवालय के संवाद सचिव फनिराज पाठक ने बयान में कहा कि निर्मल निवास और पूर्व राजा के समर्थक प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा, तोड़फोड़ और लूटपाट की जिम्मेदारी नहीं लेंगे। पाठक ने दावा किया कि 28 मार्च को तिनकुने क्षेत्र में हुई तोड़फोड़, आगजनी और दो लोगों की मौत के लिए पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह को जिम्मेदार ठहरा कर ओली सरकार अपनी कमजोरी छुपाने का प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ओली ने संसद में इस घटना के लिए सीधे-सीधे पूर्व

राजा को दोषी बताते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी थी। उल्लेखनीय है यह प्रदर्शन पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के 87 वर्षीय कट्टर समर्थक नवरज सुबेदी के नेतृत्व में संयुक्त जनसंघर्ष समिति ने किया था।सुवेदी ने दावा किया था कि उनको पूर्व राजा ने ही इस समिति का नेतृत्व करने के लिए कहा था। शुक्रवार की घटना के बाद से ही सुवेदी को नजरबंद कर दिया गया है।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव, आइसोलेशन में रखा गया

एजेंसी

कराची। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया है। उन्हें आइसोलेशन में रखा गया है। उनके चिकित्सक डॉ. असीम हुसैन ने इसकी पुष्टि की। डॉ. हुसैन ने कहा कि राष्ट्रपति को एक निजी अस्पताल में संक्रामक रोग विशेषज्ञों से चिकित्सा देखभाल मिल रही है। राष्ट्रपति के किसी से भी मिलने पर सख्त प्रतिबंध लगा दिया गया है।

जियो न्यूज की खबर के अनुसार, डॉ. असीम हुसैन ने कहा कि राष्ट्रपति जरदारी पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और उनके स्वास्थ्य की स्थिति का आकलन करने के लिए कई परीक्षण किए गए हैं। चिकित्सा दल उनकी स्थिति को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए चौबीसों घंटे निगरानी सुनिश्चित कर रहा है। राष्ट्रपति जरदारी को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करने के बाद नवाबशाह से कराची के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है। सिंध के वरिष्ठ मंत्री शारजील

मेमन ने कहा कि राष्ट्रपति के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि पूरे देश की दुआ राष्ट्रपति के साथ है। इस बीच, नेशनल असेंबली के स्पीकर अयाज सादिक ने राष्ट्रपति जरदारी से टेलीफोन पर बातचीत कर उनका हालचाल जाना। नेशनल असेंबली के स्पीकर ने जल्द ही जरदारी के पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की। सिंध के गवर्नर कामरान टेसोरी ने भी राष्ट्रपति जरदारी के चिकित्सक डॉ. असीम हुसैन से संपर्क कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

बिम्सटेक को विकासोन्मुख संगठन बनाने पर नेपाल का जोर

एजेंसी

काठमांडू। बैंकाक में इंडिया फाउंडेशन के कार्यक्रम में नेपाल की विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा देउबा ने कहा कि बहुक्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल (बिम्सटेक) को जीवंत, जन-केंद्रित और विकास-उन्मुख संगठन के रूप में विकसित होना चाहिए। उन्होंने यह बात थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के मौके पर आयोजित तीसरी बिम्सटेक वार्ता 2025 में कही।आरजू राणा ने क्षेत्रीय संगठन से क्षेत्र के भीतर लोगों की उम्मीदों, अपेक्षाओं और समस्याओं को संबोधित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय और वैश्विक संगठनों को इसकी समस्याओं की पहचान करने और उन्हें हल करने के लिए सामूहिक प्रयास करने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कैसे दुनिया भर में दो विश्व युद्धों की राख से क्षेत्रीय कूटनीति और सहयोग उभरा, और कैसे स्थानीय गतिशीलता, अद्वितीय क्षेत्रीय पहचान और अवसरों के साथ-साथ

वैश्वीकरण से उभरी चुनौतियों जैसे कारकों ने प्रक्रिया को और आकार दिया है।डॉ. राणा ने बिम्सटेक को एक मजबूत साझेदारी मंच में बदलने के लिए क्षेत्रीय एकता और सामूहिक सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने इस क्षेत्र की महिलाओं और बच्चों के खराब स्वास्थ्य, मातृ और शिशु मृत्यु दर की स्थिति, शासन में महिलाओं के प्रतिनिधित्व, महिलाओं के लिए नेतृत्व के अवसर और जलवायु परिवर्तन जैसी बढ़ती चुनौतियों को मिलकर सामना करने के लिए आह्वान किया।उन्होंने बंगाल की खाड़ी क्षेत्र और उससे आगे क्षेत्रीय शांति, एकता और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने में बिम्सटेक की भूमिका पर जोर दिया। डा. राणा ने बिम्सटेक के सिद्धांतों और उद्देश्यों के प्रति नेपाल की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने, गरीबी को कम करने और सामूहिक सहयोग और लोगों से लोगों के संबंधों के माध्यम से जलवायु से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए सदस्य देशों के बीच सार्थक सहयोग का आह्वान किया। विदेशमंत्री राणा ने अर्थव्यवस्था, संसाधनों, संस्कृति, समाज और क्षेत्र के लोगों में क्षेत्रीय संबंधों को गहरा करने के लिए बिम्सटेक की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय संगठन अभी तक प्रचुर मात्रा में प्राकृतिक संसाधनों और युवा आबादी की क्षमता का दोहन करने में सक्षम नहीं है। उन्होंने मुक्त व्यापार क्षेत्र समझौते, परिवहन कनेक्टिविटी के लिए बिम्सटेक मास्टर प्लान, बौद्ध सर्किट, मंदिर सर्किट और इको-टूरिज्म सर्किट जैसे मौजूदा और नए कनेक्टिविटी ढांचे को बढ़ाने की तात्कालिकता पर प्रकाश डाला और अप्रयुक्त क्षेत्रीय क्षमता को अनलॉक करने के लिए अन्य पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने और सदस्य देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के एकीकरण का अनुरोध किया।

सरकार के खिलाफ शिक्षक संगठनों का देशव्यापी प्रदर्शन

एजेंसी

काठमांडू। सरकार की नीति के खिलाफ देशभर के शिक्षकों ने प्रदर्शन किया। राजधानी काठमांडू में हजारों शिक्षक सड़क पर उतरकर प्रदर्शन में सहभागी हुए। संगठनों ने संसद से स्कूली शिक्षा विधेयक पारित करने की मांग सहित अन्य मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया है। देशभर के शिक्षकों ने काठमांडू में नेपाली शिक्षक परिसंघ (सीएनटी) के आह्वान में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया, जिसमें संसद से स्कूल शिक्षा विधेयक को जल्द पारित करने की मांग की गई। यह विधेयक वर्तमान में प्रतिनिधि सभा की शिक्षा, स्वास्थ्य और सूचना प्रौद्योगिकी समिति में विचाराधीन है। देशभर के शिक्षक सरकार से निराश हैं क्योंकि संसद का शीतकालीन सत्र हाल ही में विधेयक पारित किए बिना समाप्त हो गया है। सीएनटी के अधिकारियों का दावा है कि सरकार ने शीतकालीन सत्र के दौरान विधेयक को लागू करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी। सीएनटी ने सरकार से पिछले समझौतों और सीएनटी के साथ समझ के अनुरूप विधेयक को मंजूरी देने का आग्रह किया है। अधिकारियों का कहना है कि जब तक विधेयक को कानून में लागू नहीं किया जाता तब तक विरोध जारी रहेगा। सीएनटी की अध्यक्ष लक्ष्मी किशोर सुबेदी ने कहा कि यदि आवश्यक हो तो अध्यादेश जारी करके भी विधेयक को लागू किया जाना चाहिए। शिक्षकों ने कहा है कि जब तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाता तब तक विरोध जारी रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी का बैंकॉक में जोरदार स्वागत, बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में लेंगे भाग

बैंकॉक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को बैंकॉक पहुंचे। उनका भारतीय प्रवासियों ने 'मोदी मोदी' और 'वंदे मातरम' के नारे लगातार गर्मजोशी से स्वागत किया। थाईलैंड के उप-प्रधानमंत्री सूरिया जुंगरुंगरेंगकिट सहित कई अन्य शीर्ष अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'बैंकॉक, थाईलैंड में उतरा। आगामी आधिकारिक कार्यक्रमों में भाग लेने, भारत और थाईलैंड के बीच सहयोग के बंधन को मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं।' प्रधानमंत्री मोदी छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए थाईलैंड में हैं। वह 4 अप्रैल को क्षेत्रीय नेताओं के साथ सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे। पीएम मोदी भारत-थाईलैंड संबंधों को मजबूत करने के लिए थाई नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। बैंकॉक में आगमन के बाद,

प्रधानमंत्री का भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत करने का कार्यक्रम है, जिसमें वह भारत और थाईलैंड के बीच गहरे सांस्कृतिक, आर्थिक संबंधों को रेखांकित करेंगे। इससे पहले, अपने प्रस्थान वक्तव्य में पीएम मोदी ने कहा, ÷प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनवात्रा के निमंत्रण पर, मैं आज थाईलैंड की आधिकारिक यात्रा और छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रवाना हो रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'पिछले दशक में, बिम्सटेक बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में क्षेत्रीय विकास, संपर्क, आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उभरा है। अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण, भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र बिम्सटेक के केंद्र में है। प्रधानमंत्री ने बिम्सटेक नेताओं के साथ बातचीत के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ÷मैं बिम्सटेक देशों के नेताओं से मिलने और हमारे सहयोग को और मजबूत करने के लिए रचनात्मक रूप से बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं। बिम्सटेक एक क्षेत्रीय समूह है जिसमें बंगाल की खाड़ी क्षेत्र के सात सदस्य देश शामिल हैं। दक्षिण एशिया से पांच (बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल और श्रीलंका) और दक्षिण पूर्व एशिया से दो (म्यांमार और थाईलैंड)। यह समूह दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच एक महत्वपूर्ण पुल के रूप में कार्य करता है।

पाकिस्तान में 27 साल बाद आदिवासी बल, सीमा सैन्य पुलिस और बलूच लेवी में की गई भर्ती

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आदिवासी बल, सीमा सैन्य पुलिस और बलूच लेवी के लिए भर्ती प्रक्रिया 27 साल के अंतराल के बाद सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। इस पंजाब में अंतरप्रांतीय बलूचिस्तान सीमा पर सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया है। द न्यूज इंटरनेशनल अखबार की खबर के अनुसार, यह भर्ती पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज के निर्देश पर की गई है। डेरा गाजी खान में सीमा सैन्य पुलिस और बलूच लेवी में नायक और अन्य आवश्यक पदों के कुल 10,236 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 771 उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए चुना गया। इनमें से 325 का चयन किया गया। राजनपुर में 2,855 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 525 उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया, जिनमें से 180 का

चयन किया गया। इनको छह महीने का अनिवार्य प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस भर्ती की प्रमुख विशेषता आदिवासी बल के इतिहास में पहली बार महिलाओं के लिए कोटा शुरू करना था।

इजरायली सेना ने गाजा में अभियान का किया विस्तार, रक्षा मंत्री का ऐलान

तेल अवीव। इजरायली रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने घोषणा की कि सेना गाजा में हमास के खिलाफ अपने अभियान का विस्तार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा मंत्री ने कहा कि इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दक्षिणी गाजा पट्टी में रात भर व्यापक हमलों के बाद क्षेत्र में अतिरिक्त डिवीजनों को तैनात किया। काट्ज ने कहा कि सैनिक आतंकवादियों से क्षेत्रों को साफ करने के लिए आगे बढ़ेंगे, व्यापक क्षेत्र पर कब्जा करेंगे, जिसे इजरायल के सुरक्षा क्षेत्रों में जोड़ा जाएगा।मंत्री ने एक्स पर लिखा, मैं आईडीएफ सैनिकों की सफलता की कामना करता हूं जो बंधक लोगों की वापसी और हमास की हार के लिए गाजा में बहादुरी और ताकत से लड़ रहे हैं।

अमेरिका ने की टैरिफ की घोषणा, शेयर बाजार कांपा

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिरकार अपनी नई व्यापारिक नीति की घोषणा कर दी। ट्रंप ने व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में अपने मुक्ति दिवसकी घोषणा के अंतर्गत टैरिफ दरें निर्धारित कर दी। कई देशों पर भारी टैरिफ लगाया गया है। इनमें चीन पर सबसे अधिक 34 प्रतिशत भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। इस घोषणा के कुछ देरबाद अमेरिकी शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई।

दूरगामी पारस्परिक टैरिफ

सीएनबीसी की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में अपनी आक्रामक और दूरगामी पारस्परिक टैरिफ नीति पर हस्ताक्षर किए। ट्रंप ने कहा कि उनकी योजना सभी देशों पर 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ निर्धारित करेगी। इस योजना में कई देशों पर भारी टैरिफ दरें लगाई गई हैं। इनमें चीन पर 34 प्रतिशत, भारत पर 26 फीसदी, यूरोपीय संघ पर 20 प्रतिशत, वियतनाम पर 46 प्रतिशत और ताइवान पर 32 प्रतिशत शामिल हैं। व्हाइट हाउस ने स्पष्ट किया कि बीजिंग पर टैरिफ दर चीन के आयात पर मौजूदा 20 प्रतिशत टैरिफ के अतिरिक्त है। यानी चीन पर वास्तविक टैरिफ दर 54 प्रतिशत है। ट्रंप की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद शेयरों में भारी गिरावट आई। इस पर कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ओटावा गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ का जवाब देगा। कैबिनेट की बैठक से पहले उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हम टैरिफ का बलपूर्वक मुकाबला करेंगे।अमेरिकी सीनेट ने हाल ही में एक कानून पारित किया है जो कनाडा पर नए टैरिफ को समाप्त कर देगा।

दक्षिण कोरिया बात करेगा, ऑस्ट्रेलिया तटस्थ

दक्षिण कोरिया के व्यापार, उद्योग और ऊर्जा मंत्रालय के बयान के अनुसार, दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू ने उन उद्योगों और व्यवसायों के लिए आपातकालीन सहायता उपायों का आदेश दिया, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापक टैरिफ से प्रभावित होंगे। हान ने मंत्रालय से अमेरिकी पारस्परिक टैरिफ के विवरण और प्रभाव का बारीकी से विश्लेषण करने और टैरिफ के प्रभाव को कम करने के लिए वाशिंगटन के साथ सक्रिय रूप से बातचीत करने का आग्रह किया। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में संवाददाताओं से कहा कि ट्रंप का निर्णय किसी मित्र का कार्य नहीं है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ पारस्परिक शुल्क लगाने की संभावना से इनकार किया।

180 देश और क्षेत्रों में पड़ेगा असर

आज ट्रंप की घोषणा के बाद स्टॉक वायदा बाजार में भारी गिरावट आई। डॉउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज से जुड़े वायदा में 1,007 अंक या 2.3 फीसद, एसएंडपी 500 वायदा में 3.4 प्रतिशत और नैस्डैक-100 वायदा में 4.2 फीसद की गिरावट आई। बहुराष्ट्रीय कंपनियों के शेयरों में लंबे समय तक गिरावट रही। नाइकी और एप्पल के शेयरों में करीब 7 प्रतिशत की गिरावट आई। आयातित वस्तुओं के बड़े विक्रेताओं के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट आई। फाइव बिलो में 15 प्रतिशत, डॉलर ट्री में 11 प्रतिशत, गैप में 8.5 प्रतिशत की गिरावट आई। टेक शेयरों में कुल मिलाकर जोखिम-रहित मूड में गिरावट आई।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

वक्फ पर मुसलमान को आत्मनिरीक्षण की जरूरत : अब्दुल रशीद

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर से निर्दलीय सांसद अब्दुल रशीद शेख ने वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान मुसलमान को आत्म निरीक्षण करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्तियों का समुचित उपयोग नहीं हो पाया है जिसके कारण यह विधेयक लाया गया है। हालांकि वह विधेयक को पेश किए जाने का विरोध करते हैं। अंतरिम जमानत पर रिहा होकर संसद की कार्यवाही में भाग लेने वाले अब्दुल रशीद शेख ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी मुसलमान का खुलकर विरोध करती है लेकिन कांग्रेस पार्टी ने धर्मनिरपेक्षता के नाम पर मुसलमान को शहद लगा खंजर घोपा है। राशिद ने कहा कि राम मंदिर का ताला खोलने वाली कांग्रेस पार्टी थी और उसपर भारतीय जनता पार्टी ने मंदिर बनाया है। यूएपीए कानून को लाने और उसे सख्त बनाने का काम कांग्रेस ने किया और आज इसमें सबसे ज्यादा मुसलमान बंद है।

सिखों को शहीद करने वाले सारे मुगल थे : बिट्टू

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सदस्य एवं केंद्र सरकार में मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने पर अकाली दल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं और साहबजादों को शाहिद करने वाले मुगल ही थे और आज अकाली उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि सिखों ने शहीदी हिन्दुओं के लिए दी थी। वहीं सिख गुरुओं को शाहिद करने वाले मुगल थे। आज विपक्ष मुगलों की बात कर रहा है और अकाली उसका समर्थन कर रहे हैं। लोकसभा में अकाली दल के वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध किया। अकाली दल की नेता हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की राजनीति की मुसलमान के खिलाफ रही है और अब यह उनके हित की बात कर रहे।

एनएच और एक्सप्रेस-वे के किनारे 501 डब्ल्यूएसए आवंटित

नई दिल्ली। सरकार ने विभिन्न राज्यों में राष्ट्रीय राजमार्गों तथा एक्सप्रेस-वे के किनारे 501 वे-साइड एमिनिटीज (डब्ल्यूएसए) आवंटित किए हैं। इनमें से 94 डब्ल्यूएसए शुरू हो चुके हैं। वित्त वर्ष 2028-2029 तक 700 से अधिक डब्ल्यूएसए का विकास पूरा होने की संभावना है। यह जानकारी केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा में एक अतारांकित प्रश्न के लिखित वक्तव्य में दिया। इन डब्ल्यूएसए सुविधाओं में ईंधन स्टेशन, इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन, शौचालय, पेयजल, पार्किंग, ढाबा-रेस्तरां अथवा भोजनालय आदि सुविधाओं का प्रावधान है। गुणवत्ता निगरानी के उद्देश्य से उपयोगकर्ताओं को डिजिटल इनपुट प्रदान करने में सक्षम बनाने के लिए डब्ल्यूएसए में एक डिजिटल फीडबैक प्रणाली स्थापित की गई है। डब्ल्यूएसए का संचालन निजी बोली के माध्यम से चुने गए ऑपरेटरों द्वारा किया जाता है। हालांकि, रोज़गार के अवसर पैदा करने और स्थानीय कारीगरों को बढ़ावा देने के लिए, समर्पित कवर्ड ज़ोन में अनिवार्य सुविधाओं के हिस्से के रूप में दुकानों के लिए क्षेत्र आवंटित किए गए हैं। साथ ही स्थानीय उपज को बढ़ावा देने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के माध्यम से आवश्यक सुविधाओं के रूप में ग्राम हाट का प्रावधान किया गया है। चूंकि डब्ल्यूएसए का संचालन बोली प्रणाली के माध्यम से चुने गए ऑपरेटरों द्वारा किया जाता है इसलिए रोज़गार सृजन का विवरण सरकार द्वारा प्राप्त नहीं किया जाता है। सरकार, राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) के माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे के किनारे लगभग 40-60 किलोमीटर के अंतराल पर सड़क किनारे सुविधाओं के विकास की परिकल्पना करती है। फिलहाल, कुल 501 डब्ल्यूएसए का आवंटन किया गया है।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान मॉड्यूल में कोई समस्या नहीं: नित्यानंद राय

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट के ऑनलाइन भुगतान मॉड्यूल में कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि चालान का ऑनलाइन निपटान करने के लिए वेबपेज दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर होस्ट किया गया है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्य सभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि दिल्ली पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान मॉड्यूल में कोई समस्या नहीं है। चालान का ऑनलाइन निपटान करने के लिए वेबपेज दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर होस्ट किया गया है। किसी भी तकनीकी गड़बड़ी की स्थिति में, ऐसी समस्याओं की जांच और समाधान के लिए तुरंत तकनीकी टीम को सूचित किया जाता है।

मुस्लिम संगठनों ने वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ लंबी लड़ाई के लिए कमर कसी

नई दिल्ली ।लोकसभा में सरकार के जरिए वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को चर्चा के लिए पेश करने के बाद से ही मुस्लिम संगठनों की तरफ से लगातार बयान सामने आ रहे हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने संसद में विधेयक पेश करने से पहले प्रेस क्लब ऑफ़ इंडिया में एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन करके अपने रुख को पूरी तरह से साफ कर दिया है। बोर्ड के प्रवक्ता कासिम रसूल इलियास ने कहा है कि बोर्ड मुस्लिम संगठनों के साथ मिलकर एक देशव्यापी आंदोलन चलाएगा। इसके अलावा अदालती प्रक्रिया का भी सहारा लेने की बात उन्होंने कही है। उनका कहना है कि अब यह लड़ाई अंतिम समय तक लड़ी जाएगी जब तक की वक्फ संशोधन विधेयक वापस नहीं लिया जाएगा। जमीअत उलमा हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने भी संसद में पेश वक्फ संशोधन विधेयक पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहां है कि केंद्र सरकार की मंशा और इस बिल को पेश करने की प्रक्रिया सही नहीं है।

NAME CHANGE
I, RAKHI W/O SUMIT ROOPRA R/O 2251/A E GURU NANAK NAGAR, NEW RANJIT NAGAR, CENTRAL DELHI, DELHI 110008have changed my name to RAKHI ROOPRA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I, hitherto known as BIMLA ALIAS BIMLA DEVI ALIAS VIMLA ALIAS VIMLA SAINI D/O BALBEER SINGH W/O RANJIT SINGH SAINI R/O BLOCK H-3, PLOT NO. 63, 3RD FLOOR, SECTOR-18, ROHINI, DELHI-110089 have changed my name and shall hereafter be known as BIMLA SAINI.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Kirti Bhardwaj D/O Satbir Kaushik Ex Wife of Narender Bhardwaj R/O Plot No-13, 3rd floor , Sharda Niketan, Pitampura , North West Delhi , Delhi - 110034,declare that I got divorced from my ex husband vide court decree No.HMA No. 1991/2024 dated 19/07/2024 further I ,have changed my name and shall hereafter be known as Kirti Kaushik in future for all purposes

NAME CHANGE
It is for general information that I, KAILASH CHANDER SHARMA S/o GIRDHARI LAL SHARMA, residing at 56, Haibatpur, Aligarh, Uttar Pradesh - 202140 declare that the name of my wife has been wrongly written as JASODA SHARMA in my Service Record of CISF No. 942331879. The actual name of my wife is JASODA DEVI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Shriya Gupta W/O Sahil Dabar R/O R-159, Upper Ground Floor, Block-R, Gali No-7, Mohan Garden, Uttam Nagar, PO: D.K. Mohan Garden West Delhi, Delhi-110059, have changed my name and shall hereafter be known as Shriya Dabar

NAME CHANGE
I, MAHESH S/o HEERA SINGH R/O Roodhau, PO: Kheragarh DIST: Agra, Uttar Pradesh -283121 have changed the name of my minor son RAJAT alias SACHIN SIKARWAR aged 15 years and he shall hereafter be known as SACHIN SIKARWAR

NAME CHANGE
I Amrit Kumar Singh S/o Ram akbal Singh R/o Flat no -B-4 first floor ,d ,214 d-block,Krishna Park devli Road south Delhi delhi-110080 have change my name from Amrit Singh to Amrit Kumar Singh and My wife name Namita Devi to Namita Singh for all future purpose.

लोकसभा के बाद राज्यसभा से भी पारित हुआ आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा ने आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक-2025 चर्चा के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया। विधेयक का उद्देश्य देश में आप्रवासन से जुड़े कानूनों को नए सिरे से परिभाषित करना है। विधेयक का उद्देश्य केंद्र सरकार को भारत में प्रवेश करने और यहां से प्रस्थान करने वाले व्यक्तियों के संबंध में पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेजों की आवश्यकता और विदेशी से संबंधित मामलों को विनियमित करने के लिए कुछ शक्तियां प्रदान करना है। विधेयक के अधिनियम बनने पर यह विदेशियों और आप्रवास से संबंधित मामलों के वर्तमान के चार अधिनियमों- विदेशियों विषयक अधिनियम-1946, आप्रवास (वाहक दायित्व) अधिनियम-2000, पासपोर्ट (भारत में प्रवेश)

अधिनियम 1920 और विदेशियों का पंजीकरण अधिनियम-1939 का स्थान लेगा। लोकसभा इसे 27 मार्च को पहले ही पास कर चुका है।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक-2025 चर्चा एवं पारित करने के लिए पेश किया। उन्होंने सदन में विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि आज हमारे देश में करीब 1 करोड़ 72 लाख एनआरआई हैं। इतना बड़ा डायस्पोरा किसी और देश के पास नहीं है। उन सबके आने-जाने और उनकी सारी चिंताओं के निराकरण के लिए यह विधेयक मोदी सरकार ले कर आई है। राय ने कहा, अभिषेक मनु सिंघवी जब बोल रहे थे तो उन्होंने कहा कि मोदी सरकार डराना चाहती है। मैं कहना चाहता हूं कि मोदी सरकार किसी को डराना नहीं चाहती है लेकिन डर उनको होना चाहिए जो भारत में आकर देश के खिलाफ साजिश करना चाहते हैं। ऐसे लोगों के मन में डर पैदा होना ही चाहिए।

इस विधेयक से एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ेगा, डेटा प्रबंधन की जटिलता समाप्त हो जाएगी। कुछ सदस्यों ने इस विधेयक को समिति को रेफर करने की सलाह दी है लेकिन तीन साल के गहन विचार के बाद गृह मंत्रालय ने इस विधेयक को तैयार किया है।

जेडीयू ने किया वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन, ललन सिंह बोले- किसी से नहीं चाहिए धर्मनिर्पेक्षता का सर्टिफिकेट

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार में शामिल जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने लोकसभा में बुधवार को पेश वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया। विधेयक पर जारी चर्चा में भाग लेते हुए पार्टी नेता राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने कहा कि उनकी पार्टी के 20 साल के बिहार में शासन के दौरान मुसलमानों के हित में सबसे ज्यादा काम हुआ है। उन्हें किसी से धर्मनिर्पेक्षता के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है।

जद(यू) नेता राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने कहा कि वक्फ के बारे में भ्रम फैलाया जा रहा है कि यह मुस्लिम विरोधी है। वक्फ मुस्लिम संस्था नहीं है। वक्फ केवल एक ट्रस्ट है। वक्फ बोर्ड केवल एक प्रशासनिक और विनियामक संस्था है। ट्रस्ट को चाहिए कि वे महिला और पसमंदा मुसलमानों सहित सभी मुसलमानों के साथ न्याय करें। उन्होंने कहा कि विधेयक का विरोध

दो तरह के लोग कर रहे हैं, एक वे जिन्हें वोट बैंक की राजनीति करनी है और दूसरा वे जिनका वक्फ संपत्ति पर कब्जा है। मोदी सरकार वक्फ को लेकर पारदर्शिता और संपत्ति से होने वाली आमदनी बढ़ाना चाहती है। जातीय जनगणना पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने पसमंदा मुसलमानों का मुद्दा उठाया और कहा कि पसमंदा मुसलमानों की गणना भी होनी चाहिए।

डॉ. एल. मुरुगन ने चिली की मंत्री कारोलिना अरेंडोंडो से की मुलाकात, वेव्स के लिए किया आमंत्रित

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और संसदीय मामलों के राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने नई दिल्ली में चिली की संस्कृति, कला और विरासत की मंत्री कारोलिना अरेंडोंडो से मुलाकात की। चिली राष्ट्रपति गब्रियल बोरीक फोंट के भारत की पांच दिवसीय यात्रा के तहत हुई मुलाकात के दौरान डॉ. एल. मुरुगन ने चिली को विश्व ऑडियो विजुअल और एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 के लिए आमंत्रित किया। बैठक में चिली प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भी शामिल थे, जिनमें चिली दूतावास के तीसरे सचिव मार्टिन गोरमाज, विदेश मंत्रालय के अंडर सेक्रेटरी लक्ष्मी चंद्र और सूचना और प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त सचिव डॉ. अजय नागभूषण एमएन शामिल थे। चिली गणराज्य के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फोंट, 1 से 5 अप्रैल तक भारत की राजकीय

यात्रा पर हैं। यह यात्रा दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों के 76 वर्ष पूरे होने के मौके पर की जा रही है। नई दिल्ली के अलावा राष्ट्रपति बोरिक आगरा, मुंबई और बैंगलुरु की यात्रा करने वाले हैं। यह राष्ट्रपति बोरिक का भारत का पहला दौरा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चिली गणराज्य के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फोंट ने अपनी चर्चाओं के दौरान एक समग्र आर्थिक भागीदारी समझौते के लिए वार्ता शुरू करने पर सहमति व्यक्त की, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजूबत करना है। उन्होंने खनिज, ऊर्जा, रक्षा, अंतरिक्ष और कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान की और चर्चा की, जो सहयोग के लिए विशाल संभावनाओं के क्षेत्रों के रूप में उभरे। स्वास्थ्य सेवा एक आशाजनक क्षेत्र के रूप में उभरी, जिसमें चिली में योग और आयुर्वेद की बढ़ती लोकप्रियता दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान का प्रमाण है।

राज्यसभा में उठा 'एल2: एम्पुरान' फिल्म का मुद्दा, जॉर्ज कुरियन ने इस फिल्म को बताया सभी धर्म का विरोधी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में इन दिनों मलयालम फिल्म 'एल2: एम्पुरान' को लेकर घमासान मचा हुआ है। इसपर राजनीति तेज होती जा रही है। इस बीच एल2: एम्पुरान' का मुद्दा राज्यसभा में भी उठा। माकपा सांसद ने राज्यसभा में इस फिल्म के मुद्दों को उठाते हुए अभिव्यक्ति और बोलने की आजादी पर सवाल खड़े किए। शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि एक फिल्म जिसे सेंसर किया गया था। थिएटर में रिलीज किया गया था। उसे फिर से सेंसर बोर्ड में वापस भेज दिया गया है और धमकियों की वजह से 24 कट लगाए गए। 'देश तेजी से घायल लोगों का स्वर्ग बनता जा रहा'। ब्रिटास ने कहा कि फिल्म के नायक को भी राष्ट्र-विरोधी बताया गया। अगर इस देश में ऐसी स्थिति है, तो

लोगों को दी जाने वाली अभिव्यक्ति और बोलने की स्वतंत्रता खतरे में पड़ जाएगी। ब्रिटास ने इस बात पर जोर दिया कि अभिव्यक्ति और बोलने की स्वतंत्रता पवित्र है। इस बीच डीएमके के सांसद वायको ने इस फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। वायको ने फिल्म में दर्शाए गए कुछ विवादास्पद दृश्यों की ओर इशारा करते हुए, राज्यसभा सदस्य ने कहा कि फिल्म ने मुल्लापेरियार बाँध को असुरक्षित दिखाया है। एम्पुरान में मोहनलाल मुख्य भूमिका में हैं। इसका निर्देशन पृथ्वीराज सुकुमारन ने किया है।

फिल्म ईसाई धर्म के खिलाफ अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री

अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने कहा कि यह फिल्म ईसाई धर्म के खिलाफ है और आरोप लगाया कि कम्युनिस्ट भारत में हर धर्म का अपमान करना चाहते हैं।उल्लेखनीय है कि भाजपा नेता वीवी विजेश केरल हाई कोर्ट पहुंच गए हैं।

NAME CHANGE
I Vikram S/O: Digar Singh,R/O 70, Main Market, Sunderpuri, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201009,have changed the name of my minor daughter namely Adisha Samant aged 5 years and she shall hereafter be known as VAISHNAVI.

NAME CHANGE
I hitherto known as Raju S/O: Jaibir Singh Employed as Office Superintendent in Income tax department R/O Flat No. B1 First Floor E-14/1, Khasra no. - 77/10/11 Vijay Vihar phase 1, Rohini North West Delhi -110085, have changed my name and shall hereafter be known as Rajdeep Singh.

NAME CHANGE
I, No-14440270F Rank-HAV (HK) Name-HIPALE NIJAPPA SURYAKANT residing at VILL-BORUL, PO-KANBAS, TEHSIL & DIST-SOLAPUR, MAHARASHTRA-413215 have changed my minor daughter's name from AARTI to AARTI NIJAPPA HIPALE for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14440270F Rank-HAV (HK) Name-HIPALE NIJAPPA SURYAKANT residing at VILL-BORUL, PO-KANBAS, TEHSIL & DIST-SOLAPUR, MAHARASHTRA-413215, have changed my minor son's name from ADARSH to ADARSH NIJAPPA HIPALE for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
TO WHOM SO EVER IT MAY CONCERN
Notice is hereby given to the general public that PNB Housing Finance Ltd., having a branch at Uttam Nagar, New Delhi, proposes to extend a loan facility to Mrs. Himanshi, W/o Mr. Ramesh Manocha, against the security of a DDA Janta Flat bearing No. 39, situated on the First Floor (without roof rights), admeasuring 18 Sq. Mtrs., in Block F, Pocket 5, Sector 16, within the layout plan of the Rohini Residential Scheme, New Delhi-110089. The Said Property was originally owned by Mr. Ram Lubhaya Pabbi by virtue of a General Power of Attorney dated 06.07.2000, duly registered as Document No. 31807 on 06.07.2000, along with a Notarized Agreement to Sell and Will of the same date, executed in his favor by Mr. Jai Bhagwan Gupta. Subsequent to the demise of Mr. Ram Lubhaya Pabbi on 09.09.2016, he was survived by his legal heirs, namely 1) Mrs. Roma Aggarwal (Wife), 2) Mr. Surender Kumar (Son), 3) Mrs. Suman (Daughter), 4) Ms. Usha Luthra (Daughter) & 5) Mrs. Prem Kumari (Daughter). Thereafter, by way of a Relinquishment Deed dated March 2020, duly registered as Document No. 2365 on 19.03.2020, Mrs. Roma Aggarwal, Mr. Surender Kumar, Mrs. Suman, and Ms. Usha Luthra voluntarily released and relinquished their respective rights, title, and interest in the aforementioned property in favor of Mrs. Prem Kumari. The DDA Janta Flat is expandable as per DDA regulations, subject to requisite approvals. Any person or entity asserting any claim, right, title, or objection concerning the property or proposed mortgage must submit a written notice to Advocate Rishi Maheshwari at +91-9340118309 within seven (7) days from the date of publication. Failure to do so shall be deemed as no claim or encumbrance, and the transaction will proceed without legal hindrance.
Rishi Maheshwari (Advocate)
RZ-29, Upper Ground Floor, Bhagwati Garden Jain Road Near Dwarka More New Delhi 110059.
Email Address: - lsrlexicure@gmail.com

NAME CHANGE
I, RAMBETI Mother of No-16115136Y Rank-NK Name-DHARMENDRA SHARMA residing at VILL-GEELAPURA, PO-LALJEET KA PURA, TEHSIL-AMBAH, DIST-MORENA, MADHYA PRADESH-476111, have changed my name from RAMBETI to RAMABETI for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1960 instead of my correct date of birth as 01/01/1965 vide Affidavit dated 03/04/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as KRISHNA PRASAD S/O BADRI PRASAD, R/O 630, GANGI NAGLA, KAKORA, BUDAUN, UTTAR PRADESH-243601 have changed my name and shall hereafter be known as SHRIKRISHNA.

NAME CHANGE
I, PAN KUMARI DEVI Wife of JC-735049F Rank-SUB Name-RAM CHANDRA residing at VILL-DOHATRA, PO-CHILLA, TEHSIL & DIST-BANDA, UTTAR PRADESH-210001, have changed my name from PAN KUMARI DEVI to PAN KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I,No.4574278X, Rank-HAV Matta Krishna R/o.Vill.Dalapalanka, Post Ramachandra Pur,Tehsi-Chikiti, Distt. Ganjam, Odisha-761010 have changed my name minor son's name from M Purna Chandra to Mata Purna Chandra vide affidavit dated 26.03.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PUSHPA DEVI SAMANTA Mother of No-15701055P Rank-HAV Name- PRASANTA SAMANTA residing at VILL-PASCHIM JALI, PO-HAT GOPALPUR, TEHSIL-EGRA, DIST-EAST MEDINIPUR, WEST BENGAL-721454, have changed my name from PUSHPA DEVI SAMANTA to PUSHPARANI SAMANTA for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1960 instead of my correct date of birth as 01/01/1964 vide Affidavit dated 03/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as JIWAN SEHGAL alias RADHIKA SEHGAL D/O MANOHAR LAL BHALLA W/O S C SEHGAL R/O G-91, GATE NO-5, CHANDANI STREET -2, ALFA-2, GREATER NOIDA, KASANA GAUTAM BUDDHA NAGAR UTTAR PRADESH-201310, have changed my name and shall hereafter be known as RADHIKA SEHGAL.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **साहिल, पुत्रः श्री इल्फान, पताः म. नं. 20, विलोचन रबूपुरा रूलर, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 1013/2019, U/s 356/379/411/34 IPC, पुलिस थाना सनलाइट कॉलोनी, नई दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **साहिल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **साहिल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 1013/2019, U/s 356/379/411/34 IPC, पुलिस थाना सनलाइट कॉलोनी, नई दिल्ली** के अभियुक्त **साहिल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **07.05.2025 को 10:00 बजे** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री अदिति राव
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–07
दक्षिण–पूर्व जिला, कमरा नं. 508
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली
DP/4072/SE/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **संजय कुमार यादव, पुत्रः श्री हरि नारायण यादव, पताः ए–21, रूप नगर, जय शिव फैक्ट्री, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश और गांव बूटो पट्टी, रसूवार, वाया निर्मली, जिला सुपोल, बिहार** ने **FIR No. 364/2007, U/s 279/337 IPC, पुलिस थाना प्रसाद नगर, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **संजय कुमार यादव** नहीं मिल रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **संजय कुमार यादव** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 364/2007, U/s 279/337 IPC, पुलिस थाना प्रसाद नगर, दिल्ली** के अभियुक्त **संजय कुमार यादव** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.05.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री करणबीर सिंह
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–02
कमरा नं. 26
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/3911/CD/2025

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that **Mr. Rahul Kumar** is the owner of Plot area measuring 100 sq. yds., i.e., 83.61 sq. mtrs., out of Khet no.283, situated in the village Surajpur Pargana Dadri, Tehsil & Distt. Gautam Budh Nagar, U.P. through Sale Deed dated 20.01.2024 as Document No. 2142 executed by Mrs. Chandrawati in favour of Mr. Rahul Kumar in respect of said plot.
Mr. Rahul Kumar is in the process of mortgaging the said property with **SMFG India Credit Co. Ltd. (Formerly Fullerton India Credit Co. Ltd.).** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 7 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 7-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.
If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 7-days period by contacting
Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्री दौलत राम पुत्र श्री नेम सिंह फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति क्रमांक सी–121/1 के मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल खसरा नंबर 18–19 से 50 वर्ग गज है, जो ग्राम घोंडा चौहान खादर के क्षेत्र में, जैन मंदिर गली, गली नंबर 4, इस्त पुस्ता, न्यू उस्मानपुर, इलाक़ा शाहदरा, दिल्ली–1 10053 की आबादी में स्थित है। त्याग विलेख के आधार पर दिनांक 28.03.2025 दस्तावेज़ संख्या 2025/12/l/1147, खंड संख्या 6240 पृष्ठ संख्या 95–108 SR-IV दिल्ली। हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और संपत्ति श्री जगदीश कुमार पुत्र श्री राम सिंह के नाम से बिकने जा रही है, जिसका वित्त पोषण पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा– नरेला दिल्ली द्वारा किया जाना है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारञ्चस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, hitherto Known as PRASHANT S/o SURENDER KUMAR residing at House No. C-12/148, Yamuna Vihar, Babar Pur, North East, Delhi -110053 have changed my name and shall hereafter be known as PRASHANT CHAUHAN.

NAME CHANGE
I, IMRANA KHATOON W/O MOHAMMAD RIZWAN R/O HOUSE NO-367, GALI NO-8, DEVI LAL NAGAR, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO IMRANA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राजेंद्र कुमार @ राजू, पुत्र राम विलाश, निवासी मकान नंबर 114, प्रेम नगर, बिस्मिल्लाह वाली गली, लोनी, गाजियाबाद, यूपी** ने **FIR No. 80008950/2025, U/s 305/331(3)/317(2)/3(5) BNS, पुलिस थाना सराय रोहिल्ला, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **राजेंद्र कुमार @ राजू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि **राजेंद्र कुमार @ राजू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना सराय रोहिल्ला, दिल्ली** के अभियुक्त **राजेंद्र कुमार @ राजू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.05.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री मनुज कौशल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–04
कमरा नं. 37, सेंट्रल जिला,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/4124/N/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **ललित कुमार** पुत्र स्व. यादराम निवासी सी–48, ईस्ट जवाहर नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 205/17 धारा 379/411 भा.द.स., थाना पटेल नगर, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **ललित कुमार** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **ललित कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 205/17 धारा 379/411 भा.द.स., थाना पटेल नगर, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **ललित कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **13.05.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः सुश्री आकृति महेंद्रू,
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (पश्चिम),
कमरा नं. 145,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/4168/CD/2025

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I,Jasvinder Singh S/O Swaroop Singh R/O C-26 Jeewan Park, Uttam Nagar, Uttam Nagar, D.K. Mohan Garden, Dwarka, West Delhi, Delhi-110059, declare that name of my minor Son has been wrongly written as Gurnoor S Sawhney in my minor Son namely Gurnoor Singh Sawhney aged 16 years in his 10th class educational documents, the actual name of my minor Son is Gurnoor Singh Sawhney

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, RUCHI SHUKLA D/o BAL KRISHNA SHUKLA R/o J-202, Avas Vikas Keshavpuram, Kanpur, Uttar Pradesh-208017, declare that name of mine and my father has been wrongly written as RUCHI BHATIA and LAL KRISHNA SHUKLA in my Pan Card No. BIUPS4493J. The actual name of mine and my father are RUCHI SHUKLA and BAL KRISHNA SHUKLA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, JUHI SINHA RAY Wife of No. 15707626Y Rank-L/HAV Name-PRANAY SINHA RAY Presently residing at UTTAR SONAPUR, ALIPURDUAR, VTC-PANCHKOL GURI, PO-PANCHKOLGURI, SUB DIST-ALIPURDUAR-I, DIST-JALPAIGURI, WEST BENGAL-736121, have changed my name from JUHI SINHA RAY to JUHI BARMAN for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that **Mr. Khalil Ahmed** is the GPA Holder of Third Floor with roof right, "said floor" Built-on land area measuring 40 Sq. Mtr, Portion of Built-Up Property no. 1/2-1718, situated at Basti Julahan, Sadar Bazaar, Delhi-110006. He is in possession through GPA, Regd. Will dated 29.07.2022 executed by Mrs. Sumila Naaz in favour of Mr. Khalil Ahmed in respect of Said Floor.
The above-said owner has misplaced the **(1) Original** Sale Deed dated 07.10.2010 as doc. No. 9677 executed by Mr. Mukesh Kumar in favour of Mrs. Mehnaz in respect of said property., **(2) Original** Notarized GPA, ATS & WILL dated 01.12.2021 executed by Mrs. Mehnaz in favour of Mrs. Sumila Naaz in respect of said Floor., Application No.- 2724559/2025, registered at P.S. Crime Branch, Delhi on dated 02.04.2025. Anyone who finds the above-mentioned documents, Kindly handover the same to the Manager of **SMFG India Home Finance Co. Ltd. (Formerly Fullerton India Home Finance Co. Ltd.), 2nd & 3rd Flat, WZ 115-A, Meenakshi Garden, Near Subhash Nagar Metro Station, Tilak Nagar, New Delhi-110018.**
Mr. Khalil Ahmed intends to transfer the ownership of above-mentioned floor by way of Sale Deed to **Mr. Ram Gopal Jain.** Subsequently, **Mr. Ram Gopal Jain** is in the process of mortgaging the said property with **SMFG India Home Finance Co. Ltd. (Formerly Fullerton India Home Finance Co. Ltd.).** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.
If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting
Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

हरियाणा आबकारी एवं कराधान विभाग ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए राजस्व लक्ष्य को किया हासिल

चंडीगढ़। हरियाणा आबकारी एवं कराधान विभाग ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए राजस्व संग्रहण में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपने बजट लक्ष्य को हासिल कर लिया है। विभाग ने 61,950 करोड़ रुपये के आवंटित लक्ष्य की तुलना में 63,371 करोड़ रुपये सफलतापूर्वक एकत्रित किए हैं, जो निर्धारित लक्ष्य का 102.3 प्रतिशत है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि एसजीएसटी संग्रह 39,153 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो 37,500 करोड़ रुपये के बजट लक्ष्य से अधिक है और पिछले वर्ष (सेस को छोड़कर) की तुलना में 13.77 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है। इसी तरह, उत्पाद शुल्क संग्रह 12,701 करोड़ रुपये रहा, जो 12,650 करोड़ रुपये के बजट लक्ष्य से अधिक है और पिछले वर्ष की तुलना में 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। उन्होंने बताया कि इस बीच, वैट और सीएसटी संग्रह 11,517 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के आंकड़ों से 1.6 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने बताया कि राजस्व सृजन में यह उत्कृष्ट प्रदर्शन कुशल कर प्रशासन, नीतिगत सुधारों और आर्थिक विकास के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हरियाणा में 7 साल पुरानी क्लर्क भर्ती फिर खुलेगी

चंडीगढ़। हरियाणा में 7 साल बाद फिर से पुरानी क्लर्क भर्ती खुलने वाली है। हरियाणा सरकार के कार्मिक विभाग ने हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (एचएसएससी) से क्लर्क भर्ती 5/2019 की वेकेंट पोस्ट की रिपोर्ट मांगी है। दरअसल, 2022 में सवालों में गड़बड़ी मिलने के बाद एचएसएससी ने 900 क्लर्कों की नियुक्ति पर सवाल उठाए थे। इसके अलावा 4798 क्लर्कों में से 900 की नियुक्ति नए सिरे से करने के लिए कहा था। भर्ती में गड़बड़ी के बाद हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग 2019 में निकली क्लर्क भर्ती का संशोधित परिणाम जारी किया था। आयोग ने सितंबर 2020 से नौकरी पर लगे सभी क्लर्कों की सेवाएं तुरंत प्रभाव से समाप्त करने के लिए संबंधित विभागों को पत्र लिख दिया था। एचएसएससी ने साल 2019 में क्लर्क के 4798 पदों के लिए आवेदन मांगे थे। पेपर के दो सेट थे। सेट सी में प्रश्न नंबर 3, 47 व 66 वही थे जो सेट ए में 24, 62 व 9 थे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए चार विकल्प ए, बी, सी, डी दिए गए थे। सेट सी में यदि प्रश्न का उत्तर सी था तो सेट ए में डी था। आयोग ने परिणाम जारी किया तो दोनों के विकल्प सी को सही बताते हुए अंक दिए। इन अंकों के चलते कई आवेदक भर्ती प्रक्रिया से बाहर हो गए। हाईकोर्ट ने उन तीन सवालों को ठीक मानकर संशोधित परिणाम जारी करने के आदेश दिए थे।

बिजली, टोल टैक्स और स्टांप ड्यूटी के रेट बढ़ा कर बीजेपी सरकार ने आम जनता की कमर तोड़ी: अभय सिंह चौटाला

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गेहूं की खरीद को लेकर सरकार ने पुख्ता इंतजाम किए है। इसके लिए मंडियों में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। किसानों को किसी प्रकार की कोई भी कठिनाई नहीं आने दी जाएगी। आज मुख्यमंत्री पंचकूला में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। एक प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गेहूं की खरीद के लिए सभी जिला अधिकारियों को पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश दे दिए गए है। किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। प्रदेश सरकार के लिए किसान हित सर्वोपरि है, उन्होंने कहा कि मंडियों में बारदाने की उचित व्यवस्था के साथ साथ साफ सफाई व पेयजल की व्यवस्था पुख्ता करने के निर्देश दिए गए है। किसानों को उनकी फसल का एमएसपी पर खरीद के बाद समय पर भुगतान हो, इसके लिए भी दिशा निर्देश दें दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि खरीदी गई फसल का भुगतान किसानों को 48 से 72 घंटे में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष केंद्र सरकार ने गेहूं का भाव 2425 प्रति क्विंटल निर्धारित किया है।

ड्रग फ्री हरियाणा का संदेश लेकर साइक्लोथॉन का 11 अप्रैल को होगा गुरुग्राम में भव्य स्वागत : हितेश कुमार मीणा

गुरुग्राम। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने कहा कि डीसी अजय कुमार के कुशल मार्गदर्शन में ड्रग्स फ्री हरियाणा साइकिल यात्रा में जिला गुरुग्राम की विशेष रूप से सक्रिय भागीदारी रहेगी। एडीसी ने विशेष तौर पर युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे हरियाणा उदय पोर्टल पर ऑनलाइन प्लेट फार्म प्रणाली के जरिये अपना रजिस्ट्रेशन करें और साइक्लोथॉन के विशेष भागीदार बनें। उन्होंने बताया कि साइक्लोथॉन यात्रा का जिला में सोहना ब्लॉक में जन भागीदारी के साथ भव्य स्वागत किया जाएगा। बता दें कि साइक्लोथॉन यात्रा के लिए एडीसी हितेश कुमार मीणा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने कहा कि गुरुग्राम जिला में अधिक से अधिक युवाओं को भागीदार बनाने के लिए सभी खेल प्रशिक्षकों, खेल अकेडमी संचालकों को निर्देश दिए गए हैं, कि वे खिलाडियों के साथ-साथ स्वयं का भी पंजीकरण करें। साइक्लोथॉन यात्रा में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन लिंक जारी किया गया है। जिस पर कोई भी व्यक्ति रजिस्ट्रेशन कर सकता है।

भाजपा संकल्प पत्र में दिए हर वादे को पूरा करेगी

पांच साल पूरा होने पर एक भी वादा शेष नहीं बचेगा : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। समालखा पानीपत में भाजपा के प्रशिक्षण शिविर के पहले दिन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकार की उपलब्धियां गिनवाई और कार्यकर्ताओं को पार्टी की नींव बताया। भाजपा जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों और मंडल अध्यक्षों को संबोधित करते हुए सीएम सैनी ने कहा कि संगठन की नींव कार्यकर्ताओं की निष्ठा, समर्पण और परिश्रम पर टिकी हुई है। पार्टी के मंडल अध्यक्ष जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की सक्रियता और समर्पण भाव से भाजपा आज इस मुकाम पर पहुंची है। मुख्यमंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण शिविर में पहुंचने पर आभार जताया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रशिक्षण शिविर के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कार्यकर्ताओं के लिए इस तरह के प्रशिक्षण पार्टी के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण शिविरों में पार्टी की नीतियों, विचारों और कर्तव्यों को समझने का जहां अवसर मिलता है, वहीं संगठनात्मक कौशल निखारने का अवसर भी प्राप्त होता है। सैनी ने कहा कि इन शिविरों में पार्टी की नीतियां, सोशल नीतियां, जनसंपर्क और संगठनात्मक प्रबंधन के अलावा

विभिन्न पहलूओं की जानकारी प्राप्त होती है तथा वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ता हैं। सामाजिक राजनीतिक बदलाव, वातावरण और नए-नए प्रकल्पों एवं विचारों से जुड़ने का अवसर हमें कार्यशालाओं में मिलता है।

उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि आप इस दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में अनुभव और कौशल प्राप्त करके जाएंगे और जनमानस के साथ जुड़कर पार्टी की नीतियों और विचारों से लोगों को अवगत कराएंगे। कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि चुनाव में कार्यकर्ताओं के परिश्रम से लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी। प्रदेश की जनता ने भाजपा को जो अपना जनादेश दिया है यह सभी आप लोगों के परिश्रम से संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव में मिली बड़ी जीत भाजपा की नीतियों की जीत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार जनता की इच्छाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए तीन गुणा तेज गति से विकास के कार्य कर रही है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि कार्यकर्ता सरकार और जनता के बीच समन्वय का काम करते हैं। सरकार की नीतियों और उपलब्धियों को जनता के बीच पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि संगठन की तरफ से जो कार्य करने को मिलता है उसे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ पूरा करें। हमें सरकार के हर निर्णय और योजनाओं की जानकारी होनी चाहिए।

साइबर जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा की जानकारी दी

एजेंसी

नारनौल। निजी स्कूल में साइबर जागरूकता दिवस पर साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को साइबर सुरक्षा के महत्व और ऑनलाइन खतरों से बचाव के तरीकों के बारे में जागरूक करना था। जिसमें सभी छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के वक्ता के स्वागत भाषण से हुई। जिसमें उन्होंने आज के डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके बाद एसआई रवि ने विद्यार्थियों को साइबर अपराध व बचाव से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन खतरों जैसे कि फ़िशिंग, साइबर बुलिंग, पहचान की चोरी, ऑनलाइन टास्क फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट और मेलवेयर के बारे में बताया। उन्होंने सुरक्षित पासवर्ड बनाने, व्यक्तिगत जानकारी को ऑनलाइन सांझा न करने, संदिग्ध लिंक और ईमेल से बचने और सोशल मीडिया का सावधानी व जिम्मेदारी से उपयोग करने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने भी सक्रिय रूप से प्रश्न पूछे और अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया। पुलिस टीम ने छात्रों को साइबर सुरक्षा नियमों का पालन करने और एक जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में, विद्यालय के वक्ता ने कहा कि विद्यालय भविष्य में भी इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा, ताकि छात्रों को सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण मिल सके। इस साइबर जागरूकता कार्यक्रम से छात्रों और शिक्षकों को साइबर सुरक्षा के प्रति अधिक संवेदनशील होने और ऑनलाइन खतरों से खुद को बचाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

एनएचएम मिशन निदेशक पंचकूला द्वारा दिए गए आदेशों को लेकर कर्मचारियों ने सिविल सर्जन को सौंपा ज्ञापन

एनएचएम कर्मचारी जियो फैंसड बेसड अटैंडस एप्प के लिए अपना डाटा सांझा नहीं करेगा: पुष्पेंद्र

एजेंसी

नारनौल। एनएचएम मिशन निदेशक पंचकूला की ओर से सिविल सर्जन नारनौल कार्यालय को जारी पत्र को का हवाला देते हुए जिले में कार्यरत केवल एनएचएम कर्मचारियों को जियो फैंसड बेसड अटैंडस एप्प पर हाजरी लगाने के आदेश जारी किए गए हैं। जिसके विरोध स्वास्थ्य कर्मचारी संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ की जिला इकाई द्वारा जिला अध्यक्ष डा. पुष्पेंद्र की अध्यक्षता में एक आपात बैठक का आयोजन किया गया। डा. पुष्पेंद्र ने बताया कि मोबाइल ऐप से व्यक्तिगत संवेदनशील डाटा तक अनाधिकृत पहुंच, साइबर धोखाधड़ी और डेटा के दुरुपयोग के खतरे को बढ़ाता है।

अतः उपरोक्त सभी चिंताओं के मध्यनजर जियो फैंसड बेसड अटैंडस एप्प के प्रति हम अपनी असहमति देते है एवं जिले का कोई भी एनएचएम कर्मचारी जियो फैंसड बेसड अटैंडस एप्प के लिए अपना डाटा साझा नहीं करेगा।

जिला मंत्री विनोद राव ने बताया कि कर्मचारी को मोबाइल डाटा एप्लीकेशन के आधार पर ट्रेक किया जाएगा, जोकि निजता के अधिकार का उल्लंघन है। उपरोक्त मामले में

माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के अनुसार किसी भी व्यक्ति को निजता का भी मौलिक अधिकार का दर्जा दिया गया है।

बैठक के बाद संघ की जिला इकाई द्वारा सिविल सर्जन डा. अशोक कुमार को लिखित में दिया कि एनएचएम का प्रत्येक कर्मचारी बहुत ही मेहनत एवं लगन के साथ मामूली वेतन में स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवाएं दें रहा हैं। स्वास्थ्य विभाग में केवल एनएचएम कर्मचारी ही कार्यरत नही है, यहां बहुत बडी संख्या में ऐसे अधिकारी एवं कर्मचारी जिले की विभिन्न चिकित्सा संस्थाओं में विभिन्न पदों पर कार्यरत हैं, जो कि एनएचएम के अंतर्गत नही है। केवल और केवल एनएचएम कर्मचारियों को स्पेशल टारगेट करना एनएचएम कर्मचारियों के प्रति सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। इसलिए जब तक स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत सभी श्रेणियों के लिए जियो फैंसड बेसड अटैंडस एप्प से संबंधित एक समान आदेश जारी नहीं होते हैं, तब तक एनएचएम कर्मचारी भी जियो फैंसड बेसड अटैंडस एप्प से अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं करेगा।

संघ के प्रदेश कार्यालय सचिव हरकेश ने कहा कि विभाग के अधिकारियों द्वारा बार-बार तुगलकी पत्र जारी करके एनएचएम कर्मचारियों को उकसाने का काम किया जा रहा है। जब ज्यादतियों से तंग आकर कर्मचारी आंदोलन का विवश हो जाता है तो अपने हकों की रक्षा के लिए आंदोलन कर्मचारियों का उपद्रवी घोषित कर जनता को गुमराह करने की कोशिश की जाती है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कर्मचारी संघ हरियाणा संबंधित भारतीय मजदूर संघ यह मांग करता है कि उक्त आदेशों को दफ्तर दाखिल किया जाए, ताकि एनएचएम का प्रत्येक कर्मचारी बिना किसी मानसिक दबाव से पूर्व की भांति अपनी सेवाएं निरंतर जारी रख सके।

इस अवसर पर जितेंद्र यादव, डा. गिरधर, ऋषि गोठवाल, बिंदु यादव, सुनीता कुमारी, दिनेश शर्मा, टीका थापा बहादुर, गौरव कक्कड़, दिनेश सैनी, राजकुमार, सुनीता यादव, रेणू यादव, मीरा यादव, संजू सैनी, उमेश कश्यप, डा. दिव्या गिरधर, जितेंद्र बदोपुर आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर 200 नई अटल श्रमिक किसान कैंटीन की करेंगे शुरुआत

चंडीगढ़, 3 अप्रैल – हरियाणा में 600 रियायती भोजन कैंटीन स्थापित करने के अपने संकल्प पत्र में उल्लिखित प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने पहले चरण में इस साल अगस्त तक 200 नई अटल श्रमिक किसान कैंटीन शुरू करने का निर्णय लिया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी 15 अगस्त, 2025 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इन कैंटीनों का उद्घाटन करेंगे। इस आशय का निर्णय आज यहां मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। अटल श्रमिक किसान कैंटीन में किसानों और मजदूरों को मात्र 10 रुपये प्रति थाली की रियायती दर पर स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। सब्सिडी वाले खाद्य कैंटीनों का प्रबंधन महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों द्वारा किया जाता है मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में पूरे राज्य में विभिन्न स्थानों पर 175 सब्सिडी वाले खाद्य कैंटीन संचालित हैं। इनमें श्रम विभाग की 115, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एचएसएएमबी) की 53 और चीनी मिलों की 7 कैंटीन शामिल हैं। इन कैंटीनों का प्रबंधन महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों द्वारा किया जाता है, जिससे महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलता है। 200 नई अटल श्रमिक किसान कैंटीनों की स्थापना के साथ प्रदेश में इनकी संख्या बढ़कर 375 हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन कैंटीनों के लिए स्थानों की पहचान करने का काम जल्द से जल्द शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि चरणबद्ध तरीके से राज्य में कुल 600 ऐसी कैंटीन खोलने का लक्ष्य रखा गया है। एचएसआईआईडीसी कैंटीनों के लिए बुनियादी ढांचे को सीएसआर पहलों के माध्यम से विकसित किया जा सकता है श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) को राज्यभर में अपने सभी इंडस्ट्रीयल एस्टेटों में सब्सिडी वाले खाद्य कैंटीन स्थापित करने के निर्देश दिए, ताकि श्रमिकों को सस्ती दरों पर पौष्टिक भोजन मिल सके। मुख्यमंत्री ने यह भी प्रस्ताव दिया कि इन कैंटीनों के लिए बुनियादी ढांचे को कंपनियों की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहलों के माध्यम से विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कई बड़ी कंपनियों ने इस पहल में योगदान देने में रुचि दिखाई है। उन्होंने हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एचएसएएमबी) और श्रम विभाग को इन कैंटीनों की स्थापना के लिए मंडियों और निर्माण स्थलों पर अतिरिक्त स्थानों की पहचान करने और इनका दायरा बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके अलावा, उन्होंने खनन स्थलों पर मजदूरों और कामगारों की सहायता के लिए अटल श्रमिक किसान कैंटीन खोलने का सुझाव भी दिया। राज्य में संचालित सब्सिडी वाले खाद्य कैंटीनों के लिए एक समर्पित पोर्टल स्थापित करें मुख्यमंत्री ने राज्य में संचालित सब्सिडी वाले खाद्य कैंटीनों के लिए एक समर्पित पोर्टल स्थापित करने के निर्देश दिए, ताकि इन कैंटीनों के बारे में जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि इन कैंटीनों में भुगतान क्यूआर कोड के माध्यम से किया जाना चाहिए, जिससे डिजिटलीकरण को बढ़ावा मिले। सभी सब्सिडी वाले खाद्य कैंटीनों में खाद्य पदार्थों का एक समान मेनू अपनाया जाए श्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि राज्यभर में संचालित सभी सब्सिडी वाले खाद्य कैंटीनों में खाद्य पदार्थों का एक समान मेनू अपनाया जाए। उन्होंने हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एचएसआरएलएम) को एक मानकीकृत मेनू तैयार करने के निर्देश दिए, जिसमें बाजरे से बने खाद्य पदार्थ भी शामिल हों। इसके अतिरिक्त, उन्होंने इन कैंटीनों में नाश्ता उपलब्ध कराने के महत्व पर बल दिया तथा मजदूरों और किसानों को इडली और डोसा जैसे दक्षिण भारतीय व्यंजन परोसने का सुझाव दिया। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री राजा शेखर वुंडरू, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रधान सचिव श्री डी. सुरेश, श्रम विभाग के प्रधान सचिव श्री राजीव रंजन, विकास एवं पंचायत विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एचएसएएमबी) के मुख्य प्रशासक श्री मुकेश कुमार आहूजा, श्रम आयुक्त श्री मनी राम शर्मा, एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक श्री सुशील सारवान, उद्योग विभाग के मुख्य समन्वयक श्री सुनील शर्मा, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सड़कों की मरम्मत के लिए बनाई खास योजना : रणबीर गंगवा

- हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक में 4.41 करोड़ के 2 एजेंडे स्वीकृत

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि हरियाणा की सड़कों की मरम्मत के लिए विभाग ने खास योजना बनाई है। अगले 6 महीनों में इस पर विशेष कार्रवाई होगी , साथ ही प्रदेश की सड़कों के जाल को सुदृढ़ किया जाएगा, ताकि आमजन के लिए बेहतर और सुगम सफर हो सके। श्री रणबीर गंगवा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्यूडी) के अंतर्गत आने वाली करीबन 6300 किलोमीटर सड़कों की रिपेयरिंग का कार्य इस अवधि के दौरान करने का एक्शन प्लान बनाया है। विशेष टेंडर के जरिए काम होगा। उल्लेखनीय है कि बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सदन में घोषणा की थी कि आगामी 6 महीने के अंदर-अंदर सभी सड़कों की उच्च क्वालिटी की सड़कें मिले। विभाग के अधिकारियों को खास निर्देश दिए गए है कि क्वालिटी में किसी प्रकार का समझौता नहीं होगा।

आवश्यता अनुसार मरम्मत करवाई जाएगी। श्री गंगवा ने विभाग के अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री की घोषणा को धरातल पर लाने के लिए खास योजना तैयार की जाएं। उन्होंने कहा कि आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सरकार काम कर रही है, विभाग के प्रयास है कि जनता को बेहतर और उच्च क्वालिटी की सड़कें मिले। उन्होंने गर्मी के मौसम में पेयजल को लेकर की जाने वाली तैयारियों के बारे में कहा कि इसे लेकर भी तैयारियां पूरी हैं, संबंधित विभाग के अधिकारियों को वैकल्पिक व्यवस्था रखने के निर्देश भी दिए जा चुके है। श्री गंगवा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार काम कर रही है, सरकार का यहीं प्रयास है कि ऐसी योजनाएं बनाई जाएं जिससे जनता को फायदा हो।

चंडीगढ़ सचिवालय में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के लिए हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक हुई। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा तथा सदस्य शिक्षा मंत्री श्री महिपाल ढांडा की अध्यक्षता में हुई विभागीय उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (डीएचपीपीसी) की बैठक में 3 एजेंडे रखे गए थे। बैठक में ब्लीचिंग पाउडर, पॉली एल्युमिनीयम क्लोराइड एवं स्टेनलैस स्टील स्कीन परचेजिंग को लेकर प्रक्रिया में शामिल हुई कंपनियों से कमेटी ने बातचीत की। इस दौरान पॉली एल्युमिनीयम क्लोराइड एवं स्टेनलैस स्टील स्कीन के 4.41 करोड़ के 2 एजेंडे स्वीकृत किए गए। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि सरकार का उद्देश्य यही है कि उच्च क्वालिटी की सुविधा जनता को मिले।

भिवानी डीसी हुए हैरान

पीपीपी में 4 व 6 साल के बच्चे कमा रहे सालाना 3.5 लाख ● जिंदा व्यक्ति को दिखाया मृत, पेंशन बंद

एजेंसी

भिवानी। ओमवती ने डीसी को बताया कि उनकी फैमिली आईडी में आय छह लाख से आठ लाख रुपये का सत्यापन किया हुआ है। फैमिली आइडी में आय ज्यादा होने के कारण उसकी विधवा पेंशन भी जारी नहीं हो रही है। परिवार पहचान पत्र में मात्र चार और छह साल के बच्चे भी सालाना साढ़े तीन लाख रुपये कमा रहे हैं। यह सुनकर डीसी महावीर कौशिक को भी हैरानी हुई। ये मामला मंगलवार को समाधान शिविर में रखा गया। जब विधवा ने अपने परिवार पहचान पत्र में परिवार की सालाना आमदनी ज्यादा दिखाए जाने की समस्या उपायुक्त के सामने रखी।

लघु सचिवालय स्थित समाधान शिविर में ढोबी तालाब क्षेत्र निवासी विधवा ओमवती ने अपनी समस्या रखते हुए बताया कि उनके परिवार पहचान पत्र में परिवार की कुल आय छह लाख से आठ लाख रुपये, उनके साढ़े चार वर्षीय पुत्र शिवम की आय एक लाख 80 हजार से तीन लाख रुपये तक और उनकी छह वर्षीय पुत्री सिव्यांगी की आय एक लाख 40 हजार से एक लाख 80 हजार दिखाई गई है। इस पर डीसी महावीर कौशिक ने क्रीड विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि तुरंत प्रभाव से फिजिकल वेरिफिकेशन कर आय को दुरुस्त किया जाए। इसके साथ ही डीसी ने कहा कि फैमिली आईडी में जानबूझकर स्वयं आय या अन्य किसी प्रकार की छेड़छाड़ करने वाले सीएससी सेंटर संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ओमवती ने डीसी को बताया कि उनकी फैमिली आईडी में आय छह लाख से आठ लाख रुपये का सत्यापन किया हुआ है। फैमिली आइडी में आय ज्यादा होने के कारण उसकी विधवा पेंशन भी जारी नहीं हो रही है। ओमवती ने उपायुक्त को बताया कि उनके दोनों बच्चे पढ़ाई करते हैं और उनके पति के देहांत के बाद महिला के पास आय का कोई साधन नहीं हैं। उन्होंने बताया कि पति के देहांत के बाद सरकार द्वारा दीन दयाल स्कीम के तहत फार्म भरा था, जो इस स्कीम के तहत सरकार द्वारा जो पांच लाख की सहायता राशि दी जाती है, वो उनको प्राप्त हुई है, इस कारण उनकी आय बढ़ा दी गई है, जबकि उनके परिवार में पति के देहांत बाद आय का कोई साधन नहीं है। विधवा पेंशन जारी ना होने के कारण परिवार के पालन पोषण व बच्चों की पढ़ाई आदि में समस्या आ रही है। आय कम करवाने के लिए विभाग के काफी चक्कर लगाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। इस पर उपायुक्त ने क्रीडा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द फिजिकल वेरिफिकेशन कर ओमवती की फैमिली आईडी में आय को दुरुस्त किया जाए।

परिवार पहचान पत्र में जिंदा को दिखाया मृत, पेंशन बंद

गांव पाजू निवासी सुनील कुमार ने डीसी को बताया कि फैमिली आईडी में उनके पिता भरत सिंह को परिवार पहचान पत्र में मृत दिखाया हुआ है, जबकि वे जिंदा हैं। ऐसे में उनके पिता की वृद्धावस्था पेंशन बंद हो गई है।

करनाल कोर्ट में बदमाशों ने एक व्यक्ति पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी

करनाल। करनाल के सेक्टर 12 स्थित कोर्ट के बाहर नगर निगम के पीछे उस समय हड़कंप मच गया जब बाइक सवार दो बदमाशों ने एक व्यक्ति पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी और फरार हो गए। कोर्ट में पेशी पर आए हैप्पी घरौंडा को दो गोलियां गली हैं। उसका पास खड़ा वकील भी घायल हा गया। हैप्पी पर घरौंडा, सिविल लाइन थाना में अपहरण, अवैध असला रखने, धोखाधड़ी और मारपीट के 4 मामले दर्ज है। एक में बरी हो चुका है। हैप्पी घरौंडा नामक व्यक्ति कोर्ट में तारीख पर आया हुआ था और नगर निगम के पीछे रेहड़ी पर खड़ा होकर फ्रूट चाट खा रहा था।

सफाई नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी : निगमायुक्त अशोक गर्ग

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने निगम कार्यालय में सफाई कर्मचारी यूनियन प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की तथा उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनकर संबंधित अधिकारियों को जल्द समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने कहा कि सफाई नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है तथा हम सभी का यह कर्तव्य है कि स्वच्छता कार्य में लगे कर्मचारियों को नियम के तहत सभी लाभ समय पर मिलने चाहिएं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जो स्वच्छता कर्मी सेवानिवृत होने वाले हों, उनके पेंशन संबंधी मामले को एक माह पहले ही तैयार कर लें, ताकि कर्मचारी को सेवानिवृति के दिन सभी देय लाभ मिल सकें। इसके साथ ही उन्होंने चीफ इंजीनियर विजय ढ़ाका को निर्देश दिए कि वे सफाई कर्मचारी यूनियन प्रतिनिधियों के साथ मिलकर पक्के हाजरी शैड बनाने की जगहों को चिन्हित करें तथा समय सीमा निर्धारित करके धरातल पर कार्य शुरू कराएं। निगमायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि निगम द्वारा जिन सेवानिवृत सफाई कर्मचारियों की सेवाएं दुबारा से निगम में ली गई हैं, उन्हें समय पर वेतन जारी किया जाना चाहिए। इसके साथ ही जिन सफाई कर्मचारियों की पीएफ राशि लंबित है, उसे भी जल्द से जल्द डाला जाए। इसके लिए उन्होंने लेखा अधिकारी व संबंधित कर्मचारी को 15 अप्रैल तक 100 कर्मचारियों के मामलों का निपटारा करने का लक्ष्य दिया तथा कहा कि अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो उन पर 10-10 हजार रूपए का जुर्माना लगाया जाएगा। बैठक में यूनियन प्रतिनिधियों ने मांग रखी कि नगर निगम गुरुग्राम क्षेत्र की आबादी व क्षेत्रफल के हिसाब से सफाई व सीवर कर्मचारियों की संख्या कम है। उन्होंने पोस्ट सेंक्शन कराने की बात बैठक में कही।

NAME CHANGE
I, hitherto known as RISHI PAL S/o BIHARI LAL R/o Ho.no.212, Subhash Colony Ballabgarh Faridabad Haryana-121004, have changed my name and shall hereafter be known as MAHENDER SHARMA.

कोयला मंत्रालय ने 2024-25 में कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों में रिकॉर्ड उत्पादन और प्रेषण दर्ज किया

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 में कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला उत्पादन और प्रेषण में एक नया रिकॉर्ड बनाते हुए ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। कैप्टिव और कमर्शियल दोनों खदानों ने इस सफलता में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कोयला मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि 31 मार्च, 2025 तक कुल कोयला उत्पादन बढ़कर 190.95 मिलियन टन (एमटी) हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष के 147.11 मिलियन टन की तुलना में 29.79 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि है। कोयला प्रेषण में भी असाधारण वृद्धि हुई है। यह 190.42 मिलियन तक पहुंच गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 में दर्ज 142.79 मिलियन टन से 33.36 फीसदी अधिक है। मंत्रालय के मुताबिक कैप्टिव और कमर्शियल दोनों खदानों ने इस सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कैप्टिव खदानों ने पिछले वित्त वर्ष की तुलना में उत्पादन में 24.72 फीसदी और प्रेषण में 27.76 फीसदी की वृद्धि हासिल की। इससे मुख्य उद्योगों को निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित हुई। कोयला मंत्रालय के अनुसार वाणिज्यिक खदानों ने उत्पादन में 67.32 फीसदी की अभूतपूर्व वृद्धि और पिछले वर्ष की तुलना में प्रेषण में 76.71 फीसदी की वृद्धि के साथ गति का नेतृत्व किया है, जो भारत के कोयला क्षेत्र के विस्तार और दक्षता का प्रमाण है।

मारुति सुजुकी की कारें 8 अप्रैल से होंगी महंगी, ग्रैंड विटारा की कीमत में 62 हजार रुपये की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने 8 अप्रैल से अपने सभी मॉडलों की कीमतों में इजाफा करने का ऐलान किया है। कंपनी ने इस साल लगातार तीसरी बार अपने वाहनों की कीमतों में वृद्धि की है। इस नए ऐलान के बाद मारुति सुजुकी की कारें 62 हजार रुपये तक महंगी हो जाएंगी।कंपनी ने शेयर बाजारों बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) को नियामक फाइलिंग में बताया कि बढ़ती इनपुट लागत, परिचालन खर्च, नियामक परिवर्तन और सुविधा परिवर्धन के कारण विभिन्न मॉडल की कीमतों में वृद्धि करनी पड़ रही है। कंपनी के मुताबिक वर्तमान बढ़ोतरी से मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा की कीमत सबसे ज्यादा 62 हजार रुपये तक बढ़ जाएगी। मारुति सुजुकी इंडिया ने ईको की कीमत में 22,500 रुपये, वैगन-आर 14 हजार रुपये, अर्टिगा 12,500 रुपये, एक्सएल6 12,500 रुपये और डिजायर टूर एस 12,500 रुपये तथा फ्रोंक्स की कीमतों में 3,000 रुपये तक का इजाफा किया है। इससे पहले कंपनी ने 17 मार्च को अपने वाहनों की कीमतों में अप्रैल, 2025 से 4 फीसदी तक की बढ़ोतरी की घोषणा की थी। इससे पहले मारुति ने 1 फरवरी को अपनी कारों के दाम में 32,500 रुपये तक इजाफा किया था।

ट्रंप टैरिफ लागू होने के पहले बेखौफ नजर आया शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऐलान के मुताबिक आज देर रात से लागू होने वाले रेसिप्रोकल टैरिफ के पहले घरेलू शेयर बाजार पूरी तरह से बेखौफ नजर आया। रेसिप्रोकल टैरिफ की सभी आशंकाओं को नकारते हुए शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज शुरुआती कारोबार के दौरान बाजार में कुछ देर तक उतार-चढ़ाव की स्थिति जरूर बनी रही, लेकिन सुबह 10 बजे के बाद से बाजार में लगातार तेजड़िये हावी बने रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.78 प्रतिशत और निफ्टी 0.72 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के बाद निफ्टी के सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के दौरान रियल्टी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसके साथ ही बैंकिंग, आईटी, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, हेल्थ केयर, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.99 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

केंद्र सरकार ने पूनम गुप्ता को रिजर्व बैंक का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रतिष्ठित शोध संस्थान नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लॉयड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) की महानिदेशक पूनम गुप्ता को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। उनका कार्यकाल तीन साल के लिए होगा। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कैबिनेट (एसीसी) की नियुक्ति समिति ने तीन साल के कार्यकाल के लिए आरबीआई के डिप्टी गवर्नर के तौर पर पूनम गुप्ता की नियुक्ति को अपनी मंजूरी दे दी है। माइकल देबव्रत पात्रा के जनवरी में अपना पद छोड़ने के बाद आरबीआई में डिप्टी गवर्नर का यह पद खाली हो गया था। पूनम गुप्ता वर्तमान में देश की सबसे बड़ी आर्थिक नीति थिंक टैंक, नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के महानिदेशक हैं। वह प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य भी हैं। इसके अलावा 16वें वित्त आयोग की सलाहकार परिषद के संयोजक के रूप में कार्यरत हैं।

आईडेंटिक्स वेब ने आईपीओ निवेशकों को किया गदगद, लिस्टिंग के बाद अपर सर्किट पर पहुंचे शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। शॉपिफाई एप्स डेवलप करने वाली कंपनी आईडेंटिक्स वेब ने प्रीमियम लिस्टिंग के कारण आज अपने आईपीओ निवेशकों को गदगद कर दिया। आज कंपनी के शेयर स्टॉक मार्केट में मजबूत लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 54 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 1.85 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 55 रुपये के भाव पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर कुछ ही देर में 57.75 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले कारोबारी दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 6.94 प्रतिशत का फायदा हो गया। आईडेंटिक्स वेब का 16.13 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 28 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके

कारण ये ओवरऑल 26.15 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 11.19 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 73.46 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 14.38 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 30.80 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल मार्केटिंग, आरएंडडी और प्रोडक्ट डेवलपमेंट के लिए हायरिंग करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में किया जाएगा। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक 2023-24 में कंपनी का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 105.19 प्रतिशत बढ़कर 2.77 करोड़ रुपये हो गया था। इसी तरह कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 6.22 प्रतिशत बढ़कर 6.66 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की बात करें, तो इसकी पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 2 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 4.97 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल करने में सफल रही थी।

भारत से ऑस्ट्रेलिया को निर्यात अप्रैल-फरवरी 2024-25 के दौरान 4.4 फीसदी बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत से ऑस्ट्रेलिया को निर्यात 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-फरवरी के दौरान 4.4 फीसदी बढ़ा है। इसकी वजह दोनों देशों के बीच 2022 में लागू किया गया मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि 2022 में दोनों देशों के बीच लागू मुक्त व्यापार समझौते के कारण अप्रैल-फरवरी 2024-25 के दौरान ऑस्ट्रेलिया को भारत का निर्यात सालाना आधार पर 4.4 फीसदी बढ़ा है। इस समझौते पर 2 अप्रैल, 2022 को हस्ताक्षर किए गए थे।

मंत्रालय ने कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते ने मजबूत व्यापार के लिए रास्ते तैयार किए हैं। समझौते पर हस्ताक्षर और कार्यान्वयन के बाद वित्त वर्ष 2023-24 में कुल द्विपक्षीय व्यापार 24 अरब यूएस डॉलर तक पहुंच गया, जो वित?त वर्ष 2022-23 की तुलना में ऑस्ट्रेलिया को भारत के निर्यात में 14 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है। इससे दोनों देशों में व्यवसायों, उद्यमियों और रोजगार के लिए नए

सत्यमेव जयते
Ministry of Commerce & Industry
Government of India

रास्ते खुलेंगे। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (इंड-ऑस ईसीटीए) आज अपनी तीसरी वर्षगांठ मना रहा है, यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिसने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आर्थिक साझेदारी को बढ़ाया है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 92,830 रुपये से लेकर 92,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 85,090 रुपये से लेकर 85,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,04,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 92,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 85,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 92,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 85,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 92,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 85,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 92,830 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 85,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 92,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 85,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 92,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 85,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 92,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 85,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 92,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 85,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 92,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 85,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

डीएफएस सचिव ने केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री में सुधार पर बैठक की

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने केंद्रीय केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) रिकॉर्ड रजिस्ट्री में एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सुधार और वित्तीय सेवाओं की सुगमता से उपलब्धता के लिए अपने ग्राहक अनुपालन को जानने से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई। वित्त मंत्रालय के मुताबिक डीएफएस के सचिव नागराजू ने केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री (सीकेवाईसीआर) के पुनर्गठन और केवाईसी अनुपालन से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। इस बैठक का उद्देश्य वित्तीय सेवाओं का लाभ उठाते समय नागरिकों के जीवन को आरामदायक बनाना है। मंत्रालय के मुताबिक बैठक में नागराजू ने केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री (सीकेवाईसीआर) के आधुनिकीकरण और केवाईसी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। चर्चा के दौरान हितधारकों से कई सुझाव प्राप्त हुए, जिन पर केवाईसी प्रक्रिया को

और अधिक आसान बनाने के लिए विचार किया जाएगा।

इसके अलावा बैठक के दौरान व्यक्तियों और विनियमित संस्थाओं से संबंधित प्रमुख मुद्दे और चुनौतियां, सरकार और वित्तीय क्षेत्र के नियामकों की ओर से अब तक उठाए गए कदम और वित्तीय क्षेत्रों में केवाईसी प्रक्रिया से संबंधित दक्षता को और बढ़ाने, अतिरेक को कम करने और सुरक्षा में सुधार के लिए प्रस्तावित उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक में संबंधित मंत्रालयों, विभागों, वित्तीय क्षेत्र के नियामकों, वित्तीय संस्थानों और अन्य हितधारकों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

जीईएम ने वित्त वर्ष 2024-25 में बनाया रिकॉर्ड, 10 लाख से ज्यादा लोगों को मिला रोजगार

एजेंसी

नई दिल्ली। डिजिटल खरीद मंच गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) ने वित्त वर्ष 2024-25 में सरकारी संगठनों के लिए 10 लाख से अधिक जनशक्ति संसाधनों की भर्ती करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि जीईएम की यह उपलब्धि पारदर्शिता, अनुपालन और दक्षता के माध्यम से सार्वजनिक खरीद को बदलने के लिए उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

जीईएम की इस उपलब्धि पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने 'एक?स' पोस्ट पर एक बयान में जीईएम प्लेटफॉर्म की सफलता और इसके माध्यम से रोजगार के अवसरों पर अपनी बात साझा की। उन्होंने इस प्लेटफार्म के जरिए 10 लाख से अधिक कर्मचारियों की भर्ती के आंकड़े को ऐतिहासिक बताया।

पीयूष गोयल ने एक्स पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जीईएम विशाल रोजगार सृजन में सहायक बन रहा है और श्रमिकों की भर्ती के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। यह प्लेटफॉर्म वित्त वर्ष 2024-25 के तहत 10 लाख से अधिक कर्मचारियों की भर्ती का महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार कर चुका है, जो इसकी व्यापक स्वीकृति और सरकारी संगठनों में प्रभाव को दर्शाता है।इस उपलब्धि पर जीईएम के सीईओ अजय भादू ने कहा, जीईएम ने डिजिटल क्षमताओं का दोहन किया है और प्रशासन के विभिन्न स्तरों पर सरकारी खरीदारों द्वारा आवश्यक सभी संभावित सेवाओं की खरीद के लिए वन-स्टॉप-शॉप के रूप में उभरा है। हमारी मैनपावर आउटसोर्सिंग सेवा न केवल सरकारी संगठनों के लिए भर्ती प्रक्रिया को सरल बनाती है, बल्कि हमारे व्यापक सेवा स्तर समझौते के माध्यम से सख्त श्रम अनुपालन भी सुनिश्चित करती है। जीईएम की मैनपावर आउटसोर्सिंग सरकारी खरीदारों को आउटसोर्स संसाधनों को काम पर रखने के लिए एक सहज समाधान प्रदान करती है। इस प्लेटफॉर्म पर 33 हजार से ज्यादा सेवा प्रदाता खरीदारों को न्यूनतम वेतन और निश्चित पारिश्रमिक सहित विभिन्न मानदंडों के आधार पर मैनपावर को शामिल करने में सक्षम बनाते हैं।

सरकार ने एस. रमन को पीएफआरडीए का नया अध्यक्ष नियुक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उप-नियंत्रक एवं महालेखा प्रबंधक (कैग) एस. रमन को पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। रमन वर्तमान चेयरमैन दीपक मोहंती की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल मई, 2025 में समाप्त होगा। आधिकारिक सूत्रों ने दी जानकारी में बताया कि 01 अप्रैल को जारी एक सरकारी अधिसूचना में कहा गया है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के अध्यक्ष पद पर उप-नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक शिवसुब्रमण्यम रमण की नियुक्ति को अपनी मंजूरी दे दी है। अधिसूचना के मुताबिक एसीसी ने पांच साल के कार्यकाल या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक के लिए शिवसुब्रमण्यम रमण की नियुक्ति को मंजूरी दी है। एस. रमन वर्तमान में उप सीएजी के रूप में कार्यरत हैं।

वह भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा (आईएएंडएएस) के 1991 बैच के अधिकारी हैं। उल्लेखनीय है कि शिवसुब्रमण्यम रमण वर्ष 2021 और 2024 के बीच तीन साल के लिए भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (एमडी) के रूप में भी काम किया है। वह सिडबी में शामिल होने से पहले नेशनल ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड (एनईएसएल) के एमडी और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) थे।

स्टॉक मार्केट में श्री अहिंसा नेचुरल्स की जोरदार एंट्री, प्रीमियम के साथ हुई लिस्टिंग के बाद अपर सर्किट पर पहुंचे शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। कैफीन एनहाइड्रस, ग्रीन कॉफी बीन एक्सट्रैक्ट्स और क्रूड कैफीन बनाने वाली कंपनी श्री अहिंसा नेचुरल्स ने शानदार लिस्टिंग के कारण आज अपने आईपीओ निवेशकों को गदगद कर दिया। आज कंपनी के शेयर स्टॉक मार्केट में प्रीमियम पर लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 119 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 17.65 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 140 रुपये के भाव पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर कुछ ही देर में 147 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले कारोबारी दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 23.53 प्रतिशत का फायदा हो गया। श्री अहिंसा नेचुरल्स

का 73.81 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 27 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 62.71 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 21.23 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 182.82 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 35.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 50.02 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 19,99,200 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं।आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी जयपुर के सवर्डा में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 11.02 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़ कर 38.21 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि अगले वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का शुद्ध लाभ कम होकर 18.67 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की बात करें, तो इस वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 9.74 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 41.37 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल करने में सफल रही थी।

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक 7-9 अप्रैल को, रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती संभव

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठकों का शेड्यूल जारी कर दिया है। चालू वित्त वर्ष में एमपीसी की कुल 6 बैठकें होंगी, जिनमें से पहली बैठक 7-9 अप्रैल को होगी। रिजर्व बैंक इस बार भी नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में वित्त वर्ष 2025-26 की पहली मौद्रिक नीति समिति की दो दिवसीय समीक्षा बैठक 7 अप्रैल को शुरू होकर 9 अप्रैल, 2025 तक चलेगी। आरबीआई गवर्नर 9 अप्रैल को एमपीसी के निर्णय की जानकारी देंगे। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 की आखिरी एमपीसी बैठक मे रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर 6.5 फीसदी से 6.25 फीसदी कर दिया था। आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति चालू वित्त वर्ष की 7-9 अप्रैल की होने वाली पहली बैठक में रेपो रेट में 25 आधार अंकों यानी 0.25 फीसदी तक की कटौती कर सकता है। इसके अलावा कुछ रेटिंग एजेंसियों ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि एमपीसी अप्रैल में होने वाली बैठक में आरबीआई रेपो रेट में 25 आधार अंकों की और कटौती कर सकता है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 सदस्य रिजर्व बैंक के होते हैं, जबकि बाकी 3 सदस?य केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। छह सदस?यीय इस समिति को मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मौद्रिक पॉलिसी बनाने के अलावा प्रमुख नीतिगत ब्याज दरें निर्धारित करने का काम सौंपा गया है। ये बैठक आमतौर पर प्रत्येक दो महीने में होती है।

रेपो रेट वह नीतिगत ब्याज दर होता है जिस पर भारत के बैंक, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) से पैसे उधार लेते हैं। आरबीआई जब इस दर को कम करता है, तो बैंक भी कम ब्याज दरों पर ग्राहकों को लोन दे सकते हैं। इसका मतलब है कि लोन लेने वाले लोगों को कम ब्याज देना होगा। अगर रेपो रेट कम होती है तो होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन पर ब्याज दरें कम हो जाएंगी।

बारां धानमंडी में गेहूं की रिकॉर्ड तोड़ आवक

एजेंसी

बारां। राजस्थान में शीर्षस्थ मंडियों में शुमार बारां की धानमंडी में गेहूं की जबरदस्त आवक हुई। व्यापार संघ अध्यक्ष मनीष लश्करी ने बताया कि धानमंडी में रिकॉर्ड पांच लाख कट्टे से अधिक की आवक हुई। हालांकि आज एकातरा

व्यवस्था के अनुरूप केवल गेहूं की नीलामी हुई। बाकी कृषि जिंसों की नीलामी बंद रही। मंडी में करीब पांच लाख कट्टे गेहूं की आवक दर्ज की गई जिससे बारां धानमंडी में सारे पुराने रिकॉर्ड टूट गए। सर्वाधिक आवक होने के बावजूद भी प्रत्येक ढेरी पर नीलामी हुई। गेहूं के भाव 2400 रुपये क्विंटल से लेकर 2700 प्रति क्विंटल तक रहे।उधर, धान मंडी में रिकॉर्ड तोड़ गेहूं की आवक होने एवं माल का उठाव नहीं होने के कारण तीन अप्रैल यानी गुरुवार को धानमंडी में सभी कृषि जिंसों की नीलामी बंद रहेगी। साथ ही धानमंडी में किसानों की ट्रॉलियों का प्रवेश भी बंद रहेगा।

एटीसी एनर्जीज ने आईपीओ निवेशकों को किया निराश, कम भाव पर लिस्टिंग के बाद लोअर सर्किट पर पहुंचे शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। लिथियम आयन बैटरी बनाने वाली कंपनी एटीसी एनर्जीज ने आज अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आज कंपनी के शेयर स्टॉक मार्केट में डिस्काउंट पर लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 118 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 9.32 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 107 रुपये के भाव पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव से ये शेयर लुढ़क कर कुछ ही देर में 101.65 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले कारोबारी दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 13.86 प्रतिशत का नुकसान हो गया। एटीसी एनर्जीज का 63.76 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 27 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.61 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी)

के लिए रिजर्व पोर्शन 1.38 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.81 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.49 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 51.02 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 10.80 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज को चुकाने, नोएडा में अपनी फैक्ट्री का रिफर्बिशमेंट और सिविल अपग्रेडेशन करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 11.86 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में गिर कर 7.76 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि अगले वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़कर 10.89 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की बात करें, तो इस साल की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 5.77 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 22.57 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल करने में सफल रही थी।

बॉडी फैट को तेजी से बर्न करना चाहते हैं, तो खाली पेट खाएं ये फल

मोटापा कम करने के लिए लोग घंटों जिम जाकर पसीना बहाते है. लेकिन आप नेचुरल रूप से भी फलों का सेवन करके अपने शरीर की चर्बी को कम कर सकते है. आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि खाली पेट रोजाना किन फलों को खाना चाहिए.

खराब लाइफस्टाइल के कारण मोटापे का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है. जंक फूड और ओवरईटिंग जैसी हैबिट्स से शरीर में फैट बढ़ने जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. ऐसे में जरूरी है कि अपनी खाने-पीने की आदतों को बदला जाए. मोटापे के कारण डायबिटीज, बीपी, हार्ट डिसीज़ और थायरॉइड जैसी बीमारी को खतरा बढ़ता है.डायटीशियन मोहिनी डोंगरे कहती हैं कि अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो कुछ खास फलों को रोजाना खाली पेट खाना शुरू कर दें. यह आपके मेटाबोलिज्म को ठीक रखने के साथ-साथ फैट को बर्न करने में भी मदद करते हैं. फाइबर के भरपूर होने के कारण इनसे आपका पेट भी दुरुस्त रहेगा.

पपीता

पपीते में पैपाइन नामक एंजाइम होता है, जो पाचन को बेहतर बनाता है. यह शरीर से अतिरिक्त चर्बी को बाहर निकालता है. यह फल नेचुरल डिटॉक्सिफिकेशन में मदद करता है. पपीते में कैलोरी काउंट कम पाया जाता है. ऐसे में वह वजन कम करने के लिए परफेक्ट च्वाइस है. खाली पेट पपीता खाने से फैट तेजी से बर्न होता है.

केला

केले में पोटेशियम, फाइबर और नेचुरल शुगर होती है. खाली पेट केला खाने से शरीर में मेटाबोलिज्म तेज होता है, जो चर्बी को जलाने में मदद करता है. इसे खाने के बाद आपकी बॉडी को इंस्टैंट एनर्जी का एहसास होगा. इसमें पैक्टिन नाम का तत्व पाया जाता है, जो हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद है.

अंगूर

अंगूर में एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जो शरीर से टॉक्सिंस को बाहर निकालने में मदद करती है. इसके अलावा, अंगूर में नेचुरल शुगर की मात्रा ज्यादा होती है. इसे खाली पेट खाने से शरीर का मेटाबोलिज्म बेहतर होता है और फैट भी तेजी से बर्न होता है.

कीवी

कीवी में एक नहीं बल्कि कई विटामिन पाए जाते हैं. जिन लोगों की इम्यूनिटी वीक रहती है, उनके लिए कीवी खाना बेहद फायदेमंद माना जाता है. चूंकि इसमें फाइबर की भी अच्छी मात्रा होती है, इसलिए यह पेट के लिए भी फायदेमंद है. तेजी से फैट बर्न करना चाहते हैं तो रोजाना दो कीवी खाली पेट खा लें.

आसान नहीं है डगर तीसरे टर्म की

बेशक, लोकसभा चुनाव में लगे धक्के से, जिसमें चार सौ पार के नारों से भाजपा, साधारण बहुमत से काफी नीचे, सिर्फ दो सौ चालीस सीटों पर आ टिकी थी

संभवतः इसी बीच हासिल हुई प्रभावी जीतों से बढ़े हुए आत्मविश्वास के चलते, संघ-भाजपा राज ने आरएसएस के शताब्दी वर्ष में उसके पक्के एजेंडे को आगे बढ़ाने के जरिए अपनी वफादारी दिखाने के लिए, इस विधेयक को ठंडे बस्ते से बाहर निकाल लिया है। अब इस विधेयक को दोबारा लोकसभा में आगे बढ़ाए जाने का प्रस्ताव है। लेकिन, इसी बीच सामने आए घटनाक्रम ने, इस विधेयक के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बेशक, लोकसभा चुनाव में लगे धक्के से, जिसमें चार सौ पार के नारों से भाजपा, साधारण बहुमत से काफी नीचे, सिर्फ दो सौ चालीस सीटों पर आ टिकी थी, उसके बाद हुए विधानसभाई चुनावों में जीत जुगाड़ने के जरिए, भाजपा कम से कम मानसिक रूप से काफी हद तक उबरने में कामयाब रही है। लोकसभा चुनाव के बाद से हुए प्रमुख विधानसभाई चुनावों में दिल्ली से पहले तक भाजपा, वैसे तो हरियाणा तथा महाराष्ट्र की दो विधानसभाओं में ही जीत हासिल करने में कामयाब हुई थी, जबकि झारखंड तथा जम्मू-कश्मीर में, अपनी सारी कोशिशों के बावजूद उसे हार का मुंह देखना पड़ा था। इसके बावजूद, इन दो जीतों के सहारे ही भाजपा ने, जिसे अपने मनमुताबिक आख्यान गढ़ने तथा मीडिया पर अपने नियंत्रण के जरिए उसे चलाने में खास महारत हासिल है, सफलता के साथ यह माहौल बना दिया था कि लोकसभा चुनाव तो एक विचलन था और आमतौर पर जनता फिर से भाजपा के पीछे गोलबंद हो चुकी है। इसी पृष्ठभूमि में दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद से, यह छवि और भी मजबूत हुई है कि मोदी के नेतृत्व में संघ-भाजपा जोड़ी ही चुनावी अजेयता फिर से लौट आई है और यहां से आगे मोदी राज की जीत ही जीत है। सिर्फ चुनावी जीत ही नहीं, आम तौर पर राजनीतिक जीत भी।उनके इसी भरोसे की अभिव्यक्ति, मोदी राज के तेजी से ऐसे कदमों के रास्ते पर बढ़ने में होती है, जो सबसे बढ़कर आरएसएस के बहुसंख्यकों के अपने पक्ष में सुदृढ़ीकरण और बढ़ते हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण के एजेंडे की ओर ले जाते हैं। बेशक, यह किन्हीं खास कदमों का या आरएसएस द्वारा उठायी गयी खास मांगों तक ही सीमित सवाल नहीं है। मोदी राज के तीसरे कार्यकाल के करीब ग्यारह महीनों में खासतौर पर भाजपायी राज्य सरकारों के सहारे, हर साधारण से साधारण मुद्दे का सांप्रदायिक गोलबंदी के हथियार में तब्दील किया जाना, इस देश ने देखा है। इसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संभल को, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के लिए एक और अयोध्या में तब्दील किया जाना भी शामिल है। इसमें महाकुंभ का ही नहीं, होली-ईद आदि सब का खुल्लमखुल्ला सांप्रदायीकरण भी शामिल है और भाजपा-शासित राज्यों में खासतौर पर मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ खुल्लमखुल्ला भेदभाव भी। जाहिर है कि आरएसएस के पुराने एजेंडे के अनुरूप, समान नागरिक संहिता का उत्तराखंड से शुरू कर, आगे बढ़ाया जाना भी इसमें शामिल है।इसी के हिस्से के तौर पर, संघ-भाजपा ने वक्फ संशोधन विधेयक का खुल्लमखुल्ला सांप्रदायिक हथियार गढ़ा और आगे कर दिया। बहरहाल, तभी इस मुद्दे पर वर्तमान मोदी सरकार के समर्थन की सीमाएं सामने आ गईं। जहां लोकसभा मे इस विधेयक के पेश किए जाने के बाद, उसे न सिर्फ धर्मनिरपेक्ष विपक्षी पार्टियों के मुखर विरोध का सामना करना पड़ा, वहीं खुद सत्ताधारी एनडीए में शामिल तेलुगू देशम तथा जनता दल-यूनाइटेड जैसी पार्टियों के प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष विरोध का भी सामना करना पड़ा; ये पार्टियां संघ-भाजपा के सांप्रदायिक एजेंडे का ज्यों का त्यों अनुमोदन करने में असुविधा महसूस कर रही थीं।

इसी का नतीजा था कि एक दुर्लभ पैंतरा अपनाते हुए, मोदी राज को इस विधेयक का संयुक्त संसदीय समिति को सौंपा जाना स्वीकार करना पड़ा, ताकि इस पर विभिन्न पक्षों की और विस्तार से राय ली जा सके। यह एक प्रकार से इस विधेयक के ठंडे बस्ते में डाले जाने का ही पैंतरा था और उसे आम तौर पर उसी रूप में देखा जा रहा था।लेकिन, संभवतः इसी बीच हासिल हुई प्रभावी जीतों से बढ़े हुए आत्मविश्वास के चलते, संघ-भाजपा राज ने आरएसएस के शताब्दी वर्ष में उसके पक्के एजेंडे को आगे बढ़ाने के जरिए अपनी वफादारी दिखाने के लिए, इस विधेयक को ठंडे बस्ते से बाहर निकाल लिया है। अब इस विधेयक को दोबारा लोकसभा में आगे बढ़ाए जाने का प्रस्ताव है। लेकिन, इसी बीच सामने आए घटनाक्रम ने, इस विधेयक के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वक्फ संशोधन विधेयक के पुनर्जीवित किए जाने की सुगबुगाहट होने के बाद से, धर्मनिरपेक्ष विपक्षी पार्टियों ने और भी दृढ़ता तथा स्पष्टता के साथ इसके खिलाफ आवाज तो उठायी ही है, इसके खिलाफ खुद मुस्लिम समुदाय भी एक स्वर से विरोध करने के लिए उठ खड़ा हुआ है। यहां तक कि इस बार रमजान-ईद के मौके पर, करोड़ों मुसलमानों ने काली पट्टियां बांधकर, इसके खिलाफ शांतिपूर्ण किंतु विराट सार्वजनिक प्रदर्शन किए हैं।इस सब का नतीजा यह हुआ कि एनडीए में भाजपा के, खुद को धर्मनिरपेक्ष दिखाने वाले सहयोगियों को संघ-भाजपा को परोक्ष रूप से यह संदेश देना पड़ा है कि इस मामले में उनके समर्थन को जेब में मानकर नहीं चला जाना चाहिए। जहां बिहार में, एक प्रमुख मुस्लिम मंच ने, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इफ्तार पार्टी के बहिष्कार की घोषणा कर, उस राज्य में नीतीश कुमार पर दबाव बढ़ा दिया, जहां अगले छः महीने के अंदर-अंदर चुनाव होने जा रहे हैं।

इस दबाव से निपटने के लिए नीतीश कुमार ने किस तरह, संबंधित मुस्लिम मंच के खिलाफ दमनकारी कार्रवाई और मुसलमानों के प्रति अपनी वफादारी के आम प्रदर्शन के दुहरे हथियार आजमाए हैं, इसकी चर्चा हम किसी और मौके पर करेंगे। यहां इतना कहना ही काफी है कि इस पूरे घटनाक्रम ने नीतीश कुमार को मुसलमानों के बीच अपनी छवि को, संघ-भाजपा से अलगाने के प्रति सचेत कर दिया है।उधर चंद्रबाबू नायडू ने विजयवाड़ा में आयोजित एक इफ्तारी के मंच का उपयोग, मुसलमानों को इसका भरोसा दिलाने के लिए किया कि, उनकी सरकार मुसलमानों के हितों की रक्षा करने की अपनी वचनबद्धता पर कायम है और रहेगी। वक्फ विधेयक विवाद की पृष्ठभूमि में उन्होंने खासतौर पर जोर देकर कहा कि मुसलमानों की जमीनों, परिसंपत्तियों पर किसी को भी बुरी नजर डालने इजाजत नहीं दी जाएगी। नायडू ने इसकी गारंटी भी दी। इसी दौरान राष्ट्रीय लोकदल के जयंत चौधरी ने भी मेरठ तथा संभल आदि में ईद के मौके पर नवाज पर लगायी गयी पाबंदियों पर विरोध जताते हुए, इसका संबंध राज्य या शासन के ज्यादा से ज्यादा ऑर्वेलियनीय बनते जाने के साथ जोड़ा और कहा कि यह उन्हें हर्गिज मंजूर नही है। उधर बिहार में लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान ने सांप्रदायिक निहितार्थ वाले मुद्दों के उठाए जाने पर विरोध जताया और ऐसे मुद्दे उठाने के लिए अपने सहयोगियों तक को नहीं बख्शा।

इस तमाम हलचल से, जिसके केंद्र में मुस्लिम अल्पसंख्यकों को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाकर छोड़ दिए जाने की मोदी राज की मुहिम का विरोध या नकार है, सिर्फ वक्फ संशोधन विधेयक के भविष्य को लेकर ही नहीं, खुद मोदी राज को लेकर भी वास्तविक सवाल खड़े हो गए हैं। बेशक, यह कहने का अर्थ यह कतई नहीं है कि इस मुद्दे को लेकर चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार, वर्तमान मोदी सरकार को हिला देने वाले हैं। ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है। लेकिन, इतना जरूर है कि नायडू-नीतीश आदि की ओर से मोदी राज को इसकी चेतावनी मिल सकती है कि वह आरएसएस के प्रति अपनी वफादारी के प्रदर्शन में, उन्हें जबर्दस्ती नहीं घसीट सकता है।

यह आरएसएस का शताब्दी वर्ष है। इसी सिलसिले में प्रधानमंत्री मोदी ने खुद नागपुर जाकर, आरएसएस के मुख्यालय में मत्था ही नहीं टेका है, सार्वजनिक रूप से आरएसएस की महानता का बखान भी किया है। यह आरएसएस के विभाजनकारी सांप्रदायिक चरित्र को परंपरा तथा संस्कृति की चादर से ढांपने की ही कोशिश थी, जिसके बाद उसे शासन-तंत्र में और गहराई तक रोपा जाएगा। मोदी निजाम इसी रास्ते पर बढ़ता चाहता है

और उसका अब तक का रिकार्ड यही दिखाता है कि वह इसी रास्ते पर चलने जा रहा है। लेकिन, उसके चंद्रबाबू नायडू तथा नीतीश कुमार जैसे क्षेत्रीय तथा खुद को धर्मनिरपेक्ष बताने वाले सहयोगियों को, उसके साथ बंधे-बंधे अपना इस रास्ते पर घसीटा जाना मंजूर नहीं है। संघ-भाजपा की स्वाभाविक सांप्रदायिक प्रेरणा और उनके राज के अल्पमत का ही राज होने की सच्चाई के बीच का अंतर्विरोध, आसानी से हल या शांत होने वाला नहीं है। यह अंतर्विरोध मोदी राज की नैया डावांडोल नहीं भी करे, तब भी उसे हिलाता तो रहेगा ही और यह तीसरे कार्यकाल में मोदी की राह मुश्किल बनाने जा रहा है।

संपादकीय

बांग्लादेश को खो रहा भारत

अदूरदर्शिता, अंतरराष्ट्रीय सम्बन्धों की कच्ची समझ, बड़े व ताकतवर देशों के पिछलग्गू बनने तथा देश के बदले वैयक्तिक छवि को तरज़ीह देने वाली वैदेशिक नीति के चलते भारत का एक और पड़ोसी उसके प्रभाव से निकलता हुआ साफ दिख रहा है- बांग्लादेश। भारत के ज्यादातर पड़ोसी देशों के साथ भारत के अब वैसे मधुर सम्बन्ध नहीं रह गये हैं जो एक दशक पूर्व तक हुआ करते थे। जो मुल्क सांस्कृतिक सम्बन्धों के चलते रिश्तों में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत से जुड़े हुए थे, आज वे भी या तो दूर हो रहे हैं अथवा भारत के सबसे बड़े दुश्मन मुल्क चीन के प्रभाव में जा रहे हैं।चीन बहुत रणनीतिक तरीके से भारत की घेराबन्दी कर रहा है। बांग्लादेश का मामला आश्चर्य के साथ दुखद भी है क्योंकि इसका निर्माण ही भारत की मदद से हुआ था- 1971 में। आज भी वहां से आये लाखों शरणार्थी भारत के नागरिक बनकर सुरक्षित व समृद्ध जीवन जी रहे हैं। भारत सरकार को अपनी कूटनीति पर पुनर्विचार करने की ज़रूरत है। मोदी की व्यक्तिगत पसंदगी, आकांक्षाओं तथा छवि चमकाने का जरिया बनाने की बजाय उसे देश हित में ढाला जाना चाहिये ताकि दक्षिण एशिया में भारत का वह सम्मान तथा प्रतिष्ठा बनी रहे जो उसने 2014 में आई भारतीय जनता पार्टी की बनी केन्द्र सरकार के पहले के 60 वर्षों में अर्जित की थी।शुरुआत यहां से करें कि पहली बार जब नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने थे तो उन्होंने सभी पड़ोसी मुल्कों के राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित कर सभी को चौंका दिया था। उनके इस कदम का स्वागत किया गया था और माना गया था कि वे पड़ोसी देशों के साथ अच्छे सम्बन्ध स्थापित करना चाहते हैं। उनके आमंत्रण को स्वीकार करते हुए दक्षेस (सार्क) देशों के सभी राष्ट्रप्रमुख आये थे। इस प्रतिसाद को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करने तथा उसका समझदारीपूर्ण लाभ उठाने के बदले भाजपा के आईटी सेल द्वारा यह प्रचारित किया गया कि पहली बार भारत की ताकत को विदेशी स्तर पर स्वीकारा जा रहा है और इसका कारण मोदी हैं। तत्पश्चात भारत लगातार अपनी गुटनिरपेक्षता की नीति से हटता चला गया जिसमें व्यक्ति से बड़ा देश को मानने, सामूहिकता तथा छोटे-बड़े सभी देशों की सम्प्रभुता के सम्मान का भाव था। साथ ही, मोदी ने अपनी ऊर्जा बड़े देशों के पीछे भागने में लगायी। सर्वाधिक देशों का दौरा करने वाले वे पहले पीएम तो बने लेकिन ज्यादातर में उनकी उपस्थिति फोटो सेशन में प्रमुख जगह पर खड़े होने की रही। उनके समर्थक इसी बात में खुश होते रहे कि उनके मोदीजी को तस्वीर लेते समय महत्वपूर्ण स्थान पर खड़ा किया गया है।कूटनीतिक सम्बन्धों को मोदी ने संकीर्ण नज़रिये से देखा- एक तो खुद को विश्वगुरु साबित करना और दूसरे, अपने मित्र कारोबारियों को व्यवसाय दिलाना। श्रीलंका की संसद में उनके द्वारा गौतम अदानी को दिलाये गये बिजली संयंत्र के ठेके तथा फ्रांस में राफेल लड़ाकू जहाजों के सौदे में अनिल अंबानी को शामिल करने से उनके साथ देश की छवि खराब हुई। जिन भी बड़े देशों से उनके मित्रों को व्यवसायिक लाभ मिलना सम्भव है, मोदी को उनमें जाने में कोई गुरेज़ नहीं रहा, फिर कोई काम हो या न हो। पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने लगभग सवा सौ देश को मिलाकर तटस्थ देशों का जो समूह बनाया था, वह भारत की असली ताकत थी। मोदी ने खुद को बलशाली साबित करने तथा नेहरू से अपनी अदावत को भुनाने के लिये गुटनिरपेक्ष आंदोलन को एक तरह से खत्म कर दिया। संगठन को, जिसमें 60 फीसदी देश थे, उसके बन्धुत्व भाव तथा मानवीय रूप के लिये जाना जाता था। इसकी बजाये मोदी की अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में न अपने ही देश के लोगों को अमेरिका द्वारा हथकड़ी-बेड़ियों में लाये जाने का विरोध करने का साहस है, न ही इज़रायल द्वारा ग़ज़ा में किये जा रहे नरसंहार के खिलाफ आवाज उठाने का माद्दा। अफ़गानिस्तान, म्यांमार, नेपाल में हो रहे घटनाक्रमों पर भी भारत सरकार मौन रहती है जबकि वह पहले खुलकर अपना पक्ष रखा करती थी।

भारत की अपनी छवि अब एक उदार व संवेदनशील देश के बदले घोर साम्प्रदायिक राष्ट्र की बन चुकी है। यहां सरकार साम्प्रदायिकता का नेतृत्व भी करती है।

भाजपा में मोदी का विकल्प नहीं

दूसरे खेमे के नेता भाजपा और मुल्क को संभालकर आगे ले जा सकते हों इसमें उनके मुट्ठी भर दीवाने समर्थकों को छोड़कर किसी को भरोसा नहीं है। औरंगजेब के मकबरे के सवाल पर फड़नवीस और संभल के सवाल पर योगी सरकार के व्यवहार से यह साबित हुआ है कि ये नेता चाहे जितना फड़फड़ाएं, मोदी जी का विकल्प नहीं बन सकते।

नए संवत्सर की शुरुआत पर गुड़ीपड़वा के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय में संघ प्रमुख मोहन भागवत और प्रधानमंत्री की भेंट का इंतजार बहुत लोगों को था लेकिन जो आधिकारिक बातें निकालकर आई उनसे ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि भाजपा के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार समेत की बड़े मसलों पर इन दो शीर्षस्थ लोगों के बीच कोई निर्णयात्मक बात हुई। इस बीच अगर शिव सेना के संजय राऊत प्रधानमंत्री के उत्तराधिकारी वाली बहस न छेड़ते तो बातचीत का मसला न्यूज के हिसाब से फीका होकर एक किनारे लग गया होता। संजय राऊत से महाराष्ट्र के मुख्यमन्त्री देवेन्द्र फड़नवीस बहस में उतरे और यह कहा कि न तो भाजपा को कोई उत्तराधिकारी चाहिए और न इस मसले पर कोई चर्चा हुई। उन्होंने इस बात का भी खंडन किया कि मोदी का उत्तराधिकारी महाराष्ट्र से होगा। उनके अनुसार 75 वर्ष पर सक्रिय राजनीति से अलग होने का फैसला प्रधानमंत्री पर लागू नहीं होता और अगले चुनाव में भी नरेंद्र मोदी ही अगुआई करेंगे। संजय राऊत 75 वर्ष वाले मसले को उठाने के साथ फड़नवीस बनाम नितिन गडकरी जैसे सवालों को भी छेड़ रहे थे जो महाराष्ट्र और संघ परिवार की राजनीति के लिए काफी महत्व का है। लेकिन गौर से देखेंगे तो मोदी के उत्तराधिकार और भाजपा के अगले अध्यक्ष का सवाल पूरे मुल्क की राजनीति के हिसाब से काफी बड़ा है।

अब ऐसा भी नहीं है कि संघ प्रमुख और प्रधानमंत्री माइक/कैमरा लगाकर सारी चर्चा करते और हम आप सभी उनकी बातचीत और भाव भंगिमा को सीधे देख सुनकर जान जाते। ऐसा होता नहीं है। पर जिस तरह मोदी जी ने भाजपा के अपने से पुराने नेताओं की जमात को 75 पार के नाम पर सिरे से दरकिनार कर दिया उससे यह उत्सुकता तो होनी ही है कि उनका 75 पूरा होने पर क्या होता है। लेकिन इससे भी ज्यादा साफ मसला भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा लोक सभा चुनाव के पहले यह कहना था कि अब भाजपा को संघ की जरूरत नहीं है। वह खुद से सक्षम बन चुकी है। संयोग से उसके बाद उनका कार्यकाल भी खत्म होना था और चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन खराब भी रहा। सो जब नई सरकार में उनको मंत्री बना दिया गया तो उन्होंने इस्तीफा दिया और नया अध्यक्ष चुने जाने तक कामचलाऊ अध्यक्ष के रूप में काम किए जा रहे है।

अब साल नजदीक आ रहा है और भाजपा नया अध्यक्ष नहीं चुन पाई है। जो बातें छन-छन कर सामने आती रहीं उनके अनुसार इसमें संघ द्वारा अपनी पसंद का आदमी लाना बड़ी वजह है जिससे साबित हों कि भाजपा अभी भी संघ से अलग नहीं है। दूसरी और व्यावहारिक बात भाजपा के कमजोर होने से संघ का हौसला बढ़ना है। और तब से यह काफी प्रचारित हुआ है कि राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भाजपा ने संघ के सहारे ही हारती बाजी को पलटा है।

इस लेखक की तरह काफी सारे लोग होंगे जिनकी दिलचस्पी भाजपा और संघ के संबंधों में किसके ऊपर और किसके नीचे होने में नहीं है। और यह गलतफहमी भी नहीं रखनी चाहिए कि कभी संघ और भाजपा जुदा होने या एक दूसरे का नुकसान करने जैसी स्थिति में आएंगे। पर हमारी दिलचस्पी नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी में जरूर है और इसका उनके 75 साल का होने से भी कोई मतलब नहीं है। आडवाणी जी, मुरलीमनोहर जोशी, कलराज मिश्र से लेकर रविशंकर प्रसाद तक को जब उनकी सम्पूर्ण सक्रियता और काम करने की इच्छा के बाद भी दरकिनार कर दिया गया तो शायद ही किसी को अच्छा लगा। उनकी भरपाई मोदी जी ने कुछ पूर्व नौकरशाहों और दूसरे क्षेत्र के लोगों को साथ लेकर पूरी की। तीन-तीन चुनाव जितवाने वाले, अपनी सक्रियता और सारी स्थितियों पर पूरा कंट्रोल रखने वाले मोदी जी सिर्फ उम्र की सीमा के चलते किनारे हो जाएं तो यह भी अच्छा नहीं होगा। लेकिन उनके उत्तराधिकार का सवाल उससे ज्यादा बड़ा है। और दस ग्यारह साल के अपने शासन काल में उन्होंने स्थिति खुद भी ज्यादा मुश्किल बना ली है। आज राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी को छोड़कर बाकी कोई नाम नहीं बचा है और अगर वे विकल्प बन सकते हैं तो मोदी में ही क्या हर्ज है।

मोदीजी के विकल्प का सवाल पूरे संघ परिवार या मोदी समर्थक जमात की मौजूदा स्थिति से भी जुदा है और इस लेखक ने जानबूझ कर अमित शाह का नाम दो बड़े लोगों के साथ नहीं जोड़ा क्योंकि उनका नाम आते ही उनके समर्थकों से ज्यादा विरोधी सक्रिय होंगे। वे कभी सारे लोगों या अधिकांश लोगों की पसंद नहीं बन सकते भले आज संगठन और सरकार में वे मोदी के बाद सबसे ताकतवर नेता हैं।

लेकिन ऐसा मोदी जी के समर्थन और रणनीति के चलते है। असल में यह पूरा जमात आज दो धड़ों में बंटता दिखता है और शाह जी सिर्फ एक धडे को मान्य लगते हैं। वे कमोबेश मोदी जी की छाया बनाकर रह गए हैं, अपना आधार बनाना भूल गए हैं या उनका वैसा आधार नहीं रहा है. दूसरी ओर हिन्दुत्व की ज्यादा उग्र नई भाषा बोलने के उस्ताद योगी आदित्यनाथ और फड़नवीस ही नहीं भाजपा के ज्यादातर मुख्यमंत्री अपने-अपने आधार के साथ उसमें वृद्धि करते जा रहे हैं। अगर गोपनीय नाम वाले सोशल मीडिया समूहों की चर्चा को जरा भी भरोसेमंद मानें तो राजनाथ, गडकरी, शाह, नड्डा, शिवराज समेत सारे नरमपंथी हिंदुत्ववादी आज %रायताज% खेमे में आ गए हैं. योगी, फड़नवीस, मोहन द्वय समेत ज्यादा उग्रवादी भाषा बोलने और बुलडोजर को राजनैतिक हथियार बनाने वाले नेता %ट्रेडस% अर्थात असली ट्रेडिशनलिस्ट हैं। ट्रम्प समर्थक और विरोधियों वाला यह वर्गीकरण आज यहां भी आ गया है। आज तो संघ का पूरा नेतृत्व ही पहले खेमे में गिना जाने लगा है।

यह भी सच है कि दूसरे खेमे के नेता भाजपा और मुल्क को संभालकर आगे ले जा सकते हों इसमें उनके मुट्ठी भर दीवाने समर्थकों को छोड़कर किसी को भरोसा नहीं है। औरंगजेब के मकबरे के सवाल पर फड़नवीस और संभल के सवाल पर योगी सरकार के व्यवहार से यह साबित हुआ है कि ये नेता चाहे जितना फड़फड़ाएं, मोदी जी का विकल्प नहीं बन सकते। यह भी तय है कि ये लोग मोदी को छोड़कर किसी और को नेता नहीं मान सकते। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में लोक सभा चुनाव में जब इनको महत्व नहीं मिला तो भाजपा का प्रदर्शन इस बात की गवाही है

कि इनको पार्टी को नुकसान करने में भी कोई परहेज नहीं रहता। इनके अपने से देश और पार्टी नहीं चलेगी लेकिन ये मोदी के अलावा किसी और नाम पर सहमत नहीं हों सकते। दूसरी ओर कथित %रायताज% अर्थात उदारवादी धडे के किसी नेता द्वारा इनको अपने साथ रख पाना उससे भी ज्यादा मुश्किल है। कार्यक्षमता और सैद्धांतिक पोजीशन से नेतृत्व पाने और मनवाने के दिन तो काफी पहले से लद गए हैं। ऐसे में मोदी है तभी तक मौजूदा स्वरूप में भाजपा और सरकार का चलना मुमकिन है।

हल्के में ना लें छोटे बच्चों में सोशल एंग्जाइटी

12 से 36 महीने तक की आयु सीमा के दौरान एक बच्चे का भावनात्मक और संज्ञानात्मक विकास होने लगता है, जिसके कारण उनके सोशल स्किल्स भी डेवलप होते हैं। यह वह वक्त होता है, जब बच्चा घर से बाहर निकलता है। डेकेयर से लेकर प्ले स्कूल आदि में जाने लगते हैं। ऐसे में वह घर के सदस्यों के अतिरिक्त दूसरे बच्चों व व्यस्क लोगों से मिलते हैं। कभी-कभी इस अवस्था में बच्चे सोशल फीयर्स भी जन्म लेने लगते हैं। हो सकता है कि वह दूसरों के साथ सामाजिक संपर्क होने पर सहज महसूस ना करें।

शुरूआती दिनों में नई जगह पर सेट होने में बच्चे थोड़ा समय लगता है, लेकिन अपरिचित लोगों को उसे घबराहट या एंग्जाइटी होती है तो ऐसे में जल्द से जल्द बच्चे की मदद करनी चाहिए, अन्यथा आगे चलकर उसे इस सोशल एंग्जाइटी के कारण कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। तो चलिए जानते हैं कि टॉडलरहुड में सोशल एंग्जाइटी को किस तरह दूर किया जाए- बच्चे की मदद करने से पहले आपको उनमें होने वाली सोशल एंग्जाइटी के कारणों के बारे में भी जानना चाहिए। वैसे अभी तक यह पूरी तरह क्लीयर नहीं है कि इतनी छोटी उम्र के बच्चों में सोशल एंग्जाइटी का वास्तविक कारण क्या है। हालांकि इसके लिए अधिकतर मामलों में जेनेटिक्स को कारण माना जाता है, क्योंकि यह एक बच्चे के स्वभाव और व्यक्तित्व में योगदान देता है। इसके अलावा, एक बच्चे का वातावरण भी उन्हें सोशल एंग्जाइटी का शिकार बना सकता है। मसलन, अगर घर में पहले से ही कोई बड़ा बच्चा इस तरह की समस्या से पीड़ित हो तो छोटा बच्चा भी उसे देखकर काफी कुछ सीख जाता है। वैसे एक अध्ययन में यह भी पाया गया कि छोटे बच्चे अपनी मां से भी सोशल एंग्जाइटी बिहेवियर सीख सकते हैं। मां द्वारा अनजाने में ही अशाब्दिक संकेत बच्चे को यह सिखा सकते हैं कि अजनबी या अपरिचित व्यक्ति चिंता का एक स्रोत हैं।

यूं करें मदद

अब सवाल यह उठता है कि इतनी कम उम्र के बच्चों की आप किस तरह मदद कर सकती हैं ताकि उनकी सोशल एंग्जाइटी को कम किया जा सके।

- सबसे पहले तो पैरेंट्स घर में हेल्दी सोशल इन्टरैक्शन करें। इससे बच्चा देखता और सीखता है कि बाहरी दुनिया व अजनबी लोगों से बहुत अधिक डरने की आवश्यकता नहीं है।
- बच्चे को नए लोगों से घुलने-मिलने का मौका दें और उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित करें। लेकिन कभी भी उसके साथ जबरदस्ती ना करें। इससे बच्चे पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।
- अगर आपका बच्चा पहली बार बाहर जा रहा है तो ऐसे में पहले घर पर उसकी रिहर्सल करने से बच्चे के मन के डर को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मसलन, अगर आप उन्हें डेकेयर या प्ले स्कूल ले जा रही हैं तो पहले घर पर रोल प्ले करें। इससे बच्चे को स्कूल के माहौल की काफी जानकारी पहले ही हो जाती है।
- बच्चे की सोशल एंग्जाइटी को कम करने के लिए पहले खुद को शांत रखें। इससे बच्चे को लगता है कि नई जगहों पर जाना या नए लोगों से मिलने-जुलने में कोई डर नहीं है।
- बच्चे को लेकर ओवर-प्रोटेक्टिव ना हों। इससे उनका आत्मविश्वास बूस्ट अप नहीं होता। जिसके कारण वह अपने मन के डर को दूर नहीं कर पाते।
- अगर किसी भी उपाय से आपको पर्याप्त रूप से लाभ ना हो तो ऐसे में आप प्रोफेशनल हेल्प भी ले सकते हैं।

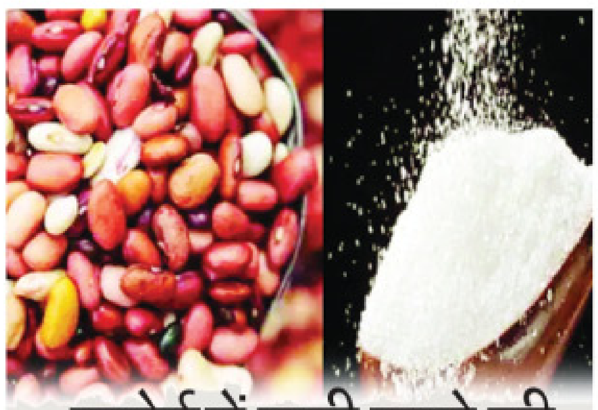

रसोई में रखी खाने की ये चीजें नहीं होती कभी खराब, लंबे समय तक कर सकते हैं स्टोर

बाजार से खाने-पीने की चीजें खरीदकर घर लाते ही सबसे पहले लोग उसे खराब होने से बचाने के लिए स्टोर करने का सही तरीका खोजते और अपनाते हैं। खाने-पीने की चीजें अक्सर जल्दी खराब हो जाती हैं, यही वजह है कि लोग उसे जल्दी खाकर खत्म कर देते हैं। पर क्या आप जानते हैं आपकी किचन में मौजूद खाने पीने की कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें उनके पोषण तत्वों के साथ लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है। आइए जानते हैं किचन में मौजूद ऐसी ही कुछ खाने की चीजों के बारे में जिनकी नहीं होती कभी एक्सपायरी।

सफेद चावल

सफेद चावल को अनिश्चित काल तक स्टोर करके रखा जा सकता है। एक शोध की मानें तो सफेद चावल 30 वर्षों तक अपने पोषक तत्व और स्वाद को बनाए रख सकते हैं।

सरसों के दाने

अगर आप अच्छे ब्रांड के सरसों दाने इस्तेमाल करते हैं तो खुला रहने के बावजूद आप इन्हें एक वर्ष से अधिक समय तक भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

ड्राई बीन्स

अध्ययन के अनुसार, बीन्स का सेवन व्यक्ति 30 साल बाद भी खाने के लिए कर सकता है। बीन्स आपातकालीन भोजन के लिए प्रोटीन से भरपूर भोजन का एक बेहतर विकल्प माना गया है। बीन्स को अच्छी तरह से एयर टाइट कंटेनर में लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है।

चीनी

लंबे समय तक स्टोर की जाने वाली चीजों में चीनी का भी नाम शामिल है। चीनी भी लंबे समय तक अपने पोषण से भरपूर गुणों को खोए बिना स्टोर की जा सकती है। इसके लिए आप चीनी को किसी एयरटाइट कंटेनर में बंद करके लंबे समय तक के लिए रखें।

नमक

नमक को भी चीनी की ही तरह लंबे समय के लिए अपनी गुणवत्ता खोए बिना स्टोर किया जा सकता है। नमक को ठीक से स्टोर करने से न तो इसमें कभी गुलठियां पड़ती हैं और न ही कभी इसमें कीड़े लगते हैं।

बैचलर पार्टी के लिए खुद को इस तरह करें रेडी

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि यह एक आसान तरीका है बैचलर पार्टी में खुद को तैयार करने का। इन दिनों बैचलर पार्टी में थीम पार्टी काफी चलन में हैं। मसलन, गर्ल्स की पजामा पार्टी आदि। ऐसे में पार्टी में शामिल होने वाली सभी लड़कियां नाइट सूट में नजर आ सकती हैं।

वो जमाने लद गए, जब केवल पुरूष ही शादी से पहले बैचलर पार्टी किया करते थे। आज के दौर में लड़कियां भी बैचलर पार्टी करना पसंद करती हैं। जिसमें वह अपनी फ्रेंड्स के साथ मिलकर आखिरी बार अपने बैचलर हुड को एन्जॉय करती हैं। वैसे शादी से पहले की जाने वाली यह बैचलर पार्टी लड़कियों के लिए बेहद खास होती है और इसलिए वह इसकी काफी सारी तैयारियां भी करती हैं। इन सभी तैयारियों के बीच एक तैयारी यह भी होती है कि बैचलर पार्टी के लिए खुद को किस तरह रेडी किया जाए। तो चलिए आज हम आपको बैचलर पार्टी के लिए खुद को स्टाइल करने के कुछ तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि यह एक आसान तरीका है बैचलर पार्टी में खुद को तैयार करने का। इन दिनों बैचलर पार्टी में थीम पार्टी काफी चलन में हैं। मसलन, गर्ल्स की पजामा पार्टी आदि। ऐसे में पार्टी में शामिल होने वाली सभी लड़कियां नाइट सूट में नजर आ सकती हैं। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो कोई कलर कोड या डेस कोड को भी अपनी पार्टी का हिस्सा बना सकती हैं। इससे सिर्फ आपको ही रेडी होने में आसानी नहीं होगी, बल्कि हर गेस्ट खुद को आसानी से स्टाइल कर पाएगा। साथ ही इसमें आप सभी को काफी मजा भी आएगा।

कंफर्ट को दें प्राथमिकता

बैचलर पार्टी वास्तव में ढेर सारी मौज-मस्ती करने के लिए होती है। इसलिए ऐसे में आप चाहे जो भी पहनें, लेकिन आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि उसमें आप खुद को कंफर्टेबल महसूस कर पाएं ताकि आप खुलकर एन्जॉय कर सके। जरा सोचिए कि अगर आपने बैचलर पार्टी के लिए हैवी लॉन्ग गाउन कैरी किया तो फिर आप पार्टी में खेले जाने वाले गेम्स को किस तरह एन्जॉय करेंगी। इसलिए आपका आउटफिट लाइटवेट और कंफर्टेबल होना चाहिए। फैशन एक्सपर्ट के अनुसार, अपनी बैचलर पार्टी को रॉकिंग बनाने और उसमें अपने स्टाइल का जलवा बिखेरने के लिए आप अपने लुक में एक एक्स फैक्टर एड कर सकती हैं। अगर आपका कलर कोड या डेस कोड सेम नहीं है तो भी आप अपनी एसेसरीज को एक जैसा रखने की कोशिश करें। मसलन, आप किसी खास तरह के हेडबैंड या कैप्स आदि को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं। इससे आप सभी फ्रेंड्स अलग-अलग दिखकर भी एक जैसी ही नजर आएंगी। यह देखने में काफी कूल लगेगा।

गर्मियों में इन्वर्टर का ऐसे रखें ख्याल

गर्मी के मौसम में जब आधी रात को अचानक से बिजली गुल हो जाए और इन्वर्टर भी खराब हो तो मानों कोई बहुत बड़ी विपदा आन पड़ी हो। ऐसी मुसीबत से लगभग हर कोई बचना चाहेगा। गर्मियों के मौसम में जगह-जगह घंटों तक बिजली का गुल होना आजकल आम बात है। कुछ शहरों में तो पूरे दिन बिजली का अता-पता नहीं रहता। ऐसे समय में लगभग सभी घर में इन्वर्टर का महत्व बहुत अधिक हो जाता है। लेकिन, कई बार इन्वर्टर और बैटरी खराब होने की वजह से गर्मी के मौसम में जान निकल जाती है। ऐसे में गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी का ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है। अगर आप भी घर में इन्वर्टर का इस्तेमाल करती हैं तो आपको भी इस आर्टिकल को जरूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि, इस लेख में हम आपको कुछ शानदार टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें फॉलो करके गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी को जल्दी खराब होने से आप बचा सकती हैं।

अधिक लोड न दें

अगर आपको इन्वर्टर और बैटरी को जल्दी खराब होने से बचाना है तो फिर आपको बैटरी पर अधिक लोड देने से बचना चाहिए। गर्मियों के मौसम में जरूरत से अधिक लाइट्स जलाने या पंखा चलाने से बचें। कई बार घर में लाइट नहीं होने पर महिलाएं इन्वर्टर से ही मिक्सी चलाने लगती हैं या फिर कई बार आयरन भी इन्वर्टर से ही करती हैं जिससे बैटरी जल्दी खराब हो जाती है। ऐसे में अगर आपको इन्वर्टर की बैटरी की हेल्थ को सही रखनी है तो उस पर अधिक लोड न दें। दिन में आप सभी लाइट्स को ऑफ कर सकती हैं।

एसिड लेवल चेक करते रहें

गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी जल्दी खराब न हो इसके लिए समय-समय पर एसिड लेवल चेक करते रहना बहुत जरूरी है। कहा जाता है कि अगर बैटरी में एसिड लेवल सामन्य स्तर से कम है तो बैटरी में मौजूद कार्बन प्लेस्ट पर बुरा असर पड़ता है जिसकी वजह से बैटरी जल्दी खराब हो सकती है। (सोलर इन्वर्टर की देखभाल) ऐसे में समय-समय पर बैटरी में डिस्टिल्ड वाटर को डालते रहना चाहिए, जिससे बैटरी की लॉन्ग लाइफ बरकरार रहे।

फुल चार्ज होने के बाद करें इस्तेमाल

लाइट नहीं होने पर इन्वर्टर का इस्तेमाल करते हैं और जब बैटरी एकदम से बैठ जाती है तो उसे फुल चार्ज होने में लगभग 5-6 घंटा लगता है। अगर फुल चार्ज होने से पहले ही इन्वर्टर की बैटरी का इस्तेमाल करते हैं तो बैटरी जल्दी खराब हो सकती है। कई बार फुल चार्ज नहीं होने पर वोल्टेज का प्रभाव भी कम रहता है। कई बार लाइट्स भी अप एंड डाउन होने लगती हैं। ऐसे में एक बार बैटरी बैठने के बाद जब तक फुल चार्ज नहीं हो जाए तब तक इन्वर्टर का इस्तेमाल न करें।

कनेक्शन पॉइंट की करें सफाई

आपको बता दें कि बैटरी में जिस जगह लाइट की तार जुड़ी होती है उस जगह कई बार कार्बन पकड़ लेता है जिससे बिजली का प्रभाव बहुत कम हो जाता है। ऐसे में सबसे पहले स्विच ऑफ करके कनेक्शन पॉइंट की सफाई कर लें। इस प्रक्रिया को महीने में एक से दो बार जरूर करें। इससे बैटरी जल्दी खराब होने से बच सकती है। कई लोग कनेक्शन पॉइंट को टर्मिनल पॉइंट भी बोलते हैं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- इन्वर्टर की बैटरी को किसी नमी वाली जगह रखने से बचें।
- बैटरी को दीवार, दरवाजा आदि चीजों से एक से दो इंच दूर ही रखें।
- अगर आपको सफाई करने या फिर एसिड बदलने में डर लगता है तो आप किसी एक्सपर्ट की मदद ले सकती हैं।
- बैटरी को किसी भी चीज से ढककर न रखें।

शुभ है वास्तु के अनुसार बोनसाई रखना

समय के साथ लाइफस्टाइल में भी काफी बदलाव आ रहे हैं। कई लोग नेचर में सुकून ढूंढते हैं इसके लिए लोग घरों में पेड़ पौधें लगाने लगे हैं। इन दिनों बोनसाई के पेड़ काफी टेंडिंग में चल रहे हैं। लोग इस छोटे से पेड़ को अपने घर में रखना पसंद कर रहे हैं। कोई अपने शौक के लिए इसे रख रहा है तो कोई प्रकृति प्रेमी होनी की वजह से। लेकिन वास्तु के अनुसार इस पेड़ को रखना शुभ माना गया है। तो आइए जानते हैं कारण -

- कहते हैं अगर आपको बहुत गुस्सा आता है या आप फ्रस्टेट हो जाते हैं तो इससे आपको बहुत शांति मिलती है।

जी हां, इसे घर में रखने से आपका मन शांत रहेगा और आपको प्रोडक्टिव रहने में भी मदद करेगा।

- बोनसाई के पौधे घर की हवा को प्यूरीफाई करते हैं। यह घर की हवा में मौजूद टॉक्सिन को बाहर करते हैं। इससे सांस लेने में आसानी होती है और हवा को शुद्ध करता है।
- इस पेड़ को घर में रखने से आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। कई बीमारियों से आपको दूर रखता है। इतना ही नहीं यह आपके अंदर सकारात्मकता बढ़ाता है।
- कई बार लोग हड़बड़ी में कोई काम करके या निर्णय लेकर पछताते हैं। ऐसे में बोनसाई पेड़ आपकी मदद करेगा ह आपको धैर्यवान, तनाव मुक्त रखेगा।

कुछ हल्का खाने का मन हो तो बनाएं कॉर्न पुलाव

कॉर्न पुलाव बनाना बेहद ही आसान है। इसके लिए आप पहले एक कुकर लें और उसमें एक बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, हरी इलायची डालकर एक मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का भूनें।

रविवार का दिन हो तो कुछ हल्का और टेस्टी खाने का मन करता ही है। दरअसल, छुट्टी के दिन हम सभी रिलैक्सिंग मूड में होते हैं और इसलिए किचन में बहुत अधिक वक्त बिताने का मन नहीं करता। हो सकता है कि आप भी यही सोच रही हों कि इस संडे क्या बनाया जाए। अगर आप भी कुछ हल्का और डिलिशियस खाना चाहती हैं तो कॉर्न पुलाव तैयार कर सकती हैं। चावल की मदद से बनने वाली यह डिश बनाने में जितनी आसान होती है, खाने में उतनी ही लाजवाब होती है। तो चलिए जानते हैं कि कॉर्न पुलाव बनाने के लिए आपको क्या करना होगा-

सामग्री- तीन चौथाई कप मकई के दाने उबले हुए, डेढ़ कप चावल करीबन आधे घंटे तक भिगोए हुए, 1 बड़ा चम्मच तेल, काली मिर्च 5-6, लौंग 4-5, दालचीनी एक छोटा टुकड़ा, हरी इलायची 3-4, 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, प्याज 1 मध्यम कटा हुआ, नमक स्वाद अनुसार, हल्दी पाउडर, हरी मिर्च तिरछी कटी हुई

विधि- कॉर्न पुलाव बनाना बेहद ही आसान है। इसके लिए आप पहले एक कुकर लें और उसमें एक बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, हरी इलायची डालकर एक मिनट के लिए चलाएं। अब इसमे अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का भूनें। अब इसमें प्याज, हरी मिर्च व हल्दी डालकर चलाएं। प्याज गोल्डन कलर के हो जाने के बाद इसमें चावल डाले और करीबन दो मिनट के लिए हिलाएं। अब इसमें पानी और कॉर्न डालें। साथ ही स्वादानुसार नमक डालकर मिक्स करें। लिड लगाकर कुकर का ढक्कन बंद कर दें। धीमी आंच पर दो सीटी आने तक इसे पकाएं। कॉर्न पुलाव बनाने वालों का कहना है कि इसे कई तरीकों से बनाया जा सकता है। मसलन, आप इसमें कॉर्न के अलावा अपनी पसंद की सब्जी जैसे मटर, टमाटर, शिमलामिर्च, पनीर आदि को भी मिक्स करके इस कॉर्न पुलाव को और भी ज्यादा हेल्दी और टेस्टी बना सकते हैं। वैसे सिर्फ कॉर्न व प्याज के साथ भी इसका टेस्ट गजब का आता है।

महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का संकेत हैं ये 10 लक्षण

भारत में ब्रेस्ट कैंसर के बाद सबसे ज्यादा महिलाएं सर्वाइकल कैंसर का शिकार होती हैं। महिलाओं के गर्भाशय के सबसे निचले हिस्से में (गर्भाशय और योनि को जोड़ने वाला हिस्सा) सर्विक्स होता है। इसी सर्विक्स में होने वाले कैंसर को सर्वाइकल कैंसर कहते हैं। 35-40 साल की उम्र के बाद जब महिलाओं के पीरियड्स अनियमित होते हैं या ब्लड ज्यादा निकलता है, तो वो इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देती हैं। मगर ये सर्वाइकल कैंसर का शुरुआती संकेत हो सकता है। ये एक खतरनाक कैंसर है क्योंकि सर्वाइकल से फैलते हुए ये कैंसर लिवर, ब्लैडर, योनि, फेफड़ों और किडनी तक पहुंच जाता है। हालांकि ये कैंसर बहुत धीरे-धीरे बढ़ता है, लेकिन कुछ शुरुआती लक्षणों से इसे पहचाना जा सकता है।

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण

- पीरियड्स अनियमित हो जाना
- पीरियड्स में सामान्य से ज्यादा खून निकलना
- सफेद पदार्थ का निकलना
- शारीरिक संबंध के बाद खून निकलना
- पेट के निचले हिस्से में दर्द या सूजन
- बार-बार यूरिन आना
- बहुत अधिक थका हुआ महसूस करना
- अक्सर हल्का बुखार और सुस्ती रहना
- भूख न लगना या बहुत कम खाना
- सीने में जलन और लूज़ मोशन आदि

आसान है सर्वाइकल कैंसर की जांच

ज्यादातर मामलों में एडवांस स्टेज में ही इसका पता चल पाता है, लेकिन पैप स्मीयर टेस्ट से इसके बारे में पता लगाया जा सकता है। ये जांच हर शहर में आसानी से उपलब्ध है। इसके जरिए कैंसर शुरू होने से पहले की अवस्था को आसानी से पहचाना जा सकता है। जागरूकता के अभाव में ज्यादातर स्त्रियां यह जांच नहीं करवातीं और अंततः सर्विक्स कैंसर की शिकार हो जाती हैं। अगर शुरुआती दौर में ही उपचार शुरू किया जाए तो इसे आसानी से दूर किया जा सकता है।

क्यों होता है सर्वाइकल कैंसर

लगभग 98 प्रतिशत मामलों में एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वायरस के फैलने से सर्विक्स कैंसर होता है। आनुवंशिकता इसकी प्रमुख वजह है। अब तक किए गए अध्ययनों के अनुसार फैमिली हिस्ट्री होने पर स्त्रियों में सर्विक्स कैंसर की आशंका बढ़ जाती है। गर्भाशय में चोट लगने से भी ऐसी समस्या हो सकती है। सिगरेट में मौजूद निकोटिन को भी इसके लिए ज़िम्मेदार माना जाता है इसलिए सिगरेट पीने वाली महिलाओं में ये समस्या देखी जाती है। कुपोषण और पर्सनल हाइजीन की कमी होने पर भी यह समस्या हो सकती है। यह एसटीडी यानी सेक्सुअली ट्रांस्मिटेड डिज़ीज़ है, इसलिए कम उम्र में या असुरक्षित सेक्स और एक से ज्यादा पार्टनर्स के साथ संबंध को इसका प्रमुख कारण माना जाता है।

दोपहर बाद आलस आने के कारण और उससे उबरने के तरीके

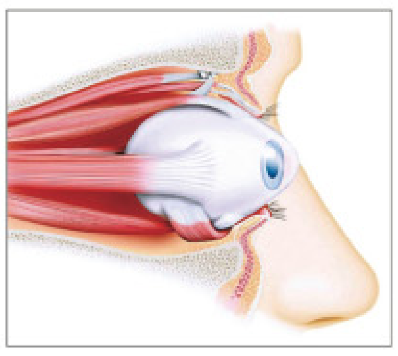

दोपहर में नींद आना

दोपहर के बाद कई कोशिशों के बावजूद आप अपनी नींद पर काबू नहीं कर पाते हैं और आपको आलस आता है। इसका असर आपके काम पर पड़ता है। अधूरी नींद, अवसाद, ओवरईटिंग, व्यायाम न करना, कुछ बीमारियां आदि प्रमुख कारण हैं जिनके कारण आपको दोपहर बाद आलस आता है। आगे की स्लाइडशो में विस्तार से जानिये उन प्रमुख कारणों के बारे में जिनके कारण आपको नींद आती है और इससे उबरने के तरीके भी जानिए।

नींद पूरी न करना

रात में देर से सोने और सुबह जल्दी उठने के कारण पूरे दिन नींद आना सामान्य बात है। बहुत कम नींद लेना सेहत और एकाग्रता दोनों पर असर डालता है। इसलिए एक वयस्क को रात में कम से कम 7 से 8 घंटे की नींद लेनी चाहिए। शहरी जीवनशैली के बीच शरीर की इस सबसे आसान व प्राकृतिक जरूरत को पूरा करना मुश्किल होता जा रहा है। इसके कारण दोहपर के बाद आलस आता है।

ब्रेकफास्ट न करना

सुबह के वक्त नाश्ता करने से हमें न केवल एनर्जी मिलती है बल्कि इसके कारण हम पूरे दिन ऊर्जावान रहते हैं। लेकिन अगर आपने सुबह के वक्त नाश्ता नहीं किया है तो इसके कारण दोहपर के बाद आपको नींद सतायेगी। इसलिए सुबह का नाश्ता करना न भूलें।

ओवरईटिंग के कारण

लंच में अधिक और अस्वस्थ खाने के कारण दोपहर के बाद आलस आना स्वाभाविक है। इसके अलावा दोपहर में आपने क्या खाया इसके कारण भी दोपहर बाद आलस आता है। इसलिए लंच में ऐसा खाना खायें जो आसानी से पच जाये। सलाद, हरी सब्जियों, फलों का अधिक मात्रा में सेवन करें। मीट, मछली, मसालेदार आदि हैवी फूड के सेवन से बचें।

हाइपोथाइरॉयडिज्म के कारण

थाइरॉएड एक ऐसी ग्रंथि है, जो मेटाबॉलिज्म को काबू में रखती है, इस प्रक्रिया के तहत शरीर भोजन को पचा कर ऊर्जा में बदलता है। जब यह ग्रंथि असक्रिय हो जाती है तो इसे हाइपोथाइरॉएडिज्म कहते हैं। इसके कारण मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, और व्यक्ति को थकावट होती है और उसका वजन बढ़ने लगता है। अगर कोई व्यक्ति इस समस्या से ग्रस्त है तो उसे दोपहर बाद आलस आयेगा।

तनाव और अवसाद के कारण

तनाव का सबसे नकारात्मक असर हमारी नींद पर पड़ता है। अगर कोई व्यक्ति तनाव और अवसाद से ग्रस्त है तो इसके कारण उसे अच्छी नींद नहीं आएगी, थकावट, सिरदर्द और भूख न लगने जैसी समस्यायें भी होंगी। इसलिए अगर तनाव से ग्रस्त हैं तो इससे उबरने की कोशिश करें।

व्यायाम न करना

अगर आप व्यायाम करने में आलस करेंगे तो पूरा दिन आलस में ही बीतेगा। दोपहर के बाद नींद आने के प्रमुख कारण है। इसलिए सुबह के वक्त व्यायाम के लिए 30-40 मिनट जरूर निकालें।

दोपहर के आलस को कैसे करें दूर

दोपहर के बाद नींद आने की समस्या को आप आसानी से दूर कर सकते हैं। हो सके तो ऑफिस में ही 30 मिनट की पॉवर नैप लें, 40 मिनट से अधिक समय तक एक जगह कुर्सी पर न बैठें, थोड़ा सा टहले, लंच के बाद टहलें, ब्रेकफास्ट जरूर करें, व्यायाम को अपनी दिनचर्या बनाएं, नींद आने पर कॉफी का सेवन करें, भरपूर नींद लें और समय-समय पर चिकित्सक से परामर्श लें।

रेसिपी

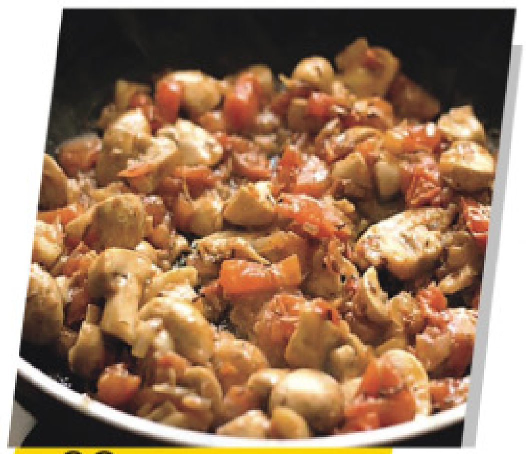

ढींगरी डोलमा

- **तेल**: 2 टीस्पून
- **जीरा**: 1/2 टीस्पून
- **अदरक**: लहसुन का पेस्ट- 1 टीस्पून
- **प्याज**: 85 ग्राम
- **टमाटर**: 90 ग्राम
- **लाल मिर्च**: 1/4 टीस्पून
- **काली मिर्च**: 1/2 टीस्पून
- **मशरूम**: 200 ग्राम
- **स्क्रैंबल्ड पनीर**: 250 ग्राम
- **गर्म मसाला**: 1/4 टीस्पून
- **नमक**: 1 टीस्पून
- **धनिया**: गार्निश के लिए
- **अदरक**: गार्निशिंग के लिए

विधि

डीगरी डोलमा बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में दो चम्मच ऑयल डालकर गर्म करें । अब इसमें ½ चम्मच जीरा, 1 चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट डाल कर 2 से 3 मिनट तक फ्राई करें। अब इसमें 50 ग्राम प्याज डालकर फ्राई करें। प्याज के नरम हो जाने पर इसमें 90 ग्राम टमाटर डालकर पकाएं। इसके बाद इसमें ½ चम्मच लाल मिर्च, ½ चम्मच काली मिर्च पाउडर डालकर मिक्स करें। अब इसमें 200 ग्राम मशरूम डालकर धीमी आंच पर 10 मिनट तक पकाएं। अब इसमें 250 ग्राम स्क्रैंबल पनीर डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब इसमें ½ चम्मच गरम मसाला व एक चम्मच नमक डालकर 5 मिनट तक पकाएं। ढींगरी डोलमा तैयार है, इसे धनिया व अदरक के साथ सजाकर सर्व करें।

सेवई उपमा

- **सेवई भुनी हुई**: 1 कप
- **प्याज (बारीक कटा हुआ**: 1/4 कप
- **टमाटर (बारीक कटा हुआ**: 1/4 कप
- **हरी मिर्च बारीक कटी हुई**: 2
- **ताजा मटर के दाने**: 1/4 कप
- **हल्दी पाउडर**: 1/4 छोटा चम्मच टीस्पून
- **राई** : 1/4 छोटा चम्मच टीस्पून
- **नमक** : स्वादानुसार
- **तेल** : 1 बड़ा चम्मच टेबलस्पून
- **हरा धनिया (बारीक कटा हुआ**: 1 बड़ा चम्मच टेबलस्पून
- **पानी** : 2 कप

विधि

सेवई उपमा बनाने के लिए, कड़ाही में तेल गर्म कर उसमें राई का तड़का लगाएं। जब राई चटकने लगे तब उसमें प्याज और हरी मिर्च डालें। बीच-बीच में चम्मच से हिलाते हुए धीमी आंच पर प्याज को सुनहरा होने तक सेकें। जब प्याज भुन जाए तब उसमें हल्दी पाउडर, टमाटर और मटर के दाने डालकर मिलाएं और ढककर धीमी आंच पर पकाएं। जैसे ही टमाटर और मटर के दाने पक जाएं तब इसमें भुनी हुई सेवई, नमक और 2 कप पानी डालकर मिलाएं। अब मध्यम आंच पर, ढककर, पानी के सूखने और सेवई के गलने तक पकाएं। पानी सूखने के बाद गैस बंद करें। अगर सेवई गलने के बाद भी पानी न सूखा हो तो ढक्कन हटाकर तब तक पकाएं जब तक पानी सूख न जाए। तैयार है सेवई उपमा, इसे हरे धनिए और टमाटर स्लाइस से सजाकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी (प्रेमिका से)- मुझे समझ में नहीं आता कि भगवान ने तुम्हें इतना सुंदर बनाने के साथ-साथ इतना मूर्ख क्यों बनाया?

प्रेमिका- ताकि हम दोनों का मिलन हो सके।

प्रेमी- वह कैसे?

प्रेमिका- मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हे पसंद किया...! समझे।

▯ ▯ ▯

प्रेमी अपने साथ पढ़ रही प्रेमिका से- प्रिये! देखों मैं धोखा खा गया।

प्रेमिका- कैसे, कब और हुआ क्या?

प्रेमी- मैंने तुम्हें मोबाइल दिलाने के लिए घर वालों से झूठ बोलकर किताबों के नाम से पैसे मँगाए थे। उन्होंने किताबें ही भेज दीं।

▯ ▯ ▯

प्रेमी (प्रेमिका से)- अभी यहाँ तुम्हारे पास आते समय रास्ते में कहीं मेरी कलम कहीं खो गई।

प्रेमिका- मेरी तो आज तक कभी कोई चीज नहीं खोई।

प्रेमी- क्यों झूठ बोल रही हो? प्रेम दिवस के दिन ही तो तुम कह रही थी कि मेरा दिल न जाने कहाँ खो गया है।

▯ ▯ ▯

काकुरो पहेली - 650

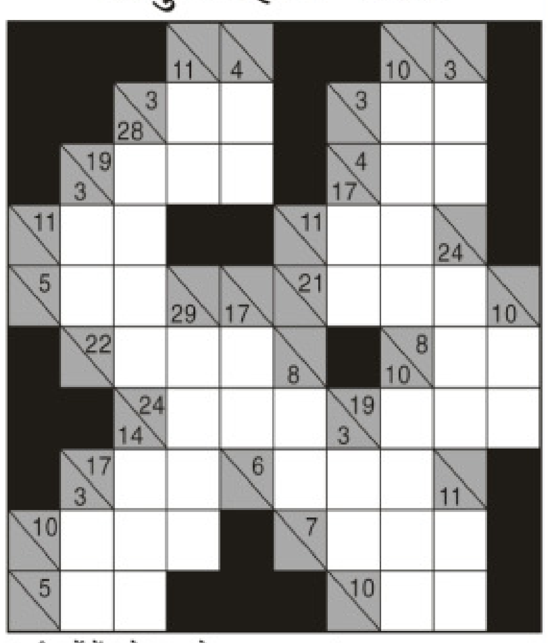

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

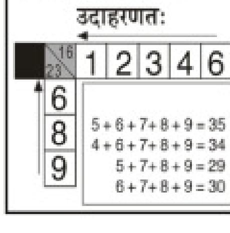

काकुरो - 649 का हल

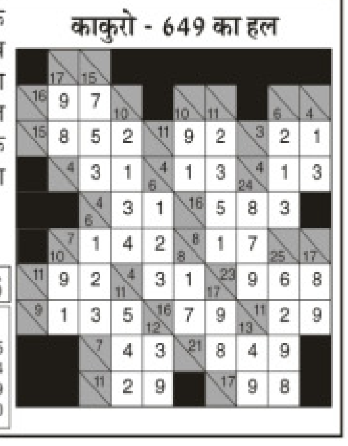

फिल्म वर्ग पहेली- 650

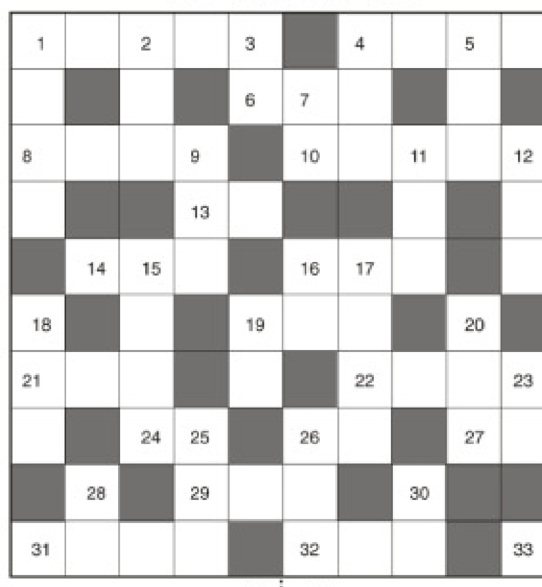

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरुख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 649

सूडोकु -650

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -649 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 650

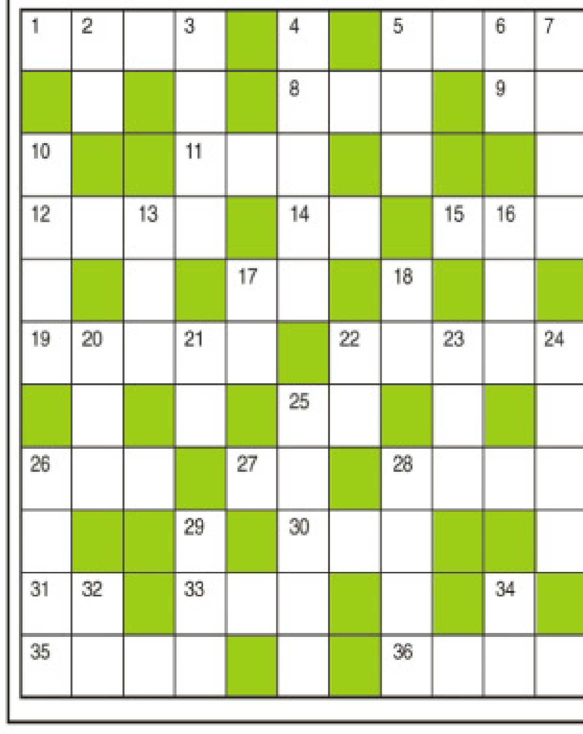

बाएँ से दाएँ

1.धरोहर,थाती-4
5.अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8.गुणगान-3
9.प्रेम (अंग्रेजी-2)
11.भरोसा,विश्वास-3
12.दुःख,परेशानी,कष्ट-4
14.हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15.गागर,घड़ा-3
17.जांघ-2
19.असावधान-5
22.करतूत,होशियारी-5
25.डूबा हुआ,समाप्त-2
26.तीक्ष्ण,तेज-3
27.अधर्म,अपकृत्य-2
28.मनमौजी,चंचल-4
30.हत्या,वध-3
31.पंख-2
33.मायका-3
35.व्यापार,व्यवसाय (उर्दू-4)
36.कृपा,रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे

2.फूलों का हार-2
3.वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4.शांति,सुख-चैन-3,2
5.अस्वस्थ,मरीज-3
6.दम,ताकत-2
7.भगवान राम के पुत्र-2,2
10.उन्मत,मदमस्त-4
13.दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16.बोलने का तरीका-3
17.रास्ता-2
18.पराया-2
20.परीक्षा-3
21.वचन-2
22.खेती-2
23.अभिमान-3
24.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान खान की मां-2,2
25.बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26.ईश्वर,राजा-4
28.मन को अच्छा लगने वाला-4
29.शाप से पीड़ित-3
32.अवकाश,मंजूरी-2
34.संध्या-2

शब्द पहेली -649 का हल

श्रीलंका से कच्चातीवु द्वीप वापस लेने का प्रस्ताव तमिलनाडु विधानसभा में पारित

एजेंसी

चेन्नई। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की अगुवाई में तमिलनाडु विधानसभा ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर श्रीलंका से कच्चातीवु वापस लेने के लिए भारत सरकार से कदम उठाने का आग्रह किया गया है। प्रस्ताव में भारतीय मछुआरों, खासकर तमिलनाडु के मछुआरों के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया है, जो श्रीलंकाई नौसेना द्वारा लगातार गिरफ्तारियों का सामना कर रहे हैं। सत्र के दौरान मुख्यमंत्री स्टालिन ने जोर देकर कहा कि कच्चातीवु को वापस पाना ही तमिलनाडु के मछुआरों की सुरक्षा का एकमात्र स्थायी समाधान है। उन्होंने राजनीतिक परिवर्तनों के बावजूद श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी और उनपर होने वाले हमलों पर चिंता व्यक्त की।उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे अपनी आगामी श्रीलंका यात्रा के दौरान सद्भावना के आधार पर हिरासत में लिए गए मछुआरों और उनकी नावों की रिहाई की मांग करें। प्रस्ताव में उन दावों को खारिज किया गया है कि तमिलनाडु कच्चातीवु को सौंपने के लिए जिम्मेदार था। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि 1974 का भारत-श्रीलंका समझौता तत्कालीन मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि के विरोध के बावजूद तत्कालीन केंद्र सरकार द्वारा किया गया था।

राष्ट्रपति मुर्मु 7-10 अप्रैल तक पुर्तगाल और स्लोवाकिया के दौरे पर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 7-10 अप्रैल तक पुर्तगाल और स्लोवाकिया की राजकीय यात्रा पर रहेंगी। इस दौरान राष्ट्रपति समकक्षों के साथ वार्ता करेंगी और भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात करेंगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार राष्ट्रपति मुर्मु 7-8 अप्रैल तक पुर्तगाल की यात्रा पर रहेंगी। राष्ट्रपति मुर्मु पुर्तगाल के अपने समकक्ष मार्सेलो रेबेलो डी सूसा से मिलेंगी और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगी। वह पुर्तगाल के प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो और नेशनल असेंबली (संसद) के अध्यक्ष जोस पेड्रो अगुइर-ब्रैंको से भी मिलेंगी। भारतीय राष्ट्रपति की यह 27 वर्षों बाद पुर्तगाल यात्रा है। भारत और पुर्तगाल राजनयिक संबंधों की पुनः स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। पिछली राजकीय यात्रा 1998 में हुई थी। उस समय राष्ट्रपति केआर नारायणन पुर्तगाल आए थे। मुर्मू 9-10 अप्रैल तक स्लोवाकिया की भी यात्रा करेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी और प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू स्लोवाक की राष्ट्रीय परिषद के अध्यक्ष रिचर्ड रासी से भी मिलेंगी। यह 29 वर्षों के बाद भारतीय राष्ट्रपति की स्लोवाकिया की यात्रा होगी।

आम मुसलमान वक्फ अमेंडमेंट एक्ट के साथः दानिश आजाद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद ने पत्रकारों को कहा कि मुसलमान के विकास के लिए वक्फ अमेंडमेंट एक्ट बेहद जरूरी कदम है। इस एक्ट के माध्यम से मुस्लिम समाज की वक्फ की जो संपत्तियां उसको ऑर्गेनाइजर और रेगुलराइज करने में बहुत मदद मिलेगी। आम मुसलमान पूरी तरीके से इस अमेंडमेंट के साथ है। कुछ खास राजनीतिक दल और कुछ खास लोग अपने निजी स्वार्थ के लिए इसका विरोध कर रहे हैं। वक़्फ की संपत्तियों पर जिन्होंने अवैध कब्जे बनाकर रखे हैं, वहीं इसका विरोध कर रहे हैं, जबकि आम मुसलमान खासतौर पर पिछड़ा पसमांदा मुसलमान पूरी तरीके से वक्फ अमेंडमेंट एक्ट के साथ है। अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री ने कहा कि वक्फ अमेंडमेंट एक्ट आने के बाद वक्फ बोर्ड की प्रॉपर ऑडिटिंग होगी। जिससे बोर्ड के आय में वृद्धि होगी, इसका सीधा लाभ मुस्लिम समाज के वेलफेयर के लिए हो सकेगा। इसके अलावा प्रॉपर डॉक्यूमेंटेशन होगा, जिस वक्त की संपत्तियों पर जो अवैध कब्जे हैं, वह कब्जे हटेंगे। साथ ही साथ वक्फ बोर्ड में महिला समाज और पसमांदा समाज ही हिस्सेदारी से मुस्लिम समाज को और बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा वक्फ की संपत्तियों का इस्तेमाल मुस्लिम समाज के तरक्की के लिए होना भी सुनिश्चित होगा। यह बिल बहुत पहले आ जाना चाहिए था लेकिन कांग्रेस और तमाम वह दल जो अपने आप को मुसलमान का हितैषी बताते हैं।

अकाली दल नेता मजीठिया की सुरक्षा वापस नहीं ली गई, सिर्फ घटाई : पंजाब पुलिस

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया की सुरक्षा पूरी तरह से वापस लेने संबंधी रिपोर्टों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि खतरे के पुनर्मूल्यांकन के मद्देनजर उनके सुरक्षा कवच को सिर्फ घटाया गया है, वापस नहीं लिया गया। पंजाब पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि सुरक्षा समीक्षा समिति की नवीनतम सिफारिशों के बाद यह समायोजन/रद्दो-बदल किया गया था। प्रवक्ता ने कहा कि किसी भी प्रमुख व्यक्ति की सुरक्षा की समय-समय पर संभावित खतरे के मूल्यांकन के आधार पर समीक्षा की जाती है। इस आधार पर सुरक्षा कवच को बढ़ाया या घटाया जाता है। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि बिक्रम मजीठिया के पास अभी भी पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध है, जिसमें एस्कॉर्ट वाहन और पर्याप्त संख्या में बंदूकधारी शामिल हैं, जो प्रोटोकॉल के अनुसार उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करते हैं। इस बीच विक्रमजीत सिंह मजीठिया ने पत्रकारों से बातचीत में दावा करते हुए कहा कि उनकी सुरक्षा वापस लिए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी, अकाली दल की समूची लीडरशिप तथा कांग्रेस के नेताओं ने उनका समर्थन किया है।

आक्रांताओं का सटीक इलाज थे छत्रपति शिवाजी महाराजः सरसंघचालक

एजेंसी

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि भारत में पराक्रम की कमी कभी नहीं रही। इसके बावजूद देश पर लगातार विदेशी हमले होते रहे। इन आक्रांताओं का सटीक इलाज छत्रपति शिवाजी महाराज थे। उन्होंने कहा कि छत्रपति महाराज की प्रेरणा आज भी बरकरार है।

शिवाजी महाराज पर विशेष अध्ययन करने वाले दिवंगत डॉ सुमंत टेकाडे द्वारा लिखित 'युगंधर शिवराय' पुस्तक का नागपुर में आयोजित कार्यक्रम में सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने विमोचन किया। इस अवसर पर सरसंघचालक ने कहा कि भारत पर सिकंदर के जमाने से लेकर मुस्लिम आक्रांताओं तक अलग-अलग समय पर निरंतर हमले होते आए हैं। भारत में कभी पराक्रम की कमी नहीं रही। उन्होंने कहा कि

हमारे विशाल हृदय में सारी सभ्यताओं के लिए स्थान था। वहीं हमारे अंदर आक्रांताओं को उन्हीं की भाषा में जवाब देने का अद्भुत सामर्थ्य भी था। इसके बावजुद हमारे देश के समाज की हालत निरंतर खराब होती रही। कई वर्ष जूझने के बाद भी हमें इन आक्रांताओं के लिए सही जवाब नहीं मिल रहा था। छत्रपति शिवाजी महाराज के रूप में यह जवाब उभर कर सामने आया। आक्रांताओं का छत्रपति शिवाजी सटीक इलाज थे। डॉ भागवत ने बताया कि आगरा में औरंगजेब के चंगुल से छूटने के बाद छत्रपति की गाथा पूरे भारत में फैली। सकुशल महाराष्ट्र में लौटने के बाद छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपना राज्याभिषेक करते हुए स्वराज्य प्रस्थापित किया। उनका यह राज्याभिषेक युगप्रवर्तक साबित हुआ। इसके चलते उस समय भारत में मौजूद सभी विदेशी शक्तियों को सटीक जवाब मिल गया। सरसंघचालक ने कहा कि शिवाजी महाराज से प्रेरणा लेकर बुंदेलखंड में राजा छत्रसाल खड़े हुए। राजस्थान में दुर्गाप्रसाद राठौड़ ने राजपूतों को इकट्ठा किया, जिसके बाद मुगल कभी राजपुताने में दोबारा पांव नहीं रख सके। वहीं कूचबिहार के राजा चक्रधर सिंह भी छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रभावित थे।

मुंबई पुलिस ने कॉमेडियन कुणाल कामरा को भेजा तीसरा समन

एजेंसी

मुंबई। मुंबई पुलिस ने कॉमेडियन कुणाल कामरा को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर व्यंग गीत मामले में तीसरा समन जारी किया और उन्हें 5 अप्रैल को खार पुलिस स्टेशन में पेश होने को कहा गया है। इससे पहले मुंबई पुलिस कामरा को दो बार समन जारी कर चुकी है और कामरा पुलिस स्टेशन में हाजिर नहीं हुए थे। जानकारी के अनुसार, कुणाल कामरा ने पिछले महीने खार के एक होटल में आयोजित स्टैंड अप कामेडी शो में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर व्यंग गीत गाया था। इसके बाद कामरा के विरुद्ध खार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। साथ ही होटल में कामेडी शो के श्रोताओं को भी पुलिस समन जारी कर उनका बयान दर्ज कर रही है। कुणाल के श्रोताओं में मुम्बई का एक बैंकर भी था। वह हाल ही में तमिलनाडु और केरल के दौरे पर थे। इस बीच पुलिस ने उन्हें भी पूछताछ के लिए नोटिस भेजा था।

मामले में गवाही देने के लिए उन्हें मुंबई लौटना पड़ा था। कुणाल कामरा ने आज अपने ट्वीट में उस बैंकर से माफी मांगी है और कहा है कि वह उसके लिए एक ट्रिप का आयोजन करेंगे। कॉमेडियन और बॉलीवुड पटकथा लेखक और गीतकार वरुण ग्रोवर कॉमेडियन कुणाल कामरा के समर्थन में सामने आए हैं। ग्रोवर ने श्रोताओं से की जा रही पुलिस की पूछताछ की आलोचना करते हुए कहा कि दर्शकों को समन भेजने के बजाय मुंबई पुलिस को खुद कार्यक्रम में शामिल होना चाहिए। पुलिस को लोगों से पूछने की बजाय कुणाल के चुटकुलों पर खुद निर्णय लेना चाहिए।

साय सरकार ने जारी की निगम, मंडल, बोर्ड और आयोग में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद की सूची

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में साय सरकार ने निगम, मंडल, बोर्ड और आयोग में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद की शाम सूची जारी कर दी है। भूपेंद्र सवन्नी को अध्यक्ष क्रेडा, लोकेश कावड़िया-अध्यक्ष छत्तीसगढ़ निशक्तजन वित्त विकास निगम, सौरभ सिंह-अध्यक्ष खनिज विकास निगम, शशांक शर्मा-अध्यक्ष छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद, राजीव अग्रवाल-अध्यक्ष सीएसआईडीसी, संजय श्रीवास्तव अध्यक्ष-नागरिक आपूर्ति निगम, दीपक महसके-अध्यक्ष सीजीएमएससी बनाए गए हैं। मोना सेन को छत्तीसगढ़ राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष और गौरीशंकर श्रीवास को उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं जितेंद्र कुमार साहू को राज्य तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष, अमरजीत सिंह छाबड़ा राज्य अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। डॉ. वर्णिका शर्मा राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष, नीलू शर्मा छग पर्यटन मंडल अध्यक्ष, नंदकुमार (नंदे साहू) रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष, अनुराग सिंह देव गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष बनाए गए हैं। इसी तरह शालिनी राजपूत अध्यक्ष राज्य समाज कल्याण बोर्ड,

चंद्राकांति वर्मा उपाध्यक्ष, राकेश पांडेय अध्यक्ष छग खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, शंभूनाथ चक्रवर्ती अध्यक्ष छग माटीकला बोर्ड, सुरेंद्र कुमार बेसरा अध्यक्ष छग अंतव्यवसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम, प्रफुल्ल विश्वकर्मा अध्यक्ष छग लौह शिल्पकार विकास बोर्ड, प्रहलाद रजक अध्यक्ष छग रजककार विकास बोर्ड, ध्रुव कुमार मिर्धा अध्यक्ष छग चर्म शिल्पकार बोर्ड, भरत लाल मटियारा अध्यक्ष छग मछुआ कल्याण बोर्ड, लखनलाल धीवर उपाध्यक्ष, राजा पांडेय अध्यक्ष छग पाठ्यपुस्तक निगम की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा सुरेश कुमार चंद्रवंशी अध्यक्ष छग राज्य कृषण कल्याण परिषद, चंद्रहास चंद्राकर अध्यक्ष छग राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम, संदीप शर्मा अध्यक्ष छग राज्य खाद्य आयोग, चंदूलाल साहू अध्यक्ष छग राज्य भंडार गृह निगम, केदारनाथ गुप्ता अध्यक्ष छग राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित रायपुर, रामप्रताप सिंह छग भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल, योगेश दत्त मिश्रा अध्यक्ष श्रम कल्याण मंडल, श्रीनिवास राव मद्दी अध्यक्ष राज्य वित्त आयोग, रामसेवक पैकरा अध्यक्ष राज्य वन विकास निगम, विकास विकास मरकाम अध्यक्ष छग आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादक बोर्ड बनाए गए हैं।

ममता बनर्जी ने भाजपा पर लगाया रामनवमी के दौरान दंगा भड़काने की साजिश का आरोप

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर रामनवमी के मौके पर दंगा भड़काने की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में अशांति फैलाने की कोशिश कर रही है, लेकिन बंगाल के लोग किसी भी हाल में दंगे को बर्दाश्त नहीं करेंगे। ममता बनर्जी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, बंगाल की संस्कृति शांति और सद्भाव का संदेश देती है।

हम रामकृष्ण परमहंस को मानते हैं, लेकिन जुमला पार्टी को नहीं। उन्होंने साफ कहा कि राज्य में किसी भी तरह की सांप्रदायिक हिंसा की कोशिश सफल नहीं होने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में बंगाल में ईद का त्योहार पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। इसी तरह आने वाले रामनवमी और अन्नपूर्णा पूजा जैसे त्योहारों को भी शांति से मनाया जाना चाहिए। उन्होंने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा, धर्म का राजनीतिकरण मत करिए। मैं जुमला पार्टी से कहूंगी कि वे बसंती पूजा और अन्नपूर्णा पूजा करें, धर्म

का मतलब कर्म होता है। मानवता को अपनाइए, दानवता को नहीं। ममता बनर्जी ने भाजपा पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी योजनाबद्ध तरीके से रामनवमी के दौरान दंगे भड़काने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा, लोगों के बीच फूट डालने और दंगे भड़काने के लिए ये लोग एक नया धर्म लेकर आए हैं। यह धर्म रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, तपोवन, वेद और उपनिषदों का धर्म नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा राज्य में रामनवमी के नाम पर सांप्रदायिक माहौल बनाने का प्रयास कर रही है।

इसके लिए पूरे प्रदेश में करोड़ों रुपये खर्च कर पोस्टर और बैनर लगाए जा रहे हैं। गेरुआ खेमे की योजना रामनवमी के मौके पर एक करोड़ लोगों को सड़कों पर लाने की है। ममता बनर्जी ने गांधी जी का जिक्र करते हुए कहा, महात्मा गांधी ने देश की आजादी से पहले दंगों को रोकने के लिए अनशन किया था। क्या हम उस इतिहास को भूल जाएंगे? उन्होंने दावा किया कि भाजपा सोची-समझी रणनीति के तहत बंगाल की शांति भंग करने की कोशिश कर रही है, लेकिन उनकी सरकार ऐसा नहीं होने देगी।

जामनगर में फाइटर प्लेन क्रैश, एक की मौत, एक गंभीर

एजेंसी

जामनगर। जामनगर के कालावड रोड पर सुवरडा गांव के समीप फाइटर प्लेन क्रैश हो गया। दुर्घटना में एक पायलट की मौत की खबर है, वहीं एक अन्य पायलट को गंभीर अवस्था में हॉस्पिटल ले जाया गया है। जिस क्षेत्र में प्लेन क्रैश हुआ है, वहां आसपास आग की लपटें उठ रही हैं। धुएं के गुबार दूर से दिखाई दे रहा है। घटना की जानकारी होते ही कलक्टर, पुलिस अधीक्षक, दमकल समेत पुलिस का काफिला मौके पर पहुंच गया है। जामनगर के कालावड रोड के सुवरडा गांव के समीप बुधवार रात फाइटर प्लेन के क्रैश होने से समूचे क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। वायु सेना के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे हैं। प्लेन में 2 पायलट सवार थे, जिनमें एक की मौत हो गई है। फाइटर प्लेन के कई टुकड़े चारों ओर फैल गए। धमाके की आवाज और प्लेन के क्रैश होने की खबर सुन बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल के आसपास इकट्ठा हो गए।

विद्युत तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए डिस्कॉम्स उठाएं प्रभावी कदम : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गर्मी के मौसम में आमजन को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि डिस्कॉम्स के अधिकारी बिजली आपूर्ति की सतत् मॉनिटरिंग करें और लाइनों में सुधार, ट्रांसफार्मर और जीएसएस स्थापित करने से संबंधित कार्यों को समय पर पूरा करें। साथ ही, डिस्कॉम्स बिजली छीजत घटाने को प्राथमिकता देते हुए इसे न्यूनतम करने का लक्ष्य प्राप्त करें। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर जयपुर, जोधपुर और अजमेर विद्युत वितरण निगमों (डिस्कॉम्स) की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डिस्कॉम्स उन ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत तंत्र को सुदृढ़ करें, जहां गत वर्ष विद्युत आपूर्ति सुचारू नहीं थी। टीएण्डडी और एटीएण्डसी लॉसेज को न्यूनतम करने के लिए फीडर्स लेवल मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही,

खराब मीटर्स का रिपेयर और रिप्लेसमेंट सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने ऊर्जा उत्पादन निगम को पीक टाइम से पहले मेंटेनेंस पूरा करने के लिए भी निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान (पीएम कुसुम) ए तथा सी कम्पोनेन्ट्स मील का पत्थर साबित होंगे। इन कम्पोनेंट में अपेक्षित गति लायी जाए। उन्होंने कहा कि विद्युत तंत्र के सुदृढ़ीकरण में आरडीएसएस योजना की अहम भूमिका है। इस योजना की प्रभावी क्रियान्विति से घरेलू एवं अघरेलू उपभोक्ताओं को सुचारू बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी और उन्हें ट्रिपिंग की समस्या से भी निजात मिलेगी। जयपुर, जोधपुर और अजमेर डिस्कॉम्स इस योजना की प्रभावी रूप से क्रियान्वित करें। जो कॉन्ट्रेक्टर्स योजना के कार्यों को संपादित करने में अनावश्यक देरी कर रहे हैं, उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना के लाभान्वित परिवारों को सोलर प्लांट लगाते हुए निःशुल्क 150 यूनिट्स बिजली प्रतिमाह उपलब्ध कराएगी। जिन अल्प आय वर्ग के घरों पर सोलर प्लांट का स्थान उपलब्ध नहीं है, वहां पर सामुदायिक सोलर प्लांट स्थापित किए जाएंगे।

देश धर्मशाला नहीं तो जेल भी नहीं है : संजय राउत

एजेंसी

मुंबई। राज्यसभा में इमीग्रेशन एंड फॉरेनर्स बिल (आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक)-2025 को गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सदन के समक्ष विचार के लिए रखा। विधेयक पर बोलते हुए शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत ने कहा कि देश को धर्मशाला बनाना किसी का मकसद नहीं है, लेकिन अगर यह देश धर्मशाला नहीं है तो यह देश जेल भी नहीं है। बीते 10 साल से देश के लोगों को एक तरह से जेल में रखा गया है। अब जो विदेश से लोग आएंगे, वह भी वैध वीजा और पासपोर्ट पर, यह कानून उन्हें भी शायद जेल में रखना चाहता है। संजय राउत ने कहा कि जिस तरह से इस विधेयक में बहुत से प्रावधान हैं, उससे धीरे-धीरे टूरिस्ट भी भारत में आना बंद करेंगे। हम नहीं चाहते कि कोई भी देश में अवैध तरीके से रहे, चाहे वह बांग्लादेशी हो, रोहिंग्या हो, या फिर अमेरिकन और यूरोपियन।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में अवैध तरीके से रह रहे भारतीयों को सेना के

विमान में हाथों-पैरों में बेड़िया लगाकर वापस भेजा। यदि कोई अमेरिकी भारत में अवैध तरीके से रह रहा हो, तो उसे भी इसी तरह से बेड़िया लगाकर वापस भेजा जाए। पूरे देश में तीन करोड़ से ज्यादा बांग्लादेशी और रोहिंग्या हैं, उन्हें निकालना जरूरी है। यह मुहिम सबसे पहले मुंबई में हमने शुरू की थी। इस विधेयक का सेक्शन 7 यह कहता है कि जो विदेशी यहां आएगा, केंद्र सरकार यह तय करेगी कि वह किस होटल में ठहरेगा, कहां घूमेगा, कहां जाएगा। राउत ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा लाया गया यह विधेयक ऐसा है, जिसके तहत यदि कोई विदेशी डेलिगेशन, जर्नलिस्ट या डिप्लोमेट भारत आता है और वह देश में किसी प्रमुख नेता से मिलना चाहता है, सोनिया गांधी से, राहुल गांधी से, उद्धव ठाकरे से मिलना चाहता है, तो सरकार से अनुमति लेनी पड़ेगी। यदि सरकार अनुमति देती है, तो मुलाकात कर सकेंगे और यदि अनुमति नहीं मिली, तो यह मुलाकात नहीं हो सकेगी। उन्होंने सदन में कहा कि देश में जो आतंकवादी आए हैं, वे किसी वैध पासपोर्ट पर नहीं आए हैं। कसाब किसी वैध पासपोर्ट पर नहीं आया था। कसाब और उसके साथ जो टेररिस्ट आए थे, वे समुद्र मार्ग से अवैध तरीके से आए और किसी को पता भी नहीं चला। कानून को यदि आप मजबूत करना चाहते हैं, तो कीजिए, लेकिन इस विधेयक को स्थाई समिति के पास वापस भेजकर इस पर चर्चा की जानी चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि पुराने आव्रजन कानूनों के तहत देश की सीमाओं की रक्षा करने में, देश में घुसपैठ को रोकने में काफी बाधाएं आती थीं। देश की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। नए विधेयक में प्रमुख रूप से भारत में प्रवेश, प्रवास के लिए यात्रा दस्तावेज, वैध वीजा की अनिवार्य आवश्यकता, प्रवेश से इनकार आदि विधेयक का एक हिस्सा हैं।

वक्फ संशोधन बिल का विरोध करने वाले गरीब मुसलमानों और महिलाओं की प्रगति नहीं चाहतेः बाबूलाल

एजेंसी

रांची। झारखंड प्रदेश भाजपा ने 'वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक 2024' का स्वागत करते हुए इसे मुस्लिम समाज के गरीबों, बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को उनका वाजिब हक दिलाने की दिशा में प्रभावी कदम बताया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सहित इंडी गठबंधन की जो पार्टियां इस बिल का विरोध कर रही हैं, वे मुस्लिम समाज के आम लोगों और महिलाओं की प्रगति नहीं देखना चाहतीं।उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड को भू-माफियाओं और लुटेरों के चंगुल से मुक्त कराकर गरीब मुसलमानों के हित में इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। कुछ लोग भू-माफियाओं की कठपुतली बनकर केंद्र के इस सकारात्मक प्रयास का विरोध कर रहे हैं। यह दुखद है, उन्हें गरीब मुसलमानों की चिंता करनी

चाहिए। वक्फ के इतिहास का जिक्र करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह आजादी के पहले से वजूद में है। आजादी से पहले भी इसके नियम-कानूनों में संशोधन हुआ। अब से पहले तक इस एक्ट में पांच बार संशोधन हो चुके हैं। ऐसे में जनहित में लाया गया संशोधन बिल असंवैधानिक कैसे हो गया? मरांडी ने कहा कि 2013 में कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार ने इसमें गैरकानूनी तरीके से संशोधन कर वक्फ बोर्ड को असीमित अधिकार दे दिया। स्थिति यह हो गई कि वक्फ बोर्ड किसी भी जमीन पर अपना अधिकार जता सकता है। वक्फ से जुड़ी समस्या केवल मुसलमानों की नहीं है, बल्कि इससे बड़े पैमाने पर हिंदू, सिख, बौद्ध, ईसाई और यहां तक कि मुस्लिम भी पीड़ित हैं। कई ऐसे मामले आए हैं, जिसमें वक्फ ने मनमाने तरीके से मंदिरों, गुरुद्वारों और यहां तक कि पूरे गांव को ही वक्फ की प्रॉपर्टी बता दिया है। कोलकाता हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ को एक धार्मिक बोर्ड नहीं माना है, बल्कि इसे वक्फ अधिनियम के तहत स्थापित एक ट्रस्ट या संस्था के रूप में देखा है, जो संपत्ति के प्रबंधन और रखरखाव से संबंधित है। मरांडी ने कहा कि अब वक्फ संशोधन बिल से वक्फ के तहत पहले से रजिस्टर्ड भू-संपत्तियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। जिन मुद्दों पर विवाद चल रहा है, उनका निपटारा कोर्ट के आदेश पर होगा। बिल का उद्देश्य राज्य वक्फ बोर्डों की शक्तियों, वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण, सर्वेक्षण और अतिक्रमण हटाने से संबंधित मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करना है। इसीलिए, कई मुस्लिम संगठनों, ईसाई संगठनों ने भी वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया है। यह विधेयक रिफॉर्म के लिए है, रिवोल्ट के लिए नहीं। हम इस बिल के माध्यम से पारदर्शिता ला रहे हैं।

हिंदुओं ने वक्फ को संपत्ति दी तो बोर्ड में हिंदुओं के होने पर आपत्ति क्यों : निशिकांत दुबे

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सदस्य निशिकांत दुबे ने वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करते हुए इसमें गैर मुसलमानों को बोर्ड और परिषद का सदस्य बनाए जाने पर अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि वक्त हिंदुओं से संपत्ति ले सकता है तो हिंदुओं के सदस्य होने पर आपत्ति क्यों। दुबे ने कहा कि दुनिया में सबसे पहले वक्फ करने वाला व्यक्ति यहूदी था। कई हिंदू महाराजाओं ने वक्फ को संपत्ति दान की है। ऐसे में गैर मुसलमान के वक्फ बोर्ड के सदस्य होने पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। निशिकांत दुबे ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए वक्फ पर पहला विधेयक एक प्राइवेट में बर बिल था जिसे नेहरू सरकार ने पास करवाया था। उस समय कुछ सदस्यों ने इसे संविधान विरुद्ध बताते हुए इसका विरोध भी दर्ज कराया था। उन्होंने इस दौरान अपने क्षेत्र में आने वाले ज्योतिर्लिंग के उनसे पहले मुस्लिम व्यक्ति के ट्रस्टी होने का भी संज्ञान कराया।

उन्होंने कहा कि अमेरिका का राष्ट्रपति बाइबल की शपथ लेता है और मुस्लिम देशों के शासन अध्यक्ष कुरान की शपथ लेते हैं। लेकिन भारत में अगर गीता पर शपथ ली जाए तो इन लोगों को आपत्ति होती है। इस दौरान उन्होंने कहा कि नेहरू ने प्रधानमंत्री के तौर पर पहली बार शपथ गीता पर हाथ रख कर ली थी।

गुजरात में भाजपा विधायक के फर्जी हस्ताक्षर व मुहर से बनाए जा रहे थे आधार व पैन कार्ड

एजेंसी

सूरत। गुजरात के सूरत के वराछा रोड विधानसभा सीट से विधायक एवं पूर्व स्वास्थ्य मंत्री कुमार कानाणी (किशोर कानाणी) के फर्जी हस्ताक्षर और मुहर से आधार कार्ड और पैन कार्ड बनाने के रैकेट को पुलिस ने पकड़ा है। इस सिलसिले में एमबीए के छात्र को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। आरोपी छात्र उड़ीसा से फर्जी मुहर बनवाकर लाया था, जिसका उपयोग पिछले तीन महीने से कर रहा था। मामले में पुलिस ने मुहर बनाने वाले एक अन्य आरोपी को वांछित घोषित किया है। कापोद्रा पुलिस के अनुसार एक अप्रैल की शाम गश्त के समय सर्विलांस स्टाफ को सूचना मिली कि दीपक पटनायक नामक 26 वर्षीय युवक फर्जी मुहर का उपयोग कर लोगों के आधार कार्ड और पैन कार्ड में नाम-पता बदलता है। पुलिस ने ऑपरेशन शुरू कर कापोद्रा सौराष्ट्र सर्किल से दीपक पटनायक को पकड़ा। इसके पास से विधायक के नाम की मोहर, हस्ताक्षर,

आधार कार्ड, प्रिंटर, कम्प्यूटर, आधार कार्ड बनाने के लिए भरे हुए व खाली फार्म समेत अन्य सामान जब्त किए गए। आरोपी दीपक ने पूछताछ में बताया कि उसने ओडिशा के संबलपुर से एक अज्ञात व्यक्ति के पास से वराछा रोड क्षेत्र के विधायक कुमार कानाणी के नाम की नकली मुहर बनवाई थी। इसके बाद उसने सूरत के कापोद्रा सौराष्ट्र सर्किल के समीप क्षमा सोसायटी के गेट नंबर-चार के सामने किराए पर ऑफिस लिया था। पिछले तीन महीने से आधारकार्ड और पैन कार्ड में नाम-पता सुधारने का काम कर रहा था। ग्राहकों से वह प्रत्येक फॉर्म के लिए 200 रुपये फीस लेता था।

पुलिस उपायुक्त आलोक कुमार ने बताया कि एक टीम बनाकर पांच घंटे में ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। आरोपी इंदिरागांधी यूनिवर्सिटी में एमबीए की पढ़ाई कर रहा है। इसके पास से 20 से अधिक भरे और साइन-मुहर मारे फॉर्म कब्जे में लिए गए। विधायक कुमार कानाणी के आधारकार्ड का जेरोक्स भी आरोपी के पास से बरामद हुआ है।

मां-बेटी का रिश्ता अनमोल फिर क्यों आ जाती हैं दूरियां?

मां बेटी का रिश्ता दुनिया में सबसे अनमोल होता है। बेटी को मां की ही छवि माना जाता है क्योंकि वो उन्हीं से सारे गुण व आदतें सीखती हैं। साथ ही एक मां में बेटी अपना दोस्त, हमदर्द भी ढूंढ लेती हैं। वहीं, बेटी के रूप में एक मां अपना बचपन दोबारा जी लेती हैं। मगर, कई बार मां-बेटी के रिश्ते में जरा-सी नौंक-झौंक भी हो जाती है जो धीरे-धीरे उनके बीच दूरियां बढ़ा देती हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिसके बारे में आज हम आपको बताएंगे।

उम्र के पहले जिम्मेदारियों का अहसास

अक्सर मांएं अपनी बेटियों को बचपन से ही जिम्मेदारियों का अहसास करवाने लगती हैं। उन्हें बचपन से ही जताया जाता है कि उन्हें दूसरे घर जाना है इसलिए काम करो। इसके कारण बच्चियां अपना बचपन खो देती हैं और मां से दूरी भी बना लेती हैं।

बेटी पर विश्वास न करना

अगर बेटी मां-पिता की इज्जत का ख्याल रख रही हैं तो जाहिर है वो आपसे भरोसे की उम्मीद भी रखेगी। बेटियाँ भी चाहती हैं कि घर के लोग उन पर भरोसा करें मगर, जब आप, खासकर मां और एक औरत होकर जब आप अपनी बेटी पर विश्वास नहीं करती तो उनका मनोबल टूट जाता है। इसके कारण वो आपसे कटी-कटी रहने लगती हैं। और ये एक बहुत अहम् वजह है कि बेटियाँ अपनी माँ से दूर हो जाती हैं।

रोक-टोक करना

बेशक बेटी को सही गलत का एहसास करवाना पेरेंट्स की जिम्मेदारी है लेकिन कई आपकी चिंता इतना ओवरप्रोजेसिव हो जाती है कि लड़कियां इन्हें बाउंडेशन समझ लेती हैं। अब अगर कोई बेटियों के मन की बात ना समझ पाए तो दूरियां जायज है।

बात-बात पर कमियां निकलना

हर छोटे-मोटे काम पर बेटियों की कमियां ना गिनवाए और ना ही दूसरों से तुलना करें। आपका यह व्यवहार उनका मन खराब कर देता है और प्यार की जगह नफरत उनके मन में घर कर लेती है। इससे मां-बेटी की बीच दूरियां भी आ जाती हैं।

बेटी और बेटे में फर्क करना

समय भले ही बदल चुका हो लेकिन बेटी और बेटे के बीच आज भी दीवार खड़ी कर दी जाती है। इसके कारण बेटी के मन में हीनभावना जन्म ले लेती है और वो मानसिक तौर पर अलग हो जाती है।

मन की बात ना समझना

बेटियों को रोकना टोकना हर घर की बात है। और इसी रोक टोक की वजह से कई बार बेटियाँ अपनी माँ से दूर होती जाती हैं। बेटियों की मन की बात अगर मां ही न समझ पाए तो ये दूरियां जायज है। इसलिए अत्यधिक रोक टोक पर बेटियां अपनी मां से थोड़ी दूरी बना लेती हैं। अगर आप अपनी बेटी के साथ रिश्ता मजबूत बनाना चाहते हैं तो ये गलतियां ना दोहराएं। हर बेटी को घर में वो प्यार मिलना चाहिए जिसकी वो हकदार है।

अगर आप भी अपने बच्चे की कम हाइट से हैं परेशान तो उन्हें

रोजाना कराएं ये आसन

बच्चे खाने के मामले में बहुत आनाकानी करते हैं। मगर इससे उनके शारीरिक व मानसिक विकास में रूकावटें आने लगती है। इसके अलावा कई बच्चों की हाइट भी कम रह जाती है। मगर असल में, हाइट यह एक उम्र के बाद बढ़ने बंद हो जाती है। ऐसे में कई पेरेंट्स इसके डर के कारण बच्चों को हाइट बढ़ाने की दवाइयां खिलाने लगते हैं। मगर इससे सेहत के खराब होने की परेशानी हो सकती है। ऐसे में आप चाहे तो बच्चे की डेली रूटीन में योगासन को जोड़ सकते हैं। इसे करने में बॉडी की अच्छे से स्ट्रेचिंग होती है। ऐसे में बच्चे की नेचुरल तरीके से हाइट बढ़ने के साथ सेहत दुरुस्त रहने में भी मदद मिलेगा।

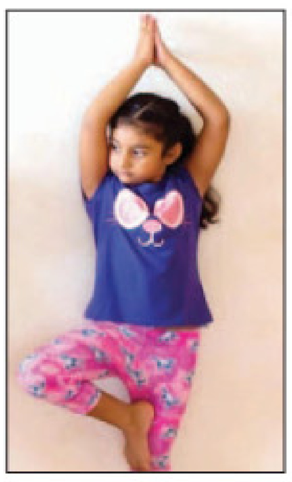

ताड़ासन

1. सबसे पहले खुली जगह पर एकदम सीधे खड़े हो जाएं।
2. दोनों हाथों की उंगलियों को बीच में फंसाकर या हाथों को नमस्कार की मुद्रा में रख कर ऊपर की तरह करें।
3. धीरे-धीरे एड़ियों को उठाकर शरीर का सारा भार पंजों पर डालें।
4. इसी मुद्रा में खड़े रहकर पूरे शरीर को स्ट्रेच करें।
5. फिर गहरी सांस लें।
6. थोड़ी देर बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।
7. इस आसान को 4-5 बार करें।

इससे हाइट बढ़ने में मदद मिलेगी। पूरे शरीर में मजबूती आएगी।

वृक्षासन

1. इस आसन को करने के लिए खुली जगह पर सीधे खड़े हो जाएं।
2. दाहिने पैर को अपने बाएं पैर पर रखें।
3. दोनों हाथों को नमस्ते की मुद्रा में रखकर ऊपर ले जाएं।
4. एक पैर से बैलेंस बनाएं।
5. थोड़ी देर इसी मुद्रा में रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।
6. इसके बाद दूसरे पैर से इस योगासन को करें।

इससे रीढ़ की हड्डी एकदम सीधी होगी। पैरों व हाथों की मांपेशियों में खिंचाव होने से हाइट बढ़ने में मदद मिलेगी।

योगासन करने के अन्य लाभ

- पूरे शरीर में खिंचाव होने से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी।
- पाचन तंत्र दुरुस्त होकर पेट संबंधी समस्याएं दूर होगी।
- दिमाग शांत होने से स्मरण शक्ति बढ़ेगी।
- कमजोरी, थकान व आलस दूर होकर दिनभर तरोताजा महसूस होगा।
- शरीर में खून का संचार बेहतर होने में मदद मिलेगी।
- इम्यूनिटी बूस्ट होने से मौसमी व अन्य बीमारियों से बचाव रहेगा।

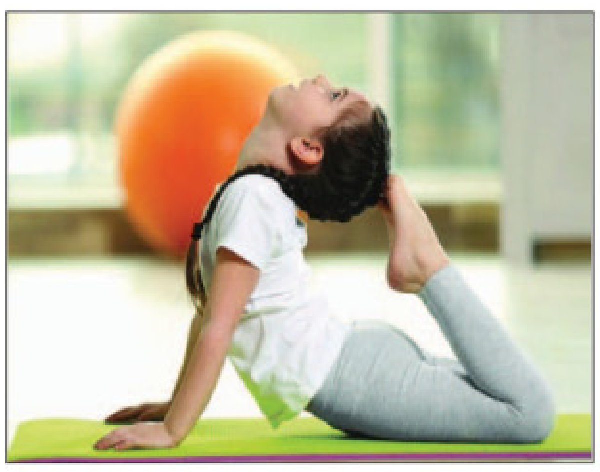

कुछ साल पहले टेलीविजन मनोरंजन का एक मात्र जरिया था। लेकिन समय के साथ-साथ मनोरंजन के विकल्प बढ़ते गए। पहले बच्चे अपना अधिकतम समय कहानी सुन कर या खेल खुल कूद में बिताया करते है। परंतु आज वे टीवी देखते हुए अन्य कंप्यूटर खेल को खेल कर बिताना पसंद करते हैं। वे अपने शरीर को बिल्कुल भी हिलाना पसंद नहीं करते। कभी-कभी वे दवा के डर से समस्या को बताते ही नहीं है। परंतु माता-पिता होने के नाते उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखना हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए साल में एक बार अपने बच्चे के पूरे शरीर की जांच कराना बहुत जरूरी है। यदि आपको लगता है कि आपके बच्चे की नजर कमजोर हो रही है। पता लगाने के लिए नीचे दिए गए लक्षणों पर ध्यान दें। यदि इन्में से कुछ लक्षण आपके बच्चे में मौजूद हैं तो तुरंत उसके आंखों की जांच कराएं।

बच्चों की नजर कमजोर होने के 10 लक्षणों को जानें

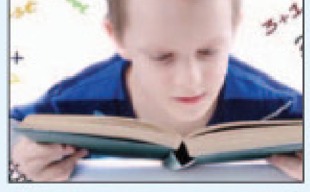

आंखों को मलना

बच्चों को नींद में अपनी आंखों को मलने की आदत होती है। लेकिन, अगर आपका बच्चा दिन भर आंखे मलता रहता है तो यह एक कमजोर नजर की निशानी हो सकती है।

सर दर्द

सर दर्द के कई कारण होते हैं। लेकिन अगर टीवी देखते हुए या पढाई करते हुए उसे सर दर्द हो रहा है या रोज शाम को सर दर्द की शिकायत हो। तब समझ लें कि आपके बच्चे को चिकित्सा की आवश्यकता है।

एक आंख बंद करता

यदि आपका बच्चा एक आंख बंद करके टीवी देखने लगे या वीडियो गेम खेलने लगे तब समझ जाएं कि उसे चश्मा लगने वाला है।

तेज रोशनी में पलके झपकना

क्या आपके बच्चे को उजाले से परेशानी होती है? या तेज रोशनी देखकर वह अपनी पलकों को तेजी से झपकता है? तेज रोशनी से धीमी रोशनी को ओर बढते वक्त क्या उसे धब्बे नजर आते हैं? इन सारे लक्षणों का कारण है विटामिन की कमी। अपने बच्चे के आहार में विटामिन ए की मात्रा को बढाएं और उसे रोज सुबह गाजर का जूस पिराएं।

भेंगापन

कई बार बच्चे मजाक में भी अपनी नजरों को तिरछा करते हैं। यदि ये मजाक ना हो कर हर दूसरे, तीसरे दिन की आदत बनती जा रही है तो आदत की वजह को पहचाने और अपने बच्चे की आंखों का इलाज कराएं।

सर घुमाना

बार-बार सर घुमाना भी कमजोर नजर का एक लक्षण है। यदि आपका बच्चा टीवी देखते वक्त बीच-बीच में आंखों को बंद करके सर को हिलाता रहता है, तब इस लक्षण पर ध्यान दें।

नजदीक से देखना

यदि आपके बच्चे को दूर से कोई चीज साफ ना नजर आए और वो उसे देखने के लिए बहुत करीब आए। तब यह सरल लक्षण, उसकी कम होती दृष्टि का संकतक है।

आई बॉल की गति

हालांकि, इस लक्षण को पहचानना आपके लिए थोडा सा मुश्किल हो सकता है। इस लक्षण को पहचाने के लिए बात करते वक्त आपको अपने बच्चे की आंखों को गौर से देखना होगा। यदि आई बॉल की गति में कुछ भिन्नता नजर आए तो तुरंत एक नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें।

लाल आंखें

नींद पूरी ना होना या नेत्रश्लेष्मला शोथ के कारण भी बच्चों की आंखे लाल हो सकती हैं। परंतु यदि ये दो कारण मौजूद ना हो तब कमजोर नजर ही इसका सही कारण होगा।

आंखों में दर्द

आंखों में दर्द के कारण बच्चे को आंखों में चुभन महसूस होती है तथा उसके आंखों से पानी भी आने लगता है। यदि ये लक्षण लगातार नजर आएं तो समझे की निगाहों पर चश्मा टिकाने का वक्त आ गया है।

कहीं बिगड़ तो नहीं रहा आपका बच्चा, कुछ इस तरह से पहचाने

बच्चे का मन कोरे कागज की तरह होता है। ऐसे में वे अपने आसपास के लोगों व चीजों जल्दी समझकर उन्हें सीख लेते हैं। कई बार वे ऐसी बातें व काम भी सीख लेते हैं जो उनके बेहतर मानसिक व व्यावहारिक विकास में बांधा डालते हैं। असल में, पेरेंट्स के बिजी होने या बच्चों को अधिक छूट देने से वे बिगड़ सकते हैं। ऐसे में कई बच्चे तो लड़ाई, मारपीट, गलत भाषा इस्तेमाल करना आदि शुरू कर देते हैं। ऐसे में पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वे शुरूआती दौर पर ही बच्चों पर ध्यान दें। तो चलिए आज हम आपको इस आर्टिकल में कुछ बातें बताते हैं, जो बच्चे के बिगड़ने की ओर इशारा करते हैं। ऐसे में आप समय रहते ही उनपर काबू पा सकते हैं।

दूसरों को तंग करना

छोटे बच्चे दूसरों को चिढ़ाकर खुश होते हैं। मगर बार-बार ऐसा बर्ताव करना सही नहीं होता है। ऐसे में उसकी संगत को पहचान कर उसे ऐसा करने से रोकें। उसे सही व गलत की पहचान करवाते हुए एक बेहतर इंसान बनाए।

लड़ाई करना

बच्चे का घर पर या पड़ोस में लड़ना भी उसके बिगड़ने की और इशारा करता है। असल में, ऐसी चीजें बच्चा घर के बड़े, दोस्तों व टीवी देखकर सीखता है। ऐसे में अपने घर का माहौल शांत व खुशनुमा रखें। साथ ही उसके द्वारा मारपीट या झगड़ा करने पर उसे प्यार से गलती का अहसास करवाएं। कई बच्चे अटेंशन डेफिसिट हाइपर डिस्ऑर्डर के शिकार होने के कारण ऐसा करते हैं। ऐसे में इस बात का खास ध्यान रखें।

गलत शब्दों व भाषा का इस्तेमाल करना

अगर कहीं आपका बच्चा गलत शब्द या भाषा का इस्तेमाल करें तो अलर्ट हो जाएं। इसका मतलब है कि वह बुरी संगत में पड़ रहा है। इसके लिए उसके कुछ गलत कहने पर तुरंत उसे रोके। मगर उसे डांटने की जगह प्यार से समझाएं। नहीं तो बच्चा नाराज हो सकता है। साथ ही घर का माहौल सही रखें। इसके अलावा इस बात ध्यान रखें कि आपका बच्चे किस से मिलता है। उसकी संगत चैक करके उसके बिगड़ने का कारण पता करें।

बात-बात पर जिद्द करना

अक्सर बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर भी जिद्द करने की आदत होती है। मगर अगर कई बच्चा किसी बात पर अड़ जाएं, घंटों रोता रहे या खाना-पीना छोड़ दें तो यह उसके बिगड़ने की ओर इशारा करता है। ऐसे में मां-बाप का फर्ज है कि वे बच्चे को सही-गलत की पहचान करवाते हैं उसे सही राह पर लाएं। अगर बच्चा प्यार से ना माने तो इसके लिए सख्ती भी कर सकते हैं।

झूठ बोलना व चोरी करना

बच्चे का झूठ बोलना व चोरी करना भी उसके बिगड़ने की ओर संकेत करता है। ऐसे में उसका झूठ पकड़ कर प्यार से उसे समझाएं। बच्चे का मन बड़ा ही चंचल होता है। ऐसे में उसे डांटने की जगह प्यार से सही व गलत बताएं। साथ ही उससे ऐसा करने का कारण पूछे। इसके अलावा बच्चे की जरूरत का अच्छे से ध्यान रखें।

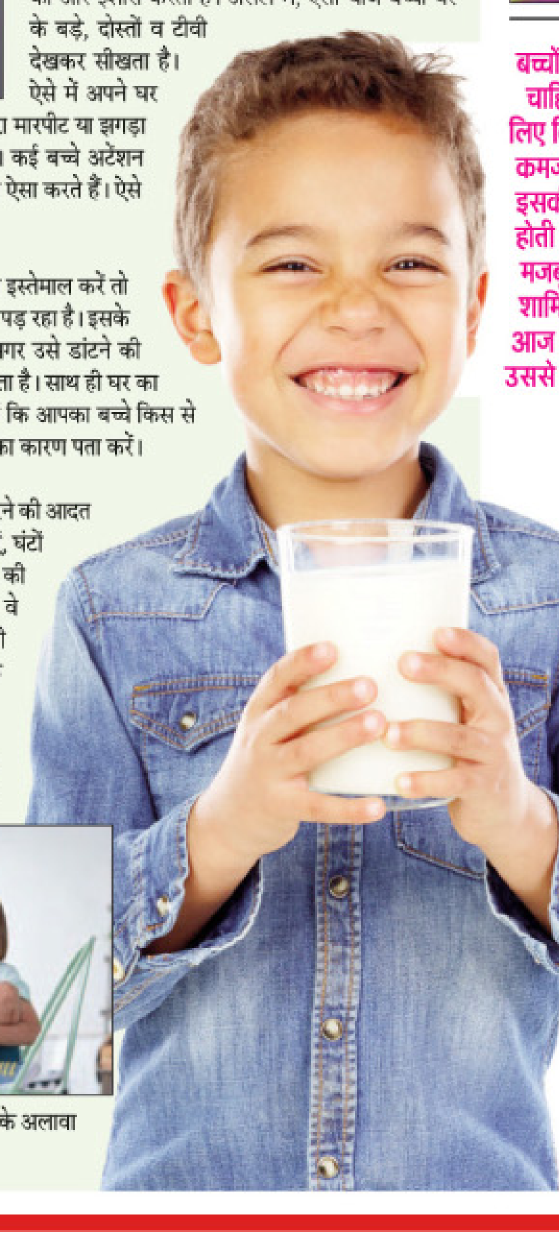

बच्चों के बेहतर शारीरिक विकास के लिए उनकी डाइट खास होनी चाहिए। खासतौर पर उनकी मांसपेशियों व हड्डियों की मजबूती के लिए विटामिन डी की जरूरत होती है। इसकी कमी से उनकी हड्डियां कमजोर होने के साथ शारीरिक विकास धीमा पड़ जाता है। वैसे तो इसकी कमी को पूरा करने के लिए सूरज की रोशनी बेहद फायदेमंद होती है। यह शरीर में कैल्शियम को अवशोषित करने व हड्डियों में मजबूती दिलाने में मदद करता है। मगर आप डाइट में कुछ चीजों को शामिल करके भी इसकी कमी को पूरा कर सकते हैं। तो चलिए आज हम विटामिन-डी से भरपूर चीजों के बारे में बताते हैं। मगर उससे पहले जानते हैं इसकी कमी के लक्षण....

बच्चे में पहचाने विटामिन डी की कमी, जरूर खिलाएं यह आहार

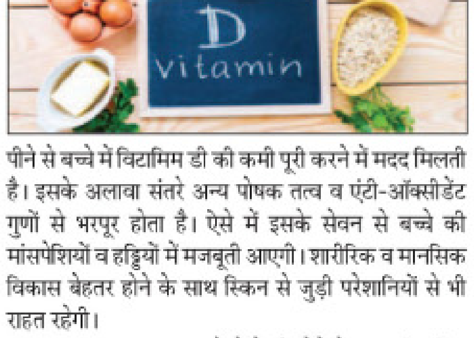

बच्चे में विटामिन डी की कमी के लक्षण

- मांसपेशियों व हड्डियों का कमजोर होकर दर्द होना
- शारीरिक विकास धीमी गति से चलना
- स्वभाव में चिड़चिड़ापन बढ़ना
- इसकी कमी के कारण बच्चे को रिकरंट इन्फेक्शन यानी बार-बार सर्दी-खांसी व मौसमी बीमारियां होना
- दिनभर थकान व कमजोरी रहना

विटामिन डी से भरपूर सुपर फूड्स

सोया से भरपूर चीजें

विटामिन डी से भरपूर चीजों की लिस्ट में सोया भी शामिल होता है। ऐसे में बच्चे की डाइट में सोया से भरपूर टोफू, दूध और सोयाबीन शामिल करें। इससे बच्चे को सही मात्रा में विटामिन डी मिलने के साथ शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलेगी।

दूध : इसकी कमी पूरा करने के लिए दूध पीना भी बेस्ट ऑप्शन है। असल में दूध में कैल्शियम के साथ उचित मात्रा में विटामिन डी में पाया जाता है। इसलिए रोजाना 1 गिलास दूध का सेवन करने से बच्चे में इसकी कमी पूरी की जा सकती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, 1 गिलास दूध का सेवन करने से दिनभर की जरूरत के अनुसार 1/4 विटामिन डी की मिल सकता है।

संतरा : वैसे तो विटामिन-सी के लिए संतरा खाने की सलाह दी जाती है। मगर असल में, इसमें विटामिन-सी और डी सही मात्रा में मौजूद होता है। ऐसे में रोजाना इसका सेवन करने से विटामिन डी की सही मात्रा में मिलता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, रोजाना 1 गिलास ताजे संतरे का जूस पीने से बच्चे में विटामिम डी की कमी पूरी करने में मदद मिलती है। इसके अलावा संतरे अन्य पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। ऐसे में इसके सेवन से बच्चे की मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी। शारीरिक व मानसिक विकास बेहतर होने के साथ स्किन से जुड़ी परेशानियों से भी राहत रहेगी।

मशरूम : मशरूम खाने में टेस्टी होने के साथ विटामिन डी से भरपूर होती है। इसके सेवन से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आने में मदद मिलती है। खासतौर पर बच्चे की ग्रोथ के लिए मशरूम काफी फायदेमंद मानी जाती है। ऐसे में इसे बच्चे की डेली डाइट में जरूर शामिल करें। आप इससे बच्चे को अलग-अलग डिशेज बनाकर खिला सकते हैं।

अंडा : अगर आप नॉन वेजीटेरियन है तो बच्चे की डाइट में अंडे शामिल करें। इसका सफेद भाग विटामिन डी से भरपूर होता है। ऐसे में इसके सेवन से बच्चे को इसकी कमी पूरी करने में मदद मिलेगी। साथ ही उसकी सेहत में सुधार आएगा।

पार्थ योजना और खेलो-बढ़ो अभियान से ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी लाभान्वित हो, ऐसी तैयारी करें : मंत्री सारंग

एजेंसी

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने पार्थ (पीएआरटीएच) योजना और खेलो-बढ़ो अभियान के सुव्यवस्थित क्रियान्वयन के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये है। उन्होंने कहा है कि पार्थ योजना और खेलो-बढ़ो अभियान के जरिये ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी इससे लाभान्वित हो, इसकी तैयारी की जाये। मंत्री सारंग तात्या टोपे स्टेडियम स्थित मेजर ध्यान चंद हॉल में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने दोनों योजना और अभियान को मूर्तरूप से धरातल पर उतारने को कहा। उन्होंने कहा कि पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 9-10 संभाग में इसको त्वरित गति से अग्रसर किया जाये। इसकी विभाग और शासन स्तर की कार्रवाई पूर्ण करें और इसका व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाये। मंत्री सारंग ने कहा कि खेलो-बढ़ो अभियान एक मई से शुरू हो। प्रारंभ में इसके लिये 37 जिले चयनित किये गये है। सोशल मीडिया से भी इसकी जानकारी लोगों तक पहुंचाये, जिससे प्रदेश का टैलेन्ट सामने आये। इसका कैलेण्डर तैयार कर लिया जाये। साथ ही बच्चों के पालकों के साथ भी मोटिवेशन वार्तालाप हो। मंत्री सारंग ने निर्देश दिये कि सितम्बर से खेलो एम.पी. गेम्स की शुरूआत की जाये, जिससे मध्यप्रदेश की टीम तैयार हो और वही नेशनल चैम्पियनशिप में भाग ले।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप विजेताओं से की मुलाकात, दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री नयाब सिंह सैनी ने एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाली खिलाड़ियों मनीषा भानवाला (गोल्ड), रीतिका हूडा (सिल्वर), मुस्कान नंदल (ब्रॉन्ज) और उनके कोच मंदीप से मुलाकात की। इस अवसर पर ओलंपिक पदक विजेता और भारतीय जनता पार्टी नेता योगेश्वर दत्त भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री नयाब सिंह सैनी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने लिखा, आज सीनियर एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता मनीषा, रजत पदक विजेता रीतिका हूडा, कांस्य पदक विजेता मुस्कान नंदल और कोच मंदीप ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दी गईं और माता रानी की कृपा से उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।मनीषा भानवाला (62 किग्रा) और अंतिम पंघाल (53 किग्रा) ने एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप 2025 में भारत के लिए स्वर्ण और कांस्य पदक जीते। यह प्रतियोगिता अम्मान, जॉर्डन में आयोजित की गई थी। मनीषा भानवाला ने डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया की ओक जे किम को फाइनल मुकाबले में 8-7 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

आरसीबी बनी इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली आईपीएल टीम

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंस्टाग्राम पर अपनी लोकप्रियता के मामले में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। टीम ने 18 मिलियन फॉलोअर्स का आंकड़ा पार कर लिया है, जिससे वह इस प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी बन गई है। आरसीबी ने अपने अनोखे और आकर्षक कंटेंट के जरिए फैंस से गहरा जुड़ाव बनाया है, जिससे सोशल मीडिया उनके लिए ब्रांड ग्रोथ और कमर्शियल एंगेजमेंट का एक मजबूत जरिया बन गया है। यह जानकारी फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में दी गई।पिछले साल नवंबर 2023 तक आरसीबी, चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस (एमआई) से पीछे थी। हालांकि, टीम की प्रभावी सोशल मीडिया रणनीति और फैंस की जबरदस्त निष्ठा ने उसे इस रेस में आगे ला दिया। अब आरसीबी के 18.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जबकि सीएसके के 17.8 मिलियन और एमआई के 16.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं। आरसीबी ने 23 मार्च को 17 मिलियन का आंकड़ा छुआ था और महज 10 दिनों में 18 मिलियन तक पहुंच गई। आरसीबी की सोशल मीडिया पर तेजी से बढ़ती लोकप्रियता के पीछे उनकी हाल ही में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ ऐतिहासिक जीत भी एक बड़ी वजह रही।

उत्तर मध्य रेलवे की महिला हॉकी टीम ने जीता कांस्य पदक

प्रयागराज। मार्च के अंतिम सप्ताह में आयोजित अंतर रेलवे प्रतियोगिताओं में उत्तर मध्य रेलवे के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर ज़ोन को गौरवान्वित किया। उत्तर मध्य रेलवे की टीमों और खिलाड़ियों को महाप्रबंधक उत्तर उपेंद्र चंद्र जोशी ने शानदार उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए आगे बेहतर प्रदर्शन के लिए सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी वे उत्तर मध्य रेलवे और राष्ट्र के लिए इसी तरह उपलब्धियां हासिल करेंगे। वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि 22 से 28 मार्च तक एमसीएफ रायबरेली (यूपी) में आयोजित अंतर रेलवे महिला हॉकी चैम्पियनशिप में उत्तर मध्य रेलवे की टीम ने कांस्य पदक जीता। टीम की कोच नीलम व मैनेजर रचना चौरसिया थीं। गुरजीत कौर और निशा वारसी सहित अन्य उत्कृष्ट खिलाड़ियों से सज्जित उत्तर मध्य रेलवे की महिला हॉकी टीम ने कांस्य पदक मैच में पिछली बार की चैम्पियन साउथ ईस्टर्न रेलवे को 5-3 से हराया।

ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप फाइनल्स: अंतरराष्ट्रीय चुनौती के लिए मंच तैयार, भूटिया-पॉल करेंगे शिरकत

एजेंसी

गोवा। ड्रीम स्पोर्ट्स फाउंडेशन (डीएसएफ) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप फुटबॉल 2025 का नेशनल फाइनल 8 अप्रैल से गोवा में शुरू होगा। इस वर्ष टूर्नामेंट को और अधिक रोमांचक बनाते हुए प्रसिद्ध इंग्लिश क्लब नॉर्विच सिटी एफसी की यूथ टीम भी प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही है।इस चैंपियनशिप में देशभर से कुल 16 टीमें, जिसमें आठ लड़कों और आठ लड़कियों की टीमें शामिल हैं, खिताब के लिए संघर्ष करेंगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) द्वारा नामित राज्यों- असम, झारखंड, केरल, राजस्थान, गोवा, ओडिशा, कर्नाटक और दिल्ली की टीमें पहली बार इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का हिस्सा बनेंगी।

ग्रुप स्टेज के मुकाबले एसएजी बेनौलिम फुटबॉल ग्राउंड और उटोर्डा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाएंगे। वहीं, 15 अप्रैल को राया फुटबॉल ग्राउंड में ग्रैंड फिनाले का आयोजन होगा। इस अवसर पर भारतीय फुटबॉल के दिग्गज बाइचुंग भूटिया

और सुब्रत पॉल भी उपस्थित रहेंगे। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले फैनकोड पर लाइव स्ट्रीम किए जाएंगे। ड्रीम स्पोर्ट्स के सीओओ और सह-संस्थापक भावित सेठ ने कहा, यह टूर्नामेंट भारत में जमीनी स्तर पर फुटबॉल के विकास के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अंतरराष्ट्रीय टीमों को शामिल करने से युवा खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। इस साल लड़कियों की टीमों को भी शामिल कर हमने फुटबॉल को और अधिक समावेशी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। हम एआईएफएफ के समर्थन के लिए आभारी हैं, जिसने हमारे इस विजन को साकार करने में योगदान दिया है। टूर्नामेंट के दौरान ड्रीम अंगेन पहल के तहत नॉर्विच सिटी एफसी के कोचों द्वारा सभी भाग लेने वाली टीमों के सहायक स्टाफ के लिए नॉलेज एक्सचेंज वर्कशॉप्स आयोजित की जाएंगी। इन वर्कशॉप्स में कोचिंग लीडरशिप, सेफगार्डिंग और चिकित्सा जागरूकता तथा फुटबॉल स्टाफ विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी।

प्रतिस्पर्धा में शामिल शीर्ष युवा टीमें

गहन रीजनल क्वालिफायर के बाद, सात भारतीय यूथ टीमें नेशनल फाइनल में अपनी जगह बना चुकी हैं:

पंजाब एफसी (दिल्ली)
रिलायंस फाउंडेशन यंग चैंप्स (मुंबई)
चेन्नईयिन एफसी (बेंगलुरु)
मोहन बागान सुपर जायंट (कोलकाता)
फुटबॉल 4 चेंज (गुवाहाटी)
सेसा एफए (गोवा)
डेम्पो स्पोर्ट्स क्लब (गोवा)

प्रतिस्पर्धात्मक प्रारूप और उभरती प्रतिभाओं के लिए मंच

टूर्नामेंट ग्रुप स्टेज फॉर्मेट में खेला जाएगा, जहां प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें लड़कों और लड़कियों की श्रेणियों में अंडर-17 फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश करेंगी। यह आयोजन युवा फुटबॉलरों को पेशेवर करियर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा।

इगा स्वियातेक ने बिली जीन किंग कप टूर्नामेंट से नाम वापस लिया

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया की नंबर दो टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने आगामी बिली जीन किंग कप क्वालिफाइंग टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। 23 वर्षीय स्वियातेक ने कहा कि उन्हें अपने करियर और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अधिक समय चाहिए, जिसके चलते वह 10-12 अप्रैल को पोलैंड के राडोम शहर में स्विट्जरलैंड और यूक्रेन के खिलाफ राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेलेंगी। स्वियातेक ने कहा, मुझे पता है कि यह जानकारी प्रशंसकों, विशेष रूप से पोलिश प्रशंसकों, के लिए निराशाजनक हो सकती है, लेकिन फिलहाल यह मेरे लिए सही निर्णय है। उन्होंने आगे कहा,मैं हमेशा गर्व के साथ अपने देश का प्रतिनिधित्व करती हूं। मैंने पिछले साल देश के लिए सभी प्रमुख टूर्नामेंट खेले थे। मुझे बीजेकेसी सेमीफाइनल और यूनाइटेड कप फाइनल में टीम की ऐतिहासिक सफलता पर गर्व है। अब मेरे लिए संतुलन बनाए रखने, खुद पर ध्यान देने और अपने प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने का समय है। मैं अपनी टीम और सभी खिलाड़ियों के लिए शुभकामनाएं देती हूं(

लिवरपूल ने एवर्टन को हराया, प्रीमियर लीग में 12 अंकों की बढ़त बरकरार

एजेंसी

लंदन। डियोगो जोटा के 57वें मिनट में किए गए गोल की बदौलत लिवरपूल ने मर्सीसाइड डर्बी में एवर्टन को 1-0 से हराकर प्रीमियर लीग में अपनी 12 अंकों की बढ़त बरकरार रखी। लुइस डियाज़ के बैक-हील पास पर जोटा के गोल ने अरने स्लॉट की टीम को जीत दिलाई और अब टीम को खिताब पक्का करने के लिए अगले आठ मुकाबलों में सिर्फ 13 अंकों की जरूरत है। दूसरी ओर, मैनचेस्टर सिटी ने घर में संघर्षरत लीसेस्टर सिटी के खिलाफ दमदार शुरुआत की। जैक ग्रीलिश ने मैच के सिर्फ दूसरे मिनट में साविन्हो के असिस्ट पर गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। ओमर मरमौश ने हाफ टाइम से पहले स्कोर 2-0 कर दिया, जिससे यह साबित हुआ कि टीम को एर्लिंग हालांड की गैरमौजूदगी में भी कोई परेशानी नहीं हो रही। न्यूकैसल यूनाइटेड ने घरेलू मैदान पर ब्रेंटफोर्ड को 2-1 से हराकर उसकी लगातार पांचवें अवे मैच जीतने की उम्मीदों को तोड़ दिया। न्यूकैसल के लिए अलेक्जेंडर इसाक और सैंड्रो टोनाली ने गोल किए। मार्कस रैशफोर्ड और मार्को असेंसियो के दूसरे हाफ में किए गए गोलों ने एस्टन विला की यूरोप में

वापसी की उम्मीदें मजबूत कर दीं। ब्राइटन के खिलाफ 3-0 की इस जीत में डोनीएल मालेन ने इंजुरी टाइम में गोल कर ब्राइटन की मुश्किलें और बढ़ा दीं, जो पहले ही एफए कप से बाहर हो चुका है। इप्सविच टाउन ने बोरनमाउथ को चौंकाते हुए 34वें मिनट में नाथन ब्रॉडहेड और 60वें मिनट में लियाम डेलाप के गोलों से 2-1 से हराया। बोरनमाउथ के लिए इवानिलसन ने 67वें मिनट में एकमात्र गोल किया। साउथैम्प्टन के पॉल ओनूआचू ने 20वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई थी, लेकिन क्रिस्टल पैलेस के मैथ्यूस फ्रांका ने इंजुरी टाइम में गोल कर मुकाबला 1-1 से ड्रॉ करवा दिया और साउथैम्प्टन की सीजन की तीसरी जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

आईएसएल: दूसरे सेमीफाइनल के पहले चरण में शील्ड विजेता मोहन बागान को चुनौती देगी जमशेदपुर एफसी

एजेंसी

जमशेदपुर। जमशेदपुर एफसी शाम अपने घरेलू मैदान जेआरडी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 के दूसरे सेमीफाइनल के पहले चरण के मुकाबले में मोहन बागान सुपर जायंट का सामना करने के लिए तैयार है। ये दोनों टीमें पहली बार प्लेऑफ में भिड़ने जा रही है। एमबीएसजी आईएसएल लीग शील्ड जीतने के कारण पहले ही अंतिम-चार में पहुंच गई थी, जबकि रेड माइनर्स ने सिंगल-लेग नॉकआउट मुकाबले में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी को 2-0 से हराकर डबल-लेग सेमीफाइनल में जगह बनाई है। जमशेदपुर एफसी को आईएसएल में मोहन बागान सुपर जायंट के खिलाफ अपने पिछले छह मैचों में कोई जीत नहीं मिली है और इस दौरान चार हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर, एमबीएसजी पिछले छह अवे मैचों में अपराजित रही है, जिसमें उसने तीन बार जीत हासिल की है और 13 गोल किए हैं, जबकि केवल तीन गोल खाए हैं। जमशेदपुर की टीम सेमीफाइनल मुकाबले में मजबूत शुरुआत करके

फायदा उठाना चाहेगी, लेकिन उसने यहां अपने पिछले दो घरेलू मैच हारे हैं। जमशेदपुर ने साल 2025 की शुरुआत से अब तक सबसे अधिक गोल (22) किए हैं, जो मोहन बागान सुपर जायंट (21) से एक ज्यादा है। वैसे, एमबीएसजी के नाम अब तक सबसे ज्यादा 47 गोल हैं। मोहन बागान ने अपने पिछले छह आईएसएल प्लेऑफ मैचों में से केवल एक ही मैच नियमित या अतिरिक्त समय (3 ड्रा, 2 हार) में जीता है, जिसमें पिछले सीजन के फाइनल में मुम्बई सिटी के हाथों 1-3 से हार भी शामिल है। जमशेदपुर के मुख्य कोच खालिद जमील मैच से पहले आशावादी नजर आए। उन्होंने कहा, हमें अभी दो चरण खेलने हैं और हमारा सामना एक बहुत अच्छी टीम से है। हम सकारात्मक हैं, क्योंकि हम अपने घरेलू मैदान पर खेलने जा रहे हैं, और हमें सकारात्मक परिणाम के बारे में सोचना चाहिए। मोहन बागान सुपर जायंट के स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना ने आईएसएल कप जीतने को लेकर अपनी टीम की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा, हम तैयार हैं और हम आईएसएल कप जीतना चाहते हैं। हम इस सीजन से बेहद खुश हैं, लेकिन हम कप भी जीतना चाहते हैं। आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 10 मुकाबले हुए हैं। मोहन बागान ने पांच बार जीत हासिल की है जबकि जमशेदपुर एफसी ने तीन मैच जीते हैं। दो मुकाबले ड्रा रहे हैं।

कोपा डेल रे सेमीफाइनल: एटलेटिको मैड्रिड को हराकर बार्सिलोना ने फाइनल में बनाई जगह, रियल मैड्रिड से होगा मुकाबला

एजेंसी

मैड्रिड। बार्सिलोना ने एटलेटिको मैड्रिड को 1-0 से हराकर कोपा डेल रे के फाइनल में जगह बना ली, जहां उसका सामना चिर-प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड से होगा। मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले के बाद बार्सिलोना ने 5-4 के कुल स्कोर के साथ फाइनल का टिकट कटाया। पहले चरण में खेले गए आठ गोल वाले रोमांचक मुकाबले के बाद, फेरान टोरेस के 27वें मिनट में किए गए गोल ने बार्सिलोना को निर्णायक बढ़त दिलाई। लामिन यमाल के बेहतरीन पास पर टोरेस ने बॉक्स के अंदर से शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोलकीपर जुआन मुसो के पास से नेट में पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में

एटलेटिको ने बराबरी के गोल के लिए काफी प्रयास किए, लेकिन स्थानापन्न खिलाड़ी एलेक्ज़ेंडर सोरलॉथ आसान मौके को चूक गए, जिससे बार्सिलोना ने अपनी बढ़त बनाए रखी और जीत दर्ज की।इससे पहले रियल मैड्रिड ने रियल सोसिएदाद के खिलाफ जबरदस्त मुकाबले में 4-4 की बराबरी हासिल कर कुल 5-4 से जीत दर्ज की थी। इसके साथ ही, कोपा डेल रे फाइनल में एक दशक से अधिक समय बाद एक एल क्लासिको मुकाबला देखने को मिलेगा।रियल और बार्सिलोना अब तक कोपा डेल रे फाइनल में 18 बार आमने-सामने आ चुके हैं, जिसमें रियल ने 11 बार जीत हासिल की है। आखिरी बार 2014 के फाइनल में रियल ने 2-1 से जीत दर्ज की थी। इस सीजन में बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड के खिलाफ दोनों मुकाबले जीते हैं - अक्टूबर में ला लिगा में 4-0 की जीत और जनवरी में स्पेनिश सुपर कप फाइनल में 5-2 की धमाकेदार जीत।

एसएम कृष्णा मेमोरियल ओपन: राघव जयसिंघानी ने बिंडा को चौंकाया, सात भारतीय दूसरे दौर में पहुंचे

बेंगलुरु। भारतीय टेनिस खिलाड़ी राघव जयसिंघानी ने एसएम कृष्णा मेमोरियल ओपन में चौथी वरीयता प्राप्त इटली के अलेक्जेंडर बिंडा को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। बेंगलुरु के एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में जयसिंघानी ने शानदार वापसी करते हुए 2-6, 6-3, 6-4 से जीत दर्ज की। पहले सेट में बिंडा का दबदबा रहा, लेकिन जयसिंघानी ने अपनी रणनीति पर कायम रहते हुए शानदार खेल दिखाया। दूसरे सेट में दो बार सर्विस ब्रेक करते हुए उन्होंने 6-3 से जीत हासिल की। निर्णायक सेट में भी उन्होंने पहला और पांचवां गेम ब्रेक कर मुकाबला अपने नाम किया।मैच के बाद जयसिंघानी ने कहा, पहले सेट में वह मुझसे बेहतर खेल रहे थे, लेकिन मैंने अपनी योजना पर विश्वास रखा और लगातार अंक जुटाने का प्रयास किया। मैं बिना किसी अपेक्षा के खेल रहा था और हर मैच को अलग दृष्टिकोण से ले रहा हूं। इस टूर्नामेंट में भारत के लिए यह दिन शानदार रहा, क्योंकि जयसिंघानी के अलावा छह अन्य भारतीय खिलाड़ी भी दूसरे दौर में पहुंचे। करन सिंह, अभिनव संजीव शन्मुगम, मनीष सुरेशकुमार, इशाक इकबाल, एसडी प्रज्वल देव और आर्यन शाह ने अपने-अपने मुकाबले जीते। शीर्ष वरीयता प्राप्त इंग्लैंड के जय क्लार्क और दूसरे वरीय ओलिवर क्रॉफर्ड को भी पहले दौर में कड़ी चुनौती मिली। क्लार्क ने भारत के कबीर हंस को कड़े मुकाबले में 6-4, 4-6, 7-6 से हराया, जबकि क्रॉफर्ड ने ऑस्ट्रेलिया के कोडी पियर्सन को तीन सेटों में हराकर अगला दौर सुनिश्चित किया।

युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप: वॉरियर्ज़ के.सी. की रोमांचक जीत, सेमीफाइनल में युवा योद्धास से होगी भिड़ंत

एजेंसी

हरिद्वार। वंदना कटारिया इंडोर स्टेडियम में जारी युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप में वॉरियर्ज़ के.सी. ने रोमांचक मुकाबले में सोनीपत स्पार्टन्स को 48-43 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। अब उनका सामना युवा योद्धास से होगा, जिसने एलिमिनेटर-1 में युवा मुंबा को 38-27 से मात दी थी।

युवा योद्धास की आसान जीत

दिन के पहले मुकाबले में युवा योद्धास ने शानदार प्रदर्शन करते हुए युवा मुंबा को शिकस्त दी। पहले हाफ में 18-14 की बढ़त लेने के बाद उन्होंने अपनी लय बरकरार रखी और विरोधी टीम को फिर से ऑल आउट कर 12 अंकों की निर्णायक बढ़त बना ली। अंत में युवा योद्धास ने 11 अंकों से मुकाबला जीत लिया। इस मैच में युवा मुंबा के अभिमन्यु रघुवंशी ने 14 रेड अंक अर्जित किए, लेकिन उनकी टीम को हार से नहीं बचा सके। वहीं, युवा योद्धास

के शिवम सिंह (9 अंक) और सोनू राठी (8 अंक) ने शानदार खेल दिखाया।

वॉरियर्ज़ के.सी. की संघर्षपूर्ण जीत

दूसरे एलिमिनेटर मुकाबले में वॉरियर्ज़ के.सी. और सोनीपत स्पार्टन्स के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। पहले हाफ में वॉरियर्ज़ के.सी. ने 18-13 की बढ़त बनाई, जिसे दूसरे हाफ में 11 अंकों तक बढ़ा दिया। हालांकि, सोनीपत स्पार्टन्स के अंकित कुमार राणा और अंकित सहजवा की सुपर रेड्स और टैकल्स ने स्कोर 33-33 से बराबर कर दिया, जिससे मैच अतिरिक्त समय में चला गया। अतिरिक्त समय में सोनीपत ने बढ़त बनाई, लेकिन वॉरियर्ज़ के.सी. के सुशील कांबरेकर की सुपर रेड ने उनकी टीम की वापसी करा दी। इसके बाद स्पार्टन्स को ऑल आउट कर वॉरियर्ज़ के.सी. ने पांच अंकों से जीत दर्ज कर ली। वॉरियर्ज़ के.सी. के पनित कुमार (17 अंक) टीम के स्टार खिलाड़ी रहे, जबकि स्पार्टन्स के लिए अंकित कुमार राणा (16 अंक) और अंकित सहजवा (10 अंक) ने शानदार प्रदर्शन किया। अब वॉरियर्ज़ के.सी. और युवा योद्धास के बीच सेमीफाइनल मुकाबला होगा, जिसमें जीतने वाली टीम शुक्रवार को फाइनल में जयपुर पिंक क्यूब्स से भिड़ेगी।

भारतीय तीरंदाजी टीम को अप्रैल में होने वाले विश्व कप चरण-1 के लिए नहीं मिला अमेरिकी वीजा

नई दिल्ली। भारतीय तीरंदाजी टीम ने घोषणा की है कि वह अमेरिकी वीज़ा प्राप्त करने में असमर्थ है और संभवतः 8 से 13 अप्रैल तक फ्लोरिडा में होने वाले विश्व कप स्टेज-1 प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएगी। भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) ने खुलासा किया कि 16 सदस्यीय टीम को अप्रत्याशित सिस्टम मुद्दों के कारण वीजा अपॉइंटमेंट प्राप्त करने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। एएआई ने इंस्टाग्राम पर कहा, दुर्भाग्य से पिछले 40 दिनों में हमारे अथक प्रयासों और कई फॉलो-अप के बावजूद भारतीय तीरंदाजी टीम को अप्रत्याशित सिस्टम मुद्दों के कारण अमेरिकी वीजा अपॉइंटमेंट प्राप्त करने में अभी भी महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

आईपीएल 2025: बटलर के आगे बेंगलुरु के गेंदबाज पस्त, गुजरात ने आरसीबी को 8 विकेट से हराया

एजेंसी

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 14वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 8 विकेट से हरा दिया है। गुजरात की ओर से जोस बटलर ने नाबाद 73 रनों की पारी खेलकर गुजरात को जीत दिलाई। आरसीबी से मिले 170 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस ने पारी की शुरुआत संभलकर की। टीम को पहला झटका कप्तान शुभमन गिल के रूप में लगा। गिल 14 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सांई सुदर्शन ने जोस बटलर के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 75 रन की साझेदारी हुई। हालांकि साई सुदर्शन अपने अर्द्धशतक से चूक गए और 49 रन बनाकर आउट हुए। फिर बटलर का साथ देने आए शेरफन रदरफोर्ट ने टीम को जीत दिला दी। रदरफोर्ड 30 रन बनाकर और जोस बटलर 73 रन बनाकर नाबाद रहे। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार और जोश हैजलवुड को ही एक-एक सफलता मिली। इससे

पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। विराट कोहली (7 रन) और देवदत्त पडिकल (4 रन) जल्दी आउट हो गए। इसके बाद पावरप्ले खत्म होते-होते फिल सॉल्ट (14 रन) और कप्तान रजत पाटीदार (12 रन) भी पवेलियन लौट गए। लियाम लिविंग्सटन (54 रन) और जितेश शर्मा (33 रन) ने पारी को संभाला और स्कोर को सम्मानजनक स्तर पर पहुंचाने में लगे गए। वहीं, आखिर में टिम डेविड ने 18 गेंदों में 32 रन की पारी खेल आरसीबी के स्कोर को 169 तक पहुंचा दिया। गुजरात की तरफ से मो. सिराज ने तीन और साई किशोर ने दो विकेट चटकाए। वहीं, अरशद खान, प्रसिद्ध कृष्णा और ईशांत शर्मा को एक-एक सफलता मिली।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 84 रनों से हराकर जीती सीरीज, तीसरे वनडे में क्लीन स्वीप का मौका

एजेंसी

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में शानदार प्रदर्शन करते हुए 84 रनों की जीत दर्ज की और तीन मैचों की सीरीज अपने नाम कर ली। अब कीवी टीम माउंट माउंगानुई में होने वाले तीसरे और आखिरी वनडे में क्लीन स्वीप करने उतरेगी।

बेन सियर्स का कहर, पहली बार लिया पांच विकेट

मैच में न्यूजीलैंड के लिए सबसे बड़ी सफलता तेज गेंदबाज बेन सियर्स को मिली, जिन्होंने अपने तीसरे वनडे में ही पांच विकेट झटककर पाकिस्तान की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। सियर्स ने अपने पहले दो वनडे में कोई विकेट नहीं लिया था, लेकिन इस मुकाबले में उन्होंने 59 रन देकर 5 विकेट झटके और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

पाकिस्तान की खराब शुरुआत, शुरुआती झटकों से नहीं उबर पाई टीम: 293 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। विल ओ%रूर्के ने पहले ही ओवर में अब्दुल्ला शफीक (1) को आउट कर दिया। इसके बाद बाबर आजम भी सिर्फ 1 रन बनाकर जैकब डफी का शिकार बने। इमाम-उल-हक (0) भी डफी की गेंद पर आउट हुए,जिससे पाकिस्तान 5.3 ओवर में ही 9/3 के स्कोर पर संघर्ष कर रहा था। इसके बाद भी टीम की हालत नहीं सुधरी। सलमान आगा (9) के रूप में चौथा विकेट गिरा, जबकि कप्तान मोहम्मद रिजवान भी 27 गेंदों पर सिर्फ 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। तैयब ताहिर (13), मोहम्मद वसीम (1) और अकिफ जावेद भी जल्दी आउट हो गए, जिससे पाकिस्तान की हार लगभग तय हो गई थी।

हालांकि, फहीम अशरफ और नसीम शाह ने 60 रनों की साझेदारी कर कुछ संघर्ष दिखाया। अशरफ ने 80 गेंदों में 73 रन बनाए, जबकि नसीम शाह ने 44 गेंदों पर 51 रनों की पारी खेली। लेकिन उनकी ये पारियां न्यूजीलैंड की जीत को रोकने के लिए काफी नहीं थीं। न्यूजीलैंड के लिए बेन सियर्स ने 5 विकेट (5/59) लिए, जबकि जैकब डफी ने 3/35 का शानदार प्रदर्शन किया। विल ओ%रूर्के और नाथन स्मिथ को भी एक-एक विकेट मिला, जिससे पाकिस्तान 43.4 ओवर में 208 रन पर ऑलआउट हो गया और न्यूजीलैंड को 84 रनों की बड़ी जीत मिली।

न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी- मिशेल हे ने खेली नाबाद 99 रनों की पारी

इससे पहले न्यूजीलैंड ने 292/8 का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। राइस मारियू (18) और निक केली (31) ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। हालांकि, 6.2 ओवर में 54/1 पर पहला विकेट गिरा। टीम ने 15.3 ओवर में 100 रन पूरे किए, लेकिन इसी ओवर में डेरिल मिचेल (18) आउट हो गए। इसके बाद हेनरी निकोल्स (22) और कप्तान माइकल ब्रेसवेल (17) के आउट होने से न्यूजीलैंड 132 रन पर 5 विकेट खोकर मुश्किल में आ गया। इसके बाद मोहम्मद अब्बास और मिशेल हे ने 77 रनों की साझेदारी कर पारी को संभाला। अब्बास 41 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन मिशेल हे ने अंत तक बल्लेबाजी की और 78 गेंदों में नाबाद 99 रन बनाए। उन्होंने 7 चौके और 7 छक्के लगाए और शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। पाकिस्तान की ओर से सुफियान मुकीम (2/33) और मोहम्मद वसीम (2/78) ने सबसे ज्यादा विकेट लिए। सीरीज पहले ही जीत चुकी न्यूजीलैंड की टीम अब शनिवार को होने वाले तीसरे वनडे में पाकिस्तान को हराकर 3-0 की क्लीन स्वीप पूरी करने के इरादे से उतरेगी।

मां ऐश्वर्या राय पर भारी पड़ी बच्चन परिवार की लाडली आराध्या, स्ट्रेट हेयर और ब्लू अनारकली सूट में लूटी महफिल

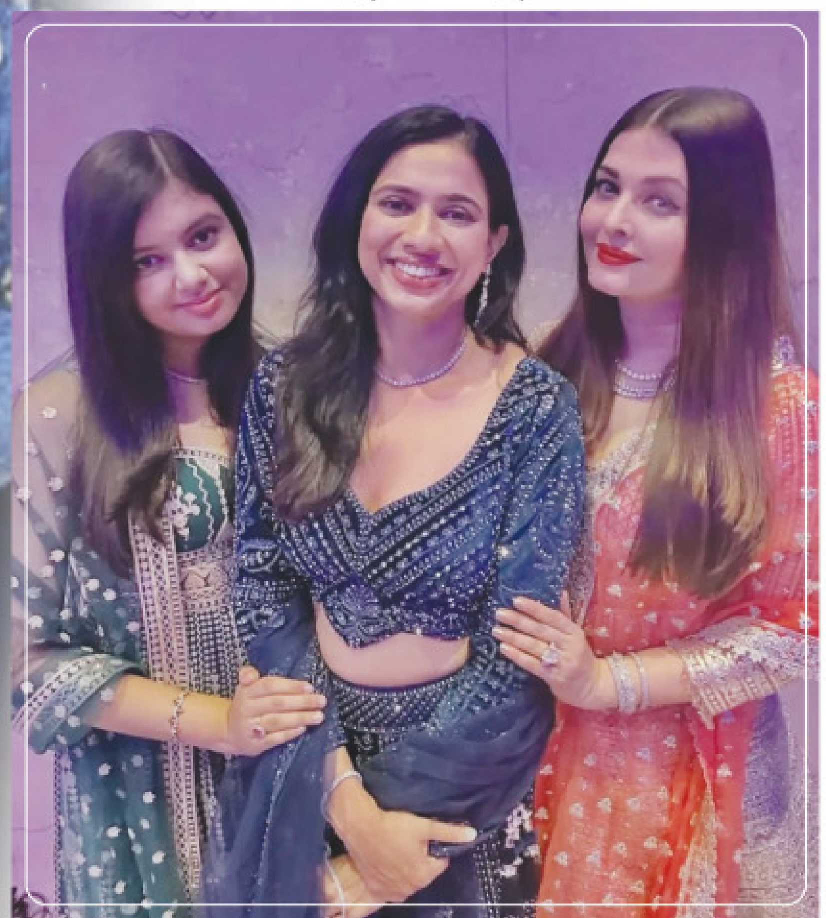

ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन ऐश्वर्या और अभिषेक बॉलीवुड के पावर कपल हैं। दोनों का रिश्ता लंबे समय से चर्चाओं में बना हुआ था। अनंत राधिका की शादी में जब दोनों ने अलग-अलग एंट्री ली तब लोगों को लगने लगा था कि शायद अब दोनों का रिश्ता टूटने की कगार पर है लेकिन दोनों को आराध्या के स्कूल फंक्शन में दोनों को साथ देखा गया तब से फैन्स को कंफर्म हो गया कि दोनों के तलाक की खबरें झूठी हैं।

हाल ही में इस कपल ने बेटी आराध्या संग एक फैमिली वेडिंग अटेंड की जिसकी कुछ और फोटोज वायरल हुए। वायरल तस्वीरों में देखा जा सकता है कि आराध्या और ऐश्वर्या गेस्ट के साथ मिलकर तस्वीर खिंचवाती नजर आ रही हैं।

जहां ऐश्वर्या लाल रंग के सूट में दिख रही हैं। वहीं आराध्या ब्लू कलर के लॉन्ग अनारकली सूट और स्टाइलिश श्रग में नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीर शादी के ग्रुप फोटो की है जहां ऐश्वर्या और आराध्या मैचिंग करती हुई नजर आ रही हैं और पीछे सफेद कोट में अभिषेक बच्चन नजर आ रहे हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में ऐश्वर्या और अभिषेक को अपनी आइकॉनिक फिल्म बंटी और बबली के मशहूर गाने कजरारे के हुक स्टेप्स पर थिरकते हुए देखा जा सकता है। इस खास डांस में उनकी बेटी आराध्या बच्चन भी शामिल हुई।

ऐश्वर्या और अभिषेक बच्चन ने जिस तरह से एक-दूसरे की आंखों में आंखें डालकर डांस किया इसे देखकर लोग कह रहे हैं कि ये फिर से एक हो गए हैं। पिछले कुछ समय से कपल की तलाक की अफवाह आ रही थी लेकिन यह वीडियो देखकर सबके मुंह बंद होने वाले हैं। इंडस्ट्री के सबसे प्यारे कपल साथ में डांस कर रहे हैं।

सभी अच्छे लोग अगस्त में पैदा हुए थे...अप्रैल में अजय को काजोल ने ऐसे विश किया बर्थडे

हिंदी सिनेमा के बेहतरीन एक्टर अजय देवगन को शुरू से ही फिल्मी दुनिया में करियर का बनाने का शौक था. क्योंकि उनके दिवंगत पिता वीरू देवगन बॉलीवुड में स्टंटमैन और डायरेक्टर थे. पिता से प्रभावित होकर अजय ने भी हिंदी सिनेमा में कदम रखने का सपना संजोया और महज 22 साल की उम्र में उन्होंने बतौर लीड एक्टर अपने करियर का आगाज किया.अजय देवगन ने अपने करियर की शुरुआत साल 1991 में आई फिल्म 'फूल और कांटे' से की थी. उनकी पहली ही फिल्म सुपरहिट रही. तब से लेकर अब तक 33 साल बाद भी अजय लीड एक्टर के रूप में काम कर रहे हैं और तीन दशक बाद भी उनका जलवा बरकरार है. आज ये दिग्गज कलाकार अपना 56वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहा है. इस मौके पर उन्हें फैंस और सेलेब्स से शुभकामनाएं मिल रही है. वहीं अजय को उनकी पत्नी और मशहूर एक्ट्रेस काजोल ने भी बर्थडे विश किया है. काजोल ने इस मौके पर अजय के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए इसे मजेदार कैप्शन दिया.

काजोल ने अजय को विश किया बर्थडे

काजोल ने अपने पति को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए दोनों की एक प्यारी सी तस्वीर शेयर की है. इसमें अजय अपनी पत्नी को निहारते हुए नजर आ रहे हैं. इस तस्वीर को पोस्ट करते हुए काजोल ने अजय की चुटकी भी ली. उनका कैप्शन फैंस का ध्यान खींच रहा है. एक्ट्रेस ने लिखा, सभी अच्छे लोग अगस्त में पैदा हुए थे, लेकिन हमें आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं देने में कोई आपत्ति नहीं है. हमेशा मुझसे बड़े होने के लिए धन्यवाद.

1999 में हुई थी काजोल-अजय की शादी

अजय और काजोल की गिनती बॉलीवुड के पावर कपल में होती है. इस जोड़ी को फैंस काफी पसंद करते हैं. अजय और काजोल की पहली मुलाकात साल 1995 में फिल्म 'हलचल' के सेट पर हुई थी. दोनों ने इस फिल्म के जरिए पहली बार स्क्रीन शेयर की थी. हलांकि उस वक्त दोनों किसी और के साथ रिश्ते में थे. लेकिन उनका ब्रेकअप हो गया था. इसके बाद अजय और काजोल एक दूसरे के करीब आए, दोनों ने एक दूसरे को लंबे समय तक डेट करने के बाद साल 1999 में शादी रचा ली थी. शादी के बाद अजय और काजोल बेटी न्यासा देवगन और फिर बेटे युग के पैरेंट्स बने.

सिंगर हंस राज हंस की पत्नी रेशम कौर का निधन, लंबे वक्त से चल रही थीं बीमार

मशहूर सिंगर और फॉर्मर लोकसभा एमपी हंस राज हंस की पत्नी रेशम कौर का निधन हो गया है. रेशम लंबे वक्त से बीमार चल रहीं थीं. बीमारी के चलते उन्हें जालंधर के टैगोर अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां आज उनका निधन हो गया. इंडिया टुडे की खबर के मुताबिक, दोपहर 1 बजे रेशम ने अपनी आखिरी सांस ली. सिंगर की पत्नी को दिल से संबंधित बीमारी थी.

हाल ही में बीमारी के चलते उनके शरीर में स्टंट भी डाला गया था, इसके बाद भी उन्हें कोई ज्यादा फर्क नहीं पड़ा था. अब 62 साल की उम्र में रेशम कौर ने आखिरी सांस ली है. रेशम और हंसराज हंस बॉलीवुड सिंगर दलेर मेहंदी के समधी-समधन हैं. दलेर

मेहंदी की बेटी अजीत कौर की शादी रेशम-हंसराज के बेटे नवराज हंस से हुई है.

16 दिन बाद थी एनिवर्सरी

आज से करीब 16 दिन बाद 18 अप्रैल को हंसराज हंस की एनिवर्सरी थी, लेकिन एनिवर्सरी से पहले ही रेशम ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया. इस खबर के सामने आने के बाद से हंसराज के घर पर मिलने आने वालों का सिलसिला जारी है. रेशम और हंसराज के परिवार के लोगों का भी सिंगर के घर तांता लगा है.

कब होगा अंतिम संस्कार ?

दैनिक भास्कर की एक खबर के मुताबिक, रेशम कौर के भाई परमजीत सिंह ने बताया है कि आज दोपहर करीब 2 बजे रेशम का निधन हुआ है. पिछले 5 दिनों से वह अस्पताल में दाखिल थीं. पहले वह बिल्कुल सेहतमंद थीं. उन्हें स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या नहीं थी, लेकिन कुछ दिन पहले अचानक उन्हें पहली बार अटैक आया था. इस वजह से उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था. वहां डॉक्टर अच्छे से उनकी देखभाल भी कर रहे थे. परमजीत सिंह ने बताया है कि गुरुवार को सुबह 11 बजे हंसराज हंस के पैतृक गांव शफीपुर में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा.

श्रद्धा आर्या ने 4 महीने बाद बताए जिगर के टुकडों के नाम, इस ट्विस्ट के साथ दिखाया जुड़वा बच्चों का मुखड़ा

कुंडली भाग्य फेम श्रद्धा आर्या इन दिनों अपनी मदरहुड लाइफ को एंजॉय कर रही हैं। श्रद्धा आर्या November 29, 2024 एक बेटे और एक बेटी की मां बनी थीं हालांकि जन्म के चार महीने तक उन्होंने बच्चों का चेहरा नहीं

दिखाया। कुछ दिन पहले उन्होंने अपने जुड़वा बच्चों की झलक जरुर शेयर की थी। वहीं अब श्रद्धा ने अपने बच्चों के नाम का खुलासा कर दिया है। इसके साथ ही अपने जिगर के टुकड़ों के चेहरे के दीदार भी फैंस को करवा दिए हैं हालांकि इसमें थोड़ा ट्विस्ट हैंउन्होंने घिबली ट्रेंड को फॉलो करते हुए जिगर के टुकड़ों से दुनिया को रूबरू करवा दिया है।

दूसरे में बेटा तीसरे में बेटी और फिर चौथी फोटो में एक्ट्रेस अपने पति और बच्चों के साथ दिखाई दे रही हैं। मतलब पूरी कम्पलीट फैमिली देखने को मिल रही है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में बताया कि बच्चों का नाम क्या है।

श्रद्धा आर्या ने कैप्शन में लिखा- हमारे दो छोटे बवंडरों से मिलिए- शौर्य और सिया। जुड़वा बच्चे। पहले जीवन बहुत शांत था। बस इतना बवाल नहीं था।

श्रद्धा आर्या के बच्चों के नाम का मतलब

श्रद्धा आर्या के बेटे शौर्य के नाम के मतलब की बात करें तो वह है- बहादुरी, वीरता, पराक्रम, शूरता। एक एक संस्कृत का शब्द है। वहीं बेटी सिया के नाम की बात करें तो उसका मतलब- देवी सीता, सफेद चांदनी, एक सुंदर स्त्री होता है।।